page 1 and 8 mar 19_page 1 Mar 25 final ds.qxd 3/19/2026 1:16 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 सज गए मां के दरबार, अब श्रद्धालुओं के स्वागत को तैयार कठुआ

5 भारतीय क्रिकेट का हिस्सा बनना मेरे लिए बड़ी खुशकिस्मती की बात: द्रविड़

8 घिया (लौकी) एक कद्दूवर्गीय महत्वपूर्ण सब्जी

न्यूनतम 13 मौसम जम्मू अधिकतम 25

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-68 | जम्मू तवी, वीरवार 19 मार्च, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

प्राकृतिक खेती से धरती मां की सेहत और किसान की आमदनी दोनों सुरक्षित: शिवराज

नई दिल्ली, 18 मार्च । लोकसभा में बुधवार को कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय पर हुई विस्तृत चर्चा का जवाब देते हुए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि नरेन्द्र मोदी की सरकार सिर्फ शासन नहीं चलाती, समाज बदलती है, जीवन बदलती है और राष्ट्र का भविष्य गढ़ती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चिंता है कि अत्यधिक केमिकल फर्टिलाइज़र से धरती मां की सेहत बिगड़ रही है और आने वाली पीढ़ियों के लिए भूमि उत्पादन से इनकार कर सकती है। उसी भाव से प्राकृतिक खेती मिशन के तहत 1 करोड़ किसानों को जागरूक, 18 लाख किसानों को प्रशिक्षित करने और 75 लाख हेक्टेयर में चरणबद्ध रूप से प्राकृतिक खेती का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें अभी लाखों किसान और लाखों हेक्टेयर भूमि जुड़ चुकी है।

उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक रूप से ये सिद्ध है कि सही ढंग से प्राकृतिक खेती करने पर कई मामलों में उत्पादन घटता नहीं बल्कि बढ़ सकता है और लागत में भारी कमी आती है, इसीलिए मोदी सरकार इसे भारत की आने वाली पीढ़ियों के लिए मिट्टी की अमानत मानकर आगे बढ़ा रही है। किसानों के हितों, कृषि सुधारों, आधुनिक तकनीक, सिंचाई, बीमा, प्राकृतिक खेती और डिजिटल एग्रीकल्चर की चर्चा करते हुए उन्होंने विपक्ष के प्रश्नों के जवाब दिए। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों के नाम पर सिर्फ सियासी नारे और अर्द्धसत्यों से काम नहीं चलेगा। खेत-खलिहान की हकीकत पर बात करनी होगी। उन्होंने दो टूक कहा कि सवाल ये होना चाहिए कि किसान के लिए ज़मीन पर क्या काम हुआ, कितना पैसा सीधे उसके खाते में पहुंचा और कौन सी व्यवस्था बदली। चौहान ने याद दिलाया कि पिछली सरकार के समय 140 सिंचाई परियोजनाओं में से 99 परियोजनाएं दशकों से लटकी पड़ी थीं, जिनपर कोई काम आगे नहीं बढ़ रहा था। मोदी सरकार ने इन्हें प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत प्राथमिकता दी और लगभग 27 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचित क्षेत्र सुनिश्चित करने की दिशा में तेज़ी से काम बढ़ाया।

> "वैज्ञानिक रूप से ये सिद्ध है कि सही ढंग से प्राकृतिक खेती करने पर कई मामलों में उत्पादन घटता नहीं बल्कि बढ़ सकता है

चैत्र नवरात्रि के दौरान माता वैष्णो देवी मंदिर की ओर जाने वाले मार्ग पर की गई व्यापक सुरक्षा व्यवस्था

कटरा 18 मार्च। चैत्र नवरात्रि के दौरान त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर की ओर जाने वाले मार्ग पर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड (एसएमवीडीएसबी) के सीईओ सचिन कुमार वैश्य ने बताया कि नौ दिवसीय उत्सव से पहले भवन और आसपास के परिसर सहित पूरे मंदिर क्षेत्र को फूलों से सजाया गया है। राम नवमी पर समाप्त होने वाले इस उत्सव के दौरान भारी संख्या में तीर्थयात्रियों के आने की उम्मीद है। श्राइन बोर्ड ने श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुगम दर्शन के लिए व्यापक व्यवस्था की है।

वैश्य ने तीर्थयात्रा के लिए आधार शिविर कटरा में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि इस वर्ष तीर्थयात्रियों की संख्या 15 लाख तक पहुंच गई है और माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में यह यात्रा और भी बढ़ेगी। सीईओ ने बताया कि सीआरपीएफ, जम्मू और कश्मीर पुलिस, श्राइन बोर्ड के सुरक्षा कर्मियों और सेना के जवानों के साथ बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि एक एकीकृत कमांड और कंट्रोल सेंटर चौबीसों घंटे काम कर रहा है और स्थिति पर लगातार नजर रखने के लिए हाई-टेक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। विभिन्न स्थानों पर आठ क्या मैं आपकी मदद कर सकता हूं डेस्क स्थापित किए गए हैं।

सीईओ ने कहा कि दिव्यांग श्रद्धालुओं को प्राथमिकता दी जा रही है और पिछले वर्षों की तरह उन्हें मुफ्त बैटरी कार सेवा और टट्टू सेवा प्रदान की जाएगी। वैश्य ने बताया कि इस वर्ष कुछ नई सुविधाएं भी जोड़ी गई हैं जैसे ध्यान के लिए साधना कक्ष और हवन के लिए यज्ञशाला।

उमर अब्दुल्ला ने चैत्र नवरात्रि और नवरेह पर लोगों को बधाई दी

श्रीनगर, 18 मार्च। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज चैत्र नवरात्रि के शुभ अवसर पर लोगों को अपनी हार्दिक बधाई दी।

एक संदेश में, मुख्यमंत्री ने कहा कि नवरात्रि नए साल की शुरुआत का प्रतीक है और यह बुराई पर सत्य, धर्म और सदाचार की जीत का भी प्रतीक है।

उन्होंने कहा, इस शुभ अवसर पर, मैं सभी के लिए सफलता, खुशी और खुशहाली की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

मुख्यमंत्री ने नवरेह के अवसर पर कश्मीरी पंडित समुदाय को भी बधाई दी।

उन्होंने आगे कहा, ये त्योहार भाईचारे के बंधन को मजबूत करें और हमें मानवता की सेवा के लिए खुद को समर्पित करने के लिए प्रेरित करें।

पुलिस ने ड्रग तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए कुख्यात आरोपी की संपत्ति की कुर्क

सांबा, 18 मार्च । जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में पुलिस ने ड्रग तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक कुख्यात आरोपी की संपत्ति कुर्क कर ली है। बुधवार को पुलिस ने विजयपुर तहसील के रख बरोतियां इलाके में मसूम अली उर्फ 'काला' के मकान को अटैच किया।

यह कार्रवाई एनडीपीएस एक्ट की धारा 68-एफ के तहत की गई है। अटैच किया गया मकान करीब 40 लाख रुपये का बताया जा रहा है। जांच में सामने आया है कि यह संपत्ति आरोपी ने अवैध धंधों से कमाई गई रकम से खरीदी थी।

पुलिस ने बताया कि मसूम अली के खिलाफ सांबा जिले के तीन अलग-अलग थानों में पांच एफआईआर दर्ज हैं। वह पिछले साल से उधमपुर जेल में बंद है। पुलिस का कहना है कि नशा तस्करों के खिलाफ आगे भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी ताकि इलाके को नशा मुक्त बनाया जा सके।

राजौरी, डोडा, पुंछ में संदिग्ध गतिविधियों के बाद तलाशी अभियान शुरू

जम्मू, 18 मार्च। सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर के राजौरी, डोडा और पुंछ जिलों में विभिन्न स्थानों पर संदिग्ध आतंकवादियों की आवाजाही की रिपोर्ट के बाद तलाशी अभियान शुरू किया है।

अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय लोगों ने दो संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधि की सूचना दी, जिसके बाद मंगलवार देर रात राजौरी के पाल्मा के पास खांडली और उसके आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान शुरू किया गया। संदिग्ध व्यक्तियों को नाले से होते हुए पास के जंगल की ओर जाते देखा गया। एक अधिकारी ने बताया कि अभी तक संदिग्ध व्यक्तियों से कोई संपर्क नहीं किया गया है।

फारुक अब्दुल्ला पर हमला- पुलिस ने जनता से वीडियो, फोटो और सबूत मांगे

जम्मू तवी, 18 मार्च। जम्मू और कश्मीर पुलिस ने एक सार्वजनिक नोटिस जारी कर उन लोगों से जानकारी, वीडियो रिकॉर्डिंग और तस्वीरें मांगी हैं, जो उस शादी समारोह में शामिल हुए थे, जहाँ नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला की हत्या का प्रयास किया गया था। पुलिस ने रविवार को एक विशेष जांच दल का गठन किया, जो बुधवार को यहाँ ग्रेटर कैलाश इलाके में एक शादी समारोह के दौरान अब्दुल्ला पर हुई गोलीबारी की हालिया घटना की जांच करेगा। रेंज मुख्यालय जम्मू-सांबा-कठुआ द्वारा जारी नोटिस के अनुसार, DIG शिव कुमार शर्मा ने समारोह में मौजूद सभी मेहमानों, आम जनता के सदस्यों, या किसी भी ऐसे व्यक्ति से अपील की है, जिसके पास इस घटना से संबंधित कोई डिजिटल सबूत या जानकारी हो, कि वे उसे जांच एजेंसी के साथ साझा करें। उन्होंने कहा, इस उद्देश्य के लिए दिए गए संपर्क नंबरों में 9419150173, 9419131379 और 9419186210 शामिल हैं। DIG ने बताया कि यह घटना 11 मार्च को जम्मू के ग्रेटर कैलाश स्थित रॉयल पार्क में एक शादी के दौरान हुई थी। गंग्याल पुलिस स्टेशन ने इस मामले में एक FIR दर्ज की है, और मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल का गठन किया गया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जनता का सहयोग SIT को महत्वपूर्ण सबूत जुटाने और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने में काफी मदद करेगा। जम्मू ज़ोन के पुलिस महानिरीक्षक भीम सेन टूटी ने रविवार को इस मामले की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए, पुलिस उप महानिरीक्षक, जम्मू-सांबा-कठुआ रेंज की देखरेख में स्ढ्ढञ्ज गठित करने का आदेश दिया। पिछली बुधवार रात, पूर्व मुख्यमंत्री अब्दुल्ला बाल-बाल बच गए, जब ग्रेटर कैलाश इलाके में रॉयल पार्क बैंक्वेट हॉल में एक शादी समारोह से निकलते समय एक बंदूकधारी ने उन पर पीछे से गोली चला दी।

वित्त वर्ष 2026-27 के बजट संबंधी विनियोग विधेयक को लोकसभा की मंजूरी

नयी दिल्ली, 18 मार्च। वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में प्रस्तावित 53.47 लाख करोड़ रुपये के व्यय के लिए समेकित निधि से सरकार को धन के भुगतान के लिए अधिकृत करने वाले विनियोग विधेयक (नंबर 2), 2026 को लोकसभा में बुधवार को पारित कर दिया गया। इससे पहले सदन ने कई मंत्रालयों और विभागों से संबंधित अनुदान मांगों को एक साथ बिना चर्चा के स्वीकृति प्रदान की। रेलवे तथा कृषि मंत्रालयों से संबंधित अनुदान मांगों पर लोकसभा में तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय की अनुदान मांगों पर राज्यसभा में विस्तृत चर्चा हुई थी और मंत्रियों के जवाब के बाद उन्हें पारित किया गया था। कृषि मंत्रालय से संबंधित अनुदान मांगों को सदन की मंजूरी मिलने के बाद अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि शेष मंत्रालयों से संबंधित अनुदानों की बकाया मांगों के संबंध में अनेक कटौती प्रस्ताव मिले हैं। उन्होंने समय के अभाव के कारण सभी कटौती प्रस्तावों को एक साथ मतदान के लिए रखा। सदन ने सभी कटौती प्रस्तावों को ध्वनिमत से नामंजूर कर दिया।

इसके बाद सदन ने शेष मंत्रालयों की अनुदान मांगों को एक साथ ध्वनिमत से पारित किया। अंत में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने तत्संबंधी विनियोग विधेयक को सदन की मंजूरी के लिए पेश किया और उसे भी सदन ने ध्वनिमत से पारित कर दिया। विनियोग विधेयक के पारित होने के साथ ही वर्ष 2026-27 के बजट को पारित करने का दूसरा चरण पूरा हो गया है। इसमें सरकार को पूरे वित्त वर्ष के लिए बजट प्रावधानों के अनुसार खर्च करने की लोकसभा से अनुमति मिल गयी है। वित्त संबंधी विधेयक होने के कारण इसके लिए राज्यसभा की मंजूरी अनिवार्य नहीं है। तीसरे चरण में अब वित्त विधेयक 2026 पर चर्चा होगी और उसे पारित किया जायेगा, और उसके आधार पर पहली अप्रैल से शुरू होने वाले कर प्रस्ताव लागू किये जायेंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक फरवरी 2026 को संसद में बजट पेश किया था जिसमें 53,47,315 करोड़ रुपये के व्यय का अनुमान लगाया गया है जो चालू वित्त वर्ष के संशोधित अनुमान से 7.7 प्रतिशत अधिक है।

सरकार हर नागरिक को समान, समावेशी और किफायती स्वास्थ्य सेवा देने के लिए दृढ़ है : सकीना इटू

कुलगाम, 18 मार्च। स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण और शिक्षा मंत्री, सकीना इटू ने आज यहाँ चावलगाम में 50 बिस्तरों वाले एकीकृत आयुष अस्पताल का उद्घाटन किया।

लगभग 7.40 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से निर्मित यह अस्पताल, आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ चिकित्सा की पारंपरिक प्रणालियों को बढ़ावा देने के सरकार के निरंतर प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

इस अवसर पर कुलगाम के विधायक मोहम्मद यूसुफ तारिगामी, कुलगाम के उपायुक्त शहजाद आलम, आयुष निदेशक, कुलगाम के एडीसी, सीएमओ, आयुष नोडल अधिकारी, कुलगाम के सीईओ, जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी उपस्थित थे। उद्घाटन समारोह के बाद अपने संबोधन में, मंत्री सकीना ने उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार की, जमीनी स्तर तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करने की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि आयुष प्रणालियों का पारंपरिक चिकित्सा के साथ एकीकरण न केवल उपचार के विकल्पों का विस्तार करेगा, बल्कि समय-परीक्षित स्वदेशी उपचार पद्धतियों को पुनर्जीवित और संस्थागत भी करेगा। मंत्री ने कहा, सरकार हर नागरिक को समान, समावेशी और किफायती स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के अपने मिशन में दृढ़ है। कुलगाम में इस एकीकृत आयुष अस्पताल का उद्घाटन एक मजबूत और विविध स्वास्थ्य प्रणाली के हमारे दृष्टिकोण को दर्शाता है, जो परंपरा का सम्मान करते हुए नवाचार को भी अपनाती है। उन्होंने बताया कि यह नव-स्थापित सुविधा आयुर्वेद, योग, यूनानी और होम्योपैथी (आयुष) के तहत व्यापक और एकीकृत उपचार पद्धतियां प्रदान करेगी, जिससे कुलगाम और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित होगी। निवारक स्वास्थ्य सेवा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री सकीना ने कहा कि जीवनशैली प्रबंधन, पुरानी बीमारियों की देखभाल और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में आयुष की महत्वपूर्ण भूमिका है।

- कुलगाम में 50 बिस्तरों वाले एकीकृत आयुष अस्पताल का उद्घाटन किया
- जमीनी स्तर तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया

जम्मू-कश्मीर में खोए सामान के लिए इंडिगो को 1.19 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश

श्रीनगर, 18 मार्च । जम्मू-कश्मीर के उपभोक्ता फोरम ने इंडिगो एयरलाइन को सऊदी अरब से वापसी यात्रा के दौरान खोए हुए सामान के लिए दो यात्रियों को 1.19 लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया है।बारामूला-बांदीपोरा जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने एयरलाइन को खोए हुए सामान के मूल्य के रूप में 89 हजार रुपये, मानसिक पीड़ा और असुविधा के लिए 20 हजार रुपये और मुकदमेबाजी में खर्च के लिए 10 हजार रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया। आयोग ने आगे निर्देश दिया कि यह राशि 30 दिनों के भीतर भुगतान की जाए, अन्यथा आदेश की तिथि से भुगतान होने तक इस पर 10 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ब्याज लगेगा। शिकायतकर्ता मोहम्मद मकबूल हकीम और उनकी पत्नी फरहत आरा ने दम्माम (सऊदी अरब) से दिल्ली होते हुए श्रीनगर की यात्रा की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि दम्माम हवाई अड्डे पर इंडिगो के कर्मचारियों ने उचित सत्यापन के बिना उनके समूह के सामान को एक साथ रख दिया और उन्हें अलग-अलग सामान नहीं दिया। दिल्ली पहुंचने पर एक बैग गायब पाया गया। तस्वीरों सहित सभी आवश्यक विवरण प्रदान करने के बावजूद एयरलाइन सामान का पता लगाने में विफल रही। इंडिगो ने जिम्मेदारी लेने से इनकार किया, जबकि शिकायतकर्ताओं ने कहा कि लापता बैग में 89 हजार मूल्य की कीमती वस्तुएं थीं और यह नुकसान लापरवाही के कारण हुआ।

कश्मीर के ऊंचे इलाकों में ताजा बर्फबारी हुई, घाटी में बारिश का दौर

श्रीनगर, 18 मार्च । कश्मीर के ऊंचाई वाले कुछ इलाकों में बुधवार को ताजा बर्फबारी हुई, जबकि घाटी के अधिकांश हिस्सों में बारिश होने से तापमान में गिरावट आई। शोपियां जिले में मुगल रोड के पास पीर की गली और सोनमर्ग से ताजा बर्फबारी की खबरें मिलीं, जबकि घाटी के अधिकांश पहाड़ बर्फ की परतों से ढके रहे।

श्रीनगर समेत मैदानी इलाकों में बारिश हुई, जो बुधवार को आखिरी रिपोर्ट आने तक जारी रही। रविवार से घाटी के ऊंचे इलाकों में रुक-रुक कर बर्फबारी हो रही है। मंगलवार को श्रीनगर में अधिकतम तापमान 14.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री कम है। घाटी के अन्य मौसम केन्द्रों पर भी तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया गया। पिछले कुछ दिनों से कश्मीर में बादल छाए रहने के कारण दिन ठंडे और रातें गर्म हो रही हैं। दिन के निचले तापमान ने पिछले कुछ हफ्तों से घाटी में चल रहे असामान्य रूप से उच्च तापमान के रुझान को तोड़ दिया है। मौसम विभाग ने 20 मार्च तक अनियमित मौसम की संभावना जताई है। कई स्थानों पर रुक-रुक कर हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी की संभावना है। चिनाब घाटी और दक्षिण कश्मीर के कुछ ऊंचे इलाकों में मध्यम से भारी बर्फबारी हो सकती है। मौसम कार्यालय के अनुसार 26-28 मार्च तक एक और बारिश की संभावना है और ऊंचाई वाले स्थानों पर हल्की बारिश या बर्फबारी हो सकती है। इसमें कहा गया है कि 20 मार्च तक कुछ स्थानों पर लगभग 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गरज तेज हवाएं चलने की संभावना है। साथ ही अलग-अलग स्थानों पर ओलावृष्टि की भी संभावना है। मौसम विभाग ने किसानों को 20 मार्च तक कृषि कार्य स्थगित करने की सलाह दी है।

राइजिंग स्टार कोर के जीओसी ने कठुआ में सैनिकों की ऑपरेशनल तैयारियों की समीक्षा की

जम्मू 18 मार्च । राइजिंग स्टार कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल राजन शरवत ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले के मछेड़ी सेक्टर में तैनात सैनिकों की ऑपरेशनल तैयारियों की समीक्षा की। कठुआ जिले के बानी-मछेड़ी पहाड़ी क्षेत्र में पिछले दो वर्षों में कई हमले और मुठभेड़ें हुई हैं। इसे अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) से डोडा, किश्तवाड और उधमपुर जिलों तक घुसपैठ का मार्ग माना जाता है। रक्षा पीआरओ, जम्मू

ने बताया कि राइजिंग स्टार कोर के जीओसी ने बानी-मछेड़ी सेक्टर (कठुआ जिला) में तैनात सैनिकों की ऑपरेशनल तैयारियों की समीक्षा की। जीओसी ने सैनिकों की युद्ध तत्परता, उच्च मनोबल और हर परिस्थिति में मिशन की सफलता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की सराहना की।

डिविज़नल कमिश्नर ने श्री मचैल माता यात्रा 2026 की तैयारियों का जायज़ा लिया

जम्मू, 18 मार्च। जम्मू के डिविज़नल कमिश्नर रमेश कुमार ने आज एक बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें श्री मचैल माता यात्रा 2026 के लिए की जाने वाली व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। इस बैठक में डिप्टी कमिश्नर किश्तवाड़, SSP किश्तवाड़, कमांडेंट SDRF, पर्यटन निदेशक जम्मू, PWD (R&B) चिनाब घाटी के मुख्य अभियंता, JPDCL जम्मू, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, जल शक्ति जम्मू और PMGSY जम्मू, स्वास्थ्य सेवा निदेशक जम्मू, BSNL, Reliance JIO, Airtel के प्रतिनिधियों और G-Ma& IT Services जम्मू के निदेशक के अलावा अन्य संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया। डिविज़नल कमिश्नर ने ज़िला प्रशासन द्वारा यात्रा मार्ग पर की

गई तैयारियों की योजना और इस पवित्र यात्रा की पुख्ता व्यवस्थाओं से जुड़े विभिन्न पहलुओं का जायज़ा लिया। यात्रा के ऑनलाइन और ऑफ़लाइन पंजीकरण, श्री अमरनाथजी यात्रा की तर्ज पर यात्रियों के लिए RFID कार्ड सुविधा शुरू करने की संभावनाओं, यात्रा के नियमन, भीड़ प्रबंधन योजना, ठहरने की व्यवस्था, स्वच्छता, बिजली और पीने के पानी की आपूर्ति, लंगर की सुविधाएँ, चिकित्सा और आपातकालीन सेवाएँ, हेलीकॉप्टर सेवाएँ, यात्रा वाहनों की पार्किंग के लिए निर्धारित क्षेत्रों में उचित समय स्लॉट के साथ पार्किंग स्थल, संकेतक, सुरक्षा उपाय, यातायात प्रबंधन, सुविधाओं में वृद्धि, यात्रा मार्ग और पवित्र तीर्थस्थल पर विकास परियोजनाएँ, व्यापक मोबाइल कनेक्टिविटी और श्री मचैल माता यात्रा 2026 के सुचारू और त्रुटिरहित संचालन को सुनिश्चित करने के लिए अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

2 से 3 मिनट के बाद मछली के बच्चों को तालाब में डाल देना चाहिए। ध्यान रखने वाली बात यह है कि मछलियों की मात्रा तालाब में ना तो बहुत ज्यादा होना चाहिए और बहुत कम भी नहीं होनी चाहिए। आप तालाब में सही अनुपात में मछलियों का बीज डालें।

आसान और लाभकारी बिजनेस है मत्स्य पालन
कॅरियर के हैं भरपूर अवसर

भारत भर में मत्स्य पालन एक जाना पहचाना व्यवसाय रहा है। कृषि से इसको जोड़कर जरूर देखा जाता रहा है, किंतु हकीकत में यह काफी उन्नत और लाभकारी व्यवसाय है। वर्तमान में कोरोनावायरस के कारण बड़ी संख्या में गांवों की ओर लोगों का पलायन हुआ है। कई लोगों को रोजगार की समस्या भी उत्पन्न हुई है, क्योंकि जमे जमाए व्यवसाय या फिर शहर में करने वाली नौकरी छूटने के बाद लोग गांव की ओर लौटे हैं। गांव में चूँकि अधिकतर लोगों के पास कम-अधिक जमीन होती ही है और ऐसी स्थिति में मत्स्य पालन उन सबके लिए एक लाभकारी व्यवसाय हो सकता है।

तालाब को ठीक से करें तैयार

अक्सर लोग किसी तालाब की खुदाई के बाद तुरंत ही मछली के बीज डाल देते हैं, लेकिन यह ठीक मेथड नहीं है। सबसे पहले तालाब की सफाई करने के बाद उसमें 200 किलो प्रति हेक्टेयर के हिसाब से चूने का छिड़काव जरूरी है। इसके अलावा महुए की खली और ब्लीचिंग पाउडर डालने से भी मछली पालन के लिए तालाब बेहतर कंडीशन में तैयार हो जाता है। यह सारा कार्य आप ठंड के मौसम में ही कर लें, ताकि ठंड का मौसम बीतते-बीतते मछली का बच्चा डालने योग्य आप का तालाब तैयार हो जाए। साथ ही तालाब में ढैंचा नामक घास भी बोया जाता है, ताकि बाद में वह खाद बन जाए और मछली पालन के लिए उपयुक्त रहे। यह तकरीबन 40 किलो प्रति हेक्टेयर के हिसाब से तालाब में बोया जाता है। साथ ही गोबर की खाद डालने से भी वनस्पति जल्दी उग जाती है। अगर समय पर तालाब में अच्छी घास नहीं होती है तो गोबर के साथ सुपर फास्फेट और यूरिया का घोल तालाब में डालना लाभकारी हो सकता है। हालांकि मछली का बीज डालने से काफी पहले ही यह कार्य करना चाहिए। मछली का बीज डालने के बाद खाद डालना खतरनाक हो सकता है। उपरोक्त कार्य करने के कम से कम 1 महीने बाद ही तालाब में पानी भरकर, ठंड का मौसम बीतने के बाद मछली का बीज डालें। साथ ही तालाब के पानी की गुणवत्ता और उस में ऑक्सीजन की ठीक मात्रा हो, इसके प्रति अतिरिक्त सजगता आवश्यक है।

मछलियों की ब्रीड पर खास ध्यान दें

अगर आपका तालाब ठीक ढंग से तैयार हो गया है, किंतु मछलियों के बीज आप सही ढंग से नहीं डालते हैं, तो आपके लिए यह लाभकारी नहीं रहेगा। मुख्य रूप से देशी और विदेशी ब्रीड की मछलियां लोग डालते हैं। इसमें देसी में रोहू, कतला, मृगल इत्यादि प्रचलित प्रजातियां हैं, तो विदेशियों में सिल्वर कॉर्प, ग्रास कार्प इत्यादि प्रमुख हैं। कई लोग जब बाहर से मछली लेकर आते हैं तो उसे एक दो परसेंट नमक के घोल में कुछ देरी के लिए रखते हैं, ताकि अगर मछली के बीज में कोई बीमारी है तो उसका असर कम हो जाए। हालांकि यह बहुत देर तक नहीं होना चाहिए और 2 से 3 मिनट के बाद मछली के बच्चों को तालाब में डाल देना चाहिए। ध्यान रखने वाली बात यह है कि मछलियों की मात्रा तालाब में ना तो बहुत ज्यादा होना चाहिए और बहुत कम भी नहीं होनी चाहिए। आप तालाब में सही अनुपात में मछलियों का बीज डालें। अगर एक या दो मछली आपके तालाब में मर जाती हैं, तो उसे तत्काल निकाल कर बाहर करें समय-समय पर बीज की वृद्धि और उसकी जांच करना आपको नुकसान से बचा सकता है। मछलियों के लिए यूं तो किसी विशिष्ट चारे की जरूरत नहीं होती है, खासकर तब जब आप का तालाब पुराना हो गया हो, किंतु चावल का आटा और मूंगफली की खली इत्यादि मछलियों को तेजी से बढ़ाती हैं। इसके अलावा प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और वसा युक्त चारे की मात्रा मछलियों के लिए पर्याप्त रूप से उपलब्ध हो, इसके प्रति भी सजग रहें। ध्यान दें मछली का बीज सही क्वालिटी का हो, तो सही मात्रा में भी अवश्य हो, अन्यथा बाद में मछलियां ठीक ढंग से बढ़ेंगी नहीं।

मार्केट को समझना जरूरी है

अब जब आपके पास मछली के बीज तैयार हो जाते हैं तो आसपास की मार्केट का एक अध्ययन जरूर करें और देखें कि आपके आसपास किस तरह की मछलियों की खपत ज्यादा होती है। लोग आखिर क्या खरीदते हैं?
ऐसे में जब आप मछली मार्केट जाएंगे, तो एक ग्राहक बनकर मछलियों की ब्रीड से लेकर उसकी कीमत तक का पता कर सकते हैं। उसी अनुरूप आप अपनी बिजनेस स्ट्रेटेजी बनाएं। अगर बड़ी मछलियों की खपत अधिक है, तब आपके तालाब में कम मछलियों का बीज रहना चाहिए, जबकि अगर छोटी मछलियों की खपत है तो तालाब में बीज अगर अधिक भी डालेंगे तो आपको फायदा ही होगा। कुल मिलाकर सही टाइम पर मछलियों को बेचना और सही व्यापारियों से संपर्क में रहना आपको लाभ दिला सकता है। कई बार मछली के व्यापारी आपके तालाब पर आकर खुद ही सारी मछलियां ले जाते हैं। हालांकि रेट में अगर ज्यादा डिफरेंस है तो आप मछलियों को खुद भी मार्केट तक पहुंचा सकते हैं।
इसके अलावा कुछ और बातों का ध्यान रखना जरूरी है। जैसे मछलियों की ग्रेडिंग करना आवश्यक है। मतलब अगर आपके तालाब में कुछ मछलियां बड़ी हो गई हैं और कुछ मछलियां छोटी हैं, तो बड़ी मछलियों को या तो निकाल कर दूसरे तालाब में डालें या उन्हें मार्केट में भेज दें, क्योंकि बड़ी मछलियों का आहार अधिक होगा और वह छोटी मछलियों का चारा भी खा जाएंगी। इसलिए मछलियों की ग्रेडिंग करना आवश्यक है ताकि मछलियों की ग्रोथ में एक निरंतरता रहे। साथ ही मछलियों में इंटरनल और एक्सटर्नल बीमारी के प्रति सजग रहें, अन्यथा आपको पता भी नहीं चलेगा कि कब आपकी पूँजी भारी नुक्सान में बदल गयी। इसके अलावा नई नई जानकारियां आप भिन्न माध्यमों से लेते रहें और अलग-अलग मछली पालकों के संपर्क में रहें। ऐसे में नई चीजें आपको पता चलेंगी।

बहुत क्रिएटिव कॅरियर है कार एसेसरीज डिजाइनिंग

एक कार एसेसरीज डिजाइनर बनने के लिए डिजाइन के प्रासंगिक विशेषज्ञता में कम से कम स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। आप बैचलर ऑफ डिजाइन, बीएससी इन डिजाइन, बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बी डीएस इन ऑटोमोटिव डिजाइन करके इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं।

कार एसेसरीज डिजाइनिंग एक ऐसा कॅरियर क्षेत्र है, जिसके बारे में बेहद कम लोगों को ही जानकारी होती है। लेकिन यह एक ऐसा क्रिएटिव कॅरियर क्षेत्र है, जिसमें ग्रोथ की संभावना बहुत अधिक है। यह एक ऑटोमोबाइल डिजाइनर के काम का एक हिस्सा है, लेकिन यह केवल कारों और इसके सामान के लिए पूरा करता है। कार एक्सेसरी डिजाइनर ऐसे व्यक्ति हैं जो कार एक्सेसरीज और पाट्र्स के लिए नए डिजाइन बनाते हैं। वे न केवल देखभाल की संरचना में सुधार करते हैं, बल्कि इसकी कार्यक्षमता भी बढ़ाते हैं। ऐसा करते समय, एक कार एक्सेसरी डिजाइनर को वाहन की सुरक्षा को ध्यान में रखना चाहिए और दिए गए मापदंडों के तहत काम करना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको इस कॅरियर क्षेत्र के बारे में विस्तारपूर्वक बता रहे हैं-

क्या होता है काम

एक कार एसेसरीज डिजाइनर तीन क्षेत्रों में से एक में काम करते हैं- इंटीरियर डिजाइनिंग, एक्सटीरियर डिजाइनिंग या कलर और ट्रिम डिजाइन। वे ड्राइंग, मॉडल और प्रोटोटाइप का उपयोग करके कार एक्सेसरी पाट्र्स, असेंबली और सिस्टम के ड्राफ्टिंग डिजाइन बनाते हैं। उनका मुख्य काम होता है कि वे कार को विजुअली अधिक अपीलींग बनाएं।

स्किल्स - कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक कार एसेसरीज डिजाइनर को हाइड्रोलिक, इलेक्ट्रिक और मैकेनिकल सिस्टम के बारे में विस्तृत जानकारी होनी चाहिए जो वाहन में उपयोग होने जा रहे हैं। इसके अलावा उन्हें ग्राहक की पूरी आवश्यकता को समझना चाहिए और डिजाइन और इसके उत्पादन के उपयोग के बारे में बड़े पैमाने पर शोध करना चाहिए। उनके भीतर कुछ अलग व हटकर सोचने की क्षमता होनी चाहिए। साथ ही कंप्यूटर व कार का तकनीकी ज्ञान उनके काम को अधिक आसान बनाता है।

योग्यता - एक कार एसेसरीज डिजाइनर बनने के लिए डिजाइन के प्रासंगिक विशेषज्ञता में कम से कम स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। आप बैचलर ऑफ डिजाइन, बीएससी इन डिजाइन, बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बी डीएस इन ऑटोमोटिव डिजाइन करके इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। जिस विश्वविद्यालय या कॉलेज से उम्मीदवार अपनी डिग्री हासिल करता है, उसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा मान्यता प्राप्त होना चाहिए।

आमदनी - कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि इस क्षेत्र में आमदनी आपके अनुभव व क्रिएटिविटी के आधार पर बढ़ती जाती है। हालांकि एक कार एसेसरीज डिजाइनर की एवरेज सालाना सैलरी सात से आठ लाख के बीच होती है।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नवी मुंबई
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
- एरिना एनिमेशन, बैंगलोर
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
- फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, नोएडा
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, चेन्नई
- वीआईडीएम इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन एंड मैनेजमेंट, नई दिल्ली
- वाईएमसीए इंस्टीट्यूट फॉर ऑफिस मैनेजमेंट, नई दिल्ली

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में कॅरियर बनाने के लिए क्या करें?

कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है।
ऑपरेशन्स मैनेजमेंट आपके भविष्य के कॅरियर के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए संसाधनों के निवेश की एक लंबी प्रक्रिया है। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया विभिन्न अवधारणाओं को अपनाती है, जैसे- आत्म-जागरूकता, कॅरियर विकास योजना और करियर अन्वेषण, जीवन भर सीखने की क्षमता और नेटवर्किंग। कॅरियर में अर्ध-कुशल से लेकर कुशल और अर्ध पेशेवर से पेशेवर तक के सभी प्रकार के रोजगार शामिल हैं। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है। हालांकि, पूरी करियर प्रबंधन प्रक्रिया परिभाषित लक्ष्यों और उद्देश्यों की स्थापना पर ही आधारित होती है।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट का मुख्य उद्देश्य

सामान्य शब्दों में परिचालन प्रबंधन किसी संगठन के लाभ को अधिकतम करने के उद्देश्य से एक कुशल तरीके से सामग्रियों और श्रम को वांछित वस्तुओं और सेवाओं में परिवर्तित करने से संबंधित है। यह उपलब्ध संसाधनों की खरीद और उपयोग करके उत्पादन को अधिकतम करता है, जिसमें कच्चे माल, उपकरण, प्रौद्योगिकी, सूचना और अन्य क्षेत्र शामिल हैं। उत्पादन की प्रक्रिया की योजना, डिजाइनिंग, आयोजन, नियंत्रण और अनुकूलन के साथ इसका अधिक सम्बन्ध होता है। संचालन प्रबंधन यह सुनिश्चित करता है कि एक इकाई कुशलतापूर्वक और सफलतापूर्वक इनपुट को आउटपुट में कैसे बदल देती है। यह स्पष्ट है कि संचालन प्रबंधन डिलीवरी ओरिएंटेड होता है। हालांकि, संचालन प्रबंधन को लॉजिस्टिक्स प्रबंधन के समान नहीं माना जाना चाहिए। संचालन प्रबंधन व्यापक है और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन इसका एक हिस्सा है। लॉजिस्टिक्स प्रबंधन किसी अभियान, योजना, परियोजना या रणनीति के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए श्रमिकों, सामग्री और अन्य संसाधनों की खरीद, निष्पादन और नियंत्रण की योजना बनाता है। विनिर्माण और सेवा संगठनों दोनों को ही संचालन प्रबंधन के कार्य की आवश्यकता होती है, जो एक प्रक्रिया को शुरू से लेकर अंत तक कवर करता है। सदियों से विनिर्माण उद्योग फल-फूल रहे हैं। अब सेवा क्षेत्र में तेजी के साथ परिचालन प्रबंधकों के लिए अवसर कई गुना बढ़ गए हैं।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में करियर बनाने के लिए क्या करें?

अन्य विषयों की तरह प्रबंधन शिक्षा में भी कई विषय होते हैं। प्रबंधन के छात्रों को प्रबंधन के सभी प्रमुख विषयों के अवलोकन के साथ संयुक्त रूप से सामान्य प्रबंधन के तहत विषयों और सिद्धांतों से गुजरना पड़ता है। हालांकि, दो साल की स्नातकोत्तर डिग्री या डिप्लोमा में प्रबंधन की एक विशेष शाखा में विशेषज्ञता का प्रावधान है। प्रबंधन की प्रसिद्ध शाखाओं में विपणन, वित्त, मानव संसाधन आदि शामिल हैं। संचालन प्रबंधन के लिए आपको निम्नलिखित कौशल की आवश्यकता होती है :

- नेतृत्व
- नीति, योजना और रणनीति की समझ
- नीतियों और प्रक्रियाओं को विकसित करने, लागू करने और समीक्षा करने की क्षमता
- बजट, रिपोर्टिंग, योजना और लेखा परीक्षा की देखरेख करने की क्षमता
- आवश्यक कानूनी और नियामक दस्तावेजों की समझ

इसके साथ-साथ आपको इन बातों पर भी ध्यान देने की आवश्यकता होती है :

- सुनिश्चित करें कि आप सही मेट्रिक्स पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं
- मुख्य समस्याओं को पहचानने के लिए हमेशा डेटा का उपयोग करें
- नवीनतम प्रौद्योगिकी के साथ अप-टू-डेट रहने में विश्वास करें
- स्वचालन से पहले प्रक्रियाओं पर ध्यान दें
- ध्यान से लोगों के साथ कम्यूनिकेट करें

ऑपरेशन्स मैनेजर बनने के लिए आवश्यकता योग्यता

संचालन प्रबंधक के संबंधित क्षेत्र में कम से कम स्नातक की डिग्री की आवश्यकता होती है। व्यवसाय प्रशासन में स्नातक की डिग्री के साथ, छात्रों को ज्ञान और विपणन योग्य कौशल विकसित करना होता है, जिसे वे अपने कॅरियर के दौरान बना सकते हैं। इसके अलावा, एक संचालन प्रबंधक होने के लिए, किसी के पास मजबूत नेतृत्व और पारस्परिक कौशल, शानदार संचार और ग्राहक की आवश्यकताओं की समझ होनी चाहिए। संचालन प्रबंधक बनने के लिए शैक्षणिक योग्यता निम्नलिखित है :

- विषय संयोजन- किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12 वीं कक्षा में कोई भी स्ट्रीम
- उम्मीदवारों के पास 10 + 2 + 3 प्रणाली के माध्यम से योग्यता और किसी भी विषय में न्यूनतम 50% अंकों से उत्तीर्ण के साथ किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री होनी चाहिए
- उम्मीदवारों के पास ऑपरेशंस मैनेजमेंट में एमबीए (ऑपरेशंस) या पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ऑपरेशनल मैनेजमेंट में मास्टर्स डिग्री का भी बहुत महत्त्व होता है

ऑपरेशन्स मैनेजर के जॉब रोल्स

- सप्लाई चेन मैनेजर
- एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस मैनेजर
- प्लांट मैनेजर
- ह्यूमन रिसोर्सेज मैनेजर
- परचेस मैनेजर
- फैसिलिटी मैनेजर
- इन्वेंटरी कण्ट्रोल मैनेजर

रोजगार के अवसर

एक ऑपरेशन मैनेजर के रूप में इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वालों के लिए रोजगार के ढेरों अवसर होते हैं। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में संचालन प्रबंधकों के लिए बहुत स्कोप है। कुछ शीर्ष क्षेत्र इस प्रकार हैं :

- स्वास्थ्य
- कॉर्पोरेट व्यवसाय
- बहुराष्ट्रीय कंपनियां
- हॉस्पिटैलिटी
- विनिर्माण और खुदरा
- वित्तीय संस्थाए
- बीमा क्षेत्र
- सूचना प्रौद्योगिकी
- ई-कॉमर्स
- वेयरहाउसिंग
- निर्माण
- सलाहकारी फर्में

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

हीरानगर काली माता मंदिर को सरकारी नियंत्रण में लेने की मांग, विधायक के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने डीसी से की मुलाकात

कठुआ, 18 मार्च (हि.स.)। जिला कठुआ की तहसील हीरानगर स्थित प्रसिद्ध काली माता मंदिर के प्रबंधन को सरकारी नियंत्रण में लेने की मांग को लेकर एक प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा से जिला सचिवालय में मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व हीरानगर के विधायक एडवोकेट विजय शर्मा कर रहे थे। इस दौरान करीब 10 पंचायतों के सरपंचों पंचों सहित कई गणमान्य लोग भी मौजूद रहे। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने बताया कि मंदिर में चढ़ने वाला चढ़ावा और उसकी देखरेख पूरी तरह से सरकारी नियंत्रण में होनी चाहिए, ताकि धनराशि का उपयोग मंदिर के विकास और सुविधाओं के विस्तार में पारदर्शिता के साथ किया जा सके। उन्होंने कहा कि वर्तमान में मंदिर की देखरेख एक व्यक्ति द्वारा की जा रही है और चढ़ावे के उपयोग को लेकर पारदर्शिता नहीं है। सदस्यों ने उदाहरण देते हुए कहा कि जसरोटा के काली माता मंदिर और घगवाल के नरसिंह भगवान मंदिर सहित कई धार्मिक स्थलों को सरकार द्वारा अपने नियंत्रण में लेने के बाद वहां चढ़ावे का सही उपयोग विकास कार्यों में हो रहा है। इसी तर्ज पर हीरानगर के काली माता मंदिर को भी सरकारी नियंत्रण में लिया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि पिछले लगभग 25 वर्षों से एक ही व्यक्ति मंदिर की देखरेख कर रहा है और लाखों रुपये का चढ़ावा एक ही हाथ में होने से दुरुपयोग की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों और पुजारियों की भागीदारी भी इसमें नहीं है, जिससे असंतोष व्याप्त है।

कैपेक्स कार्यों में तेजी लाने के निर्देश, डीसी कठुआ ने की प्रगति समीक्षा

कठुआ, 18 मार्च (हि.स.)। राजेश शर्मा उपायुक्त कठुआ ने जिला कैपेक्स बजट 2025-26 के तहत चल रहे विकास कार्यों की प्रगति को लेकर जिला अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में मुख्य योजना अधिकारी रंजीत ठाकुर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान कैपेक्स बजट के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी कार्यकारी एजेंसियों को निर्देश दिए कि विकास कार्यों में तेजी लाई जाए और तय समयसीमा के भीतर सभी परियोजनाएं पूरी की जाएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी कार्य की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी परियोजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें और अगले वित्तीय वर्ष में किसी भी प्रकार की देनदारी लंबित न रहे।

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में ‘जीवन को हाँ कहें, नशे को ना’ मैराथन का आयोजन

जम्मू, 18 मार्च (हि.स.)। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा निदेशालय द्वारा ﬂजीवन को हाँ कहें, नशे को नाﬂ थीम पर एक मैराथन का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वार्षिक खेल महोत्सव ‘अनंत खेल 2026’ के कर्टेन रेज़र के रूप में आयोजित किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्रों और शोधार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मैराथन को कुलपति प्रो. संजीव जैन ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर शुभम खजूरिया, जो जम्मू-कश्मीर रणजी टीम के उप-कप्तान हैं, विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शारीरिक शिक्षा निदेशक प्रो. वंदना शर्मा, रजिस्ट्रार प्रो. यशवंत सिंह सहित अन्य अधिकारी और संकाय सदस्य भी मौजूद रहे।

कुलपति प्रो. संजीव जैन ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए छात्रों की सक्रिय भागीदारी की सराहना की और नशामुक्त एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में विश्वस्तरीय खेल अवसंरचना विकसित करने के अपने विज़न को भी साझा किया। इस अवसर पर कुलपति ने शुभम खजूरिया को रणजी ट्रॉफी 2025-26 सत्र में जम्मू-कश्मीर टीम के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया। खजूरिया ने युवाओं से संवाद करते हुए उन्हें खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया और अपने अनुभव साझा किए।

मास्टर सोहन लाल की पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि, समाज सेवा को किया याद

जम्मू, 18 मार्च (हि.स.)। जम्मू में समाज सुधारक और समाज सेवक मास्टर सोहन लाल जी की 20वीं पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यह कार्यक्रम मास्टर सोहन लाल सामाजिक सुधार और धर्मार्थ ट्रस्ट तथा बावा कैलख देव प्रबंधक कमेटी द्वारा बावा कैलख देव मंदिर परिसर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने मास्टर सोहन लाल जी के समाज और मंदिर परिसर के लिए दिए गए अमूल्य योगदान को याद करते हुए उनकी सेवाओं की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि उनके आदर्श और समाज के प्रति समर्पण आज भी लोगों के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

जम्मू-कश्मीर में त्योहारों पर एकता का संदेश, कवि अब्दुल कुद्दीर कुंदरिया ने दी शुभकामनाएं

जम्मू, 18 मार्च (हि.स.)। प्रसिद्ध उर्दू और डोगरी कवि अब्दुल कुद्दीर कुंदरिया ने नवरात्र, ईद-उल-फित्र और बैसाखी के पावन अवसर पर देश-विदेश के लोगों, विशेषकर जम्मू कश्मीर के निवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि ये पर्व एकता, भाईचारे और सांस्कृतिक समरसता के प्रतीक हैं। ऐसे अवसर समाज में प्रेम, शांति और सहिष्णुता को बढ़ावा देते हैं, जो एक प्रगतिशील और समृद्ध समाज की नींव हैं। उन्होंने सभी वर्गों के लोगों से इन त्योहारों को मिल-जुलकर मनाने और आपसी सम्मान व सह-अस्तित्व की भावना को मजबूत करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सामूहिक उत्सव समाज को चुनौतियों का सामना करने के लिए साहस और उम्मीद भी प्रदान करते हैं।

मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान जारी

उधमपुर, 18 मार्च (हि.स.)। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ जारी अभियान के तहत ऊधमपुर पुलिस ने रामनगर में अलग-अलग घटनाओं में दो मादक पदार्थों के तस्करों 12.53 ग्राम हैरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस स्टेशन रामनगर की एक पुलिस टीम ने नाका प्वाइंट, रामनगर पर नाका चेकिंग ड्यूटी के दौरान एक स्कूटी सवार नंबर (जे.के,14,एफ-8194) है, को पकड़ा। पूछताछ करने पर सवार ने अपनी पहचान राहत अमान पुत्र मोहम्मद फारूक मलिक निवासी किरमू, तहसील रामनगर, वर्तमान में वार्ड नंबर 06 रामनगर के रूप में बताई। व्यक्तिगत तलाशी के दौरान उसके पास से 6.21 ग्राम हैरोइन बरामद की गई। तदनुसार पुलिस स्टेशन रामनगर में धारा 8/21/22 एनडीपीएस अधिनियम के तहत एफआईआर संख्या 35/2026 दर्ज की गई है और जांच शुरू कर दी गई है। वहीं एक अन्य मामले में रामनगर पुलिस स्टेशन की एक पुलिस टीम ने नाका प्वाइंट पर चेकिंग ड्यूटी के दौरान बाइक नंबर (जे.के,14,डी-2375) के सवार को पकड़ा। पूछताछ करने पर सवार ने अपनी पहचान सक्षम ठाकुर, पुत्र केवल सिंह निवासी सीरियल चकल, तहसील बसंतगढ़, वर्तमान वार्ड नंबर 7 रामनगर के रूप में बताई। व्यक्तिगत तलाशी के दौरान उसके पास से 6.32 ग्राम हैरोइन बरामद की गई।

जेएमसी आयुक्त ने वार्ड 26, 39 और 66 का किया निरीक्षण

जम्मू,, 18 मार्च (हि.स.)। जम्मू नगर निगम के आयुक्त डा देवांश यादव ने वार्ड 26, 39 और 66 के क्षेत्रों तोप शेरखानिया, सुभाष नगर, सूर्यवंशी नगर, लोअर रूपनगर और मुथीकृका व्यापक निरीक्षण किया और स्थानीय लोगों की समस्याओं का जायजा लिया। इस दौरान निवासियों ने पेयजल आपूर्ति में सुधार, जलभराव रोकने के लिए ड्रेनेज सिस्टम की मरम्मत, खराब सड़कों के ब्लैकटॉपिंग और गलियों में टाइलिंग की मांग उठाई। साथ ही सफाई व्यवस्था और खराब स्ट्रीट लाइट्स को लेकर भी चिंता जताई गई।

कठुआ में सीपीआईएम का रोष मार्च, इजरायल अमेरिका-ईरान युद्ध रोकने की मांग

कठुआ, 18 मार्च (हि.स.)। कठुआ में सीपीआईएम इकाई द्वारा विभिन्न जन मुद्दों और अंतरराष्ट्रीय हालात को लेकर जोरदार रोष रैली निकाली गई। रैली की शुरुआत कालीबाड़ी चैक से हुई, जो जिला सचिवालय तक पहुंची। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी कर अपनी आवाज बुलंद की।

रैली के दौरान सीपीआईएम नेताओं और कार्यकर्ताओं ने इजरायल, अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव व युद्ध जैसे हालात पर चिंता जताते हुए इसे तत्काल रोकने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि इस संघर्ष का असर भारत समेत वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है, जिससे महंगाई बढ़ने और पेट्रोल-डीजल व एलपीजी गैस के दामों में उछाल की आशंका है। सीपीआईएम के सदस्यों ने बताया कि इस तरह की रोष रैलियां पूरे देश में निकाली जा रही हैं और आगामी 24 मार्च को दिल्ली के रामलीला मैदान में एक बड़ी रैली आयोजित की जाएगी।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

Sr.DEN-Co/JAT भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से कार्य करते हुए नीचे दी गई निविदाओं के लिए खुली निविदाएं (ई-निविदाएं) आमंत्रित करते हैं और समापन तिथि के साथ **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध हैं **06.04.2026** को **15:00** बजे तक. बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियां अंतिम तिथि एवं समय तक ही जमा कर सकेंगे। इस निविदा के विरुद्ध मैन्युअल ऑफ़र की अनुमति नहीं है, और प्राप्त ऐसे किसी भी मैन्युअल ऑफ़र को अनदेखा कर दिया जाएगा। ठेकेदारों को इस निविदा के लिए निविदा दस्तावेज़ की लागत और बयाना राशि का भुगतान केवल **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध भुगतान मोड के माध्यम से करने की अनुमति है। नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि जैसे पोर्टल, डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, जमा रसीदें, एफडीआर आदि के माध्यम से मैन्युअल भुगतान की अनुमति नहीं हैं। अधिक जानकारी के लिए लॉगऑन करें **www.ireps.gov.in**

निविदा प्रकार	निविदा अनुभाग	निविदा प्रणाली
खुला	कार्य	एकल बोली प्रणाली
निविदा अपलोड करने की तिथि	**निविदा प्रारंभ होने की तिथि**	**निविदा बंद करने की तारीख/समय**
13.03.2026	23.03.2026	06.04.2026 15:00

क्र.सं.	टेंडर नं.	निविदा का विवरण		
1.	98-2025-26 -DRM-JAT	एडीईएन/ट्रैक के तहत पीटीके-जेएटी खंड पर सबडिपो-I हीरानगर में खदान साइडिंग में 50,000 सीयूएम 65 मिमी गेज पत्थर गिट्टी (एमबी) का विनिर्माण और आपूर्ति, विधिवत स्टैकिंग और रेलवे वैगनों में लोडिंग		
	विज्ञापित मूल्य (रु.)	**ब्याना राशि (रु.)**	**ऑफर की वैधता**	**समापन की अवधि**
	7,02,54,500.00/-	5,01,300.00/-	60 दिन	12 महीने
	समान प्रकृति का कार्यः- रेलवे/राजमार्ग/सड़कों के लिए मशीन क्रश्ड स्टोन गिट्टी की आपूर्ति			
2.	97-2025-26 -DRM-JAT	जेएटी डिवीजन पर सीएसएम, डुओमैटिक, 3एक्स और यूनिमैट मशीन से संबंधित कार्यों द्वारा टैंपिंग और पोस्टटैंपिंग कार्य के दौरान प्री-टैंपिंग के संबंध में विविध ट्रैक कार्य किए जाते हैं।		
	विज्ञापित मूल्य (रु.)	**ब्याना राशि (रु.)**	**ऑफर की वैधता**	**समापन की अवधि**
	1,29,96,927.52/-	2,15,000.00/-	60 दिन	12 महीने
	समान प्रकृति का कार्यः- सीटीआर/टीआरआर/टीएफआर/टीटीआर जिसमें ट्रैक को ऊपर उठाना, स्क्रीनिंग, ट्रैक की तनावमुक्त होना, ट्रैक रखरखाव मशीन जैसे टैंपिंग मशीन/गिट्टी स्क्रीनिंग/रेगुलेटिंग मशीन और टी-28 द्वारा टीटीआर के लिए पूर्व और बाद के कार्य शामिल हैं।			

नोट: 1. बोली लगाने से पहले, बोली लगाने वालों को जाँच करनी होगी निविदा के विरुद्ध जारी किसी भी शुद्धिपत्र के लिए। 2. यदि हिंदी और अंग्रेजी संस्करण के बीच अर्थ में कोई विसंगति है, तो अंग्रेजी संस्करण को सही और अंतिम माना जाएगा।

क्र.सं.: 97,98-2025-26-DRM-JAT दिनांक: 16.03.2026 **893/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

12.5 मीटर ऊंचा तिरंगा स्थापित

जम्मू, 18 मार्च (हि.स.)। जम्मू के जीजीएम साइंस कॉलेज के कॉलेज परिसर में 12.5 मीटर ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज का लोकार्पण किया गया। जम्मू पूर्व के विधायक युधवीर सेठी ने इसका लोकार्पण किया।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए विधायक युधवीर सेठी ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज देश की एकता, बलिदान और अखंडता का प्रतीक है।उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास युवाओं में जिम्मेदार नागरिक बनने और देशभक्ति की भावना को मजबूत करने में अहम योगदान देते हैं। उन्होंने भविष्य में भी इस प्रकार की विकासात्मक और राष्ट्रनिर्माण गतिविधियों को समर्थन देने का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम के दौरान विधायक ने कॉलेज की विभिन्न सुविधाओं जैसे कॉन्फ्रेंस हॉल और पीजी जियोग्राफी ब्लॉक का निरीक्षण भी किया और संस्थान की शैक्षणिक व आधारभूत प्रगति पर संतोष व्यक्त किया।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निविदा सूचना सं. :- 433_TELE_JAT_16_25_26 **दिनाँकः 17.03.2026**

समापन तिथि/समयः 08.04.2026 15:00

भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत वरिष्ठ डीएसटीई/जेएटी निविदा सूचना संख्या 433_TELE_JAT_16_25_26 समापन तिथि/समय 08.04.2026 15:00 बजे के विरुद्ध **https://www.ireps.gov.in** पर ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं। बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियां केवल समापन तिथि और समय तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे। इस निविदा के विरुद्ध मैन्युअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है, और प्राप्त होने वाले ऐसे किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को अनदेखा कर दिया जाएगा। ठेकेदारों को इस निविदा के लिए निविदा दस्तावेज लागत और बयाना राशि का भुगतान केवल आईआरईपीएस पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन भुगतान विधियों जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से करने की अनुमति है। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, जमा रसीदें, एफडीआर आदि के माध्यम से मैन्युअल भुगतान की अनुमति नहीं है।

एनआईटी हेडर

अनुबंध प्रकार	कार्य		
कार्य का नाम	पीटीकेसी-जेएटी मार्ग पर वंदे भारत मार्ग के किनारे 92.900 किमी धातु बीम क्रैश बैरियर और 20.90 किमी आरसीसी बाउंड्री वाल का निर्माण और स्थापना।		
निविदा समापन तिथि समय	08.04.2026 15:00	निविदा अपलोड करने की तिथि समय	17.03.2026 18:31
विज्ञपित मूल्य (रु.)	39524076.67	आईआरईपीएस के अनुसार बोली शुरू करने की तिथि	25.03.2026
बयाना राशि (रु.)	347600.00	पूरा होने की अवधि	4 महीने

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 916/26

उत्तर रेलवे

सूचना

फिरोजपुर डिवीजन, उत्तरी रेलवे इच्छुक निवेशकों, लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाताओं, कंटेनर ट्रेन ऑपरेटरों, औद्योगिक इकाइयों आदि से फिरोजपुर डिवीजन, उत्तरी रेलवे के स्टेशनों पर 'गति-शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनलों' (GCT) और कार्गो से संबंधित सुविधाओं के विकास के लिए 'अभिरुचि की अभिव्यक्ति' (EOI) आमंत्रित करता है।

इस EOI का उद्देश्य सभी हितधारकों से निवेश को बढ़ावा देना है, ताकि 'गति-शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनलों (GCTs)' और 'कार्गो से संबंधित सुविधाओं (CRF)' के विकास के माध्यम से 'रेल-आधारित लॉजिस्टिक्स' पर आधारित मास्टर सर्कुलर 2026 के तहत रेल कार्गो की हैंडलिंग के लिए अतिरिक्त टर्मिनलों और कार्गो से संबंधित सुविधाओं का विकास किया जा सके। नए कार्गो टर्मिनलों और कार्गो से संबंधित सुविधाओं की स्थापना का उद्देश्य औद्योगिक इकाइयों, लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाताओं आदि को अपने माल का परिवहन रेलवे के माध्यम से करने के लिए प्रोत्साहित करना है, जिससे कुल लॉजिस्टिक्स लागत में कमी आएगी। लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता, फ्रेट फॉरवर्डर, कंटेनर ट्रेन ऑपरेटर आदि इस अवसर का लाभ उठाकर नए टर्मिनल और कार्गो से संबंधित सुविधाओं की स्थापना कर सकते हैं। इससे न केवल व्यापारिक भागीदारों के लिए कार्गो की आवाजाही में मदद लेगी, बल्कि निवेशको की वृद्धि में भी उल्लेखनीय तेजी आएगी।

रेलवे बोर्ड के पत्र संख्या 2021/TC (FM)/18/23 दिनांक 14.02.2026 के माध्यम से जारी 'गति-शक्ति मल्टी- मॉडल कार्गो टर्मिनलों (GCTs)' और 'कार्गो से संबंधित सुविधाओं (CRF)' के विकास के माध्यम से 'रेल-आधारित लॉजिस्टिक्स' पर आधारित मास्टर सर्कुलर 2026 के अंतर्गत, निवेशकों द्वारा निम्नलिखित का निर्माण किया जा सकता है:

1. रेलवे की भूमि पर पूर्णतः / आंशिक रूप से 'गति-शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो (GCT) टर्मिनल' (अनुसूची-2)
2. रेलवे की भूमि पर कार्गो से संबंधित सुविधाओं का विकास (अनुसूची-3)।

इच्छुक निवेशक कृपया अपना EOI (अभिरुचि की अभिव्यक्ति) अपने लेटरहेड पर, योजनाओं और मांगी गई जानकारी के साथ, एक सीलबंद लिफाफे में "वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक /FS, DRM कार्यालय परिसर, उत्तरी रेलवे, फिरोजपुर, पंजाब-152002" के कार्यालय में जमा करें; अथवा हस्ताक्षरित प्रस्ताव ईमेल ID: sr.dcmfsfzr@gmail.com पर दिनांक 06.04.2026 तक (अंतिम तिथि) भेजें। विस्तृत EOI दस्तावेज / नियम एवं शर्तें NR की वेबसाइट **(www.nr.indianrailways.gov.in)** पर 'वाणिज्य विभाग, फिरोजपुर मंडल' के अंतर्गत देखी जा सकती हैं।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/FS,
उत्तर रेलवे, फिरोजपुर छावनी

915/26 ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

18 प्रतिशत टैरिफ वृद्धि और ईंधन महंगाई के खिलाफ भाजपा का विरोध, डीसी को सौंपा ज्ञापन

कठुआ, 18 मार्च (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी की कठुआ इकाई ने 18 प्रतिशत टैरिफ वृद्धि और ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी का कड़ा विरोध जताया है। पार्टी ने इन फैसलों को जनविरोधी बताते हुए परिवहन क्षेत्र के लिए नुकसानदायक करार दिया।

इस संबंध में भाजपा नेताओं ने जिला प्रशासन के माध्यम से उपायुक्त कठुआ को ज्ञापन सौंपते हुए टैरिफ वृद्धि को तुरंत वापस लेने की मांग की। नेताओं ने कहा कि मौजूदा सरकार के दौरान लगातार बढ़ती महंगाई से आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि स्थानीय स्तर पर लगाए जा रहे अतिरिक्त शुल्क से आवश्यक वस्तुओं के दाम और बढ़ेंगे, जिससे महंगाई में और इजाफा होगा। भाजपा ने प्रशासन से जनहित में जल्द निर्णय लेते हुए इस बढ़ोतरी को वापस लेने की मांग की है, अन्यथा पार्टी आंदोलन तेज करने पर भी विचार कर सकती है।

कठुआ पुलिस का हाईटेक एक्शन-जमानत पर छूटे आरोपियों के पैरों में जीपीएस एंकलेट, हर कदम पर रहेगी नजर

कठुआ, 18 मार्च (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर पुलिस कठुआ ने जमानत पर रिहा आरोपियों की निगरानी के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल शुरू करते हुए तीन आरोपियों को जीपीएस ट्रैकिंग एंकलेट्स पहनाए हैं। यह कार्रवाई जिला पुलिस प्रमुख एसएसपी मोहिता शर्मा की निगरानी में की गई।

पुलिस के अनुसार, यह कदम माननीय प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज कठुआ के आदेश के अनुपालन में उठाया गया है। संबंधित आरोपी एफआईआर नंबर 18/2024, धारा 61(1)113/147/150 बीएनएस, थाना मल्हार के तहत गिरफ्तार किए गए थे और उन्हें अंतरिम जमानत मिली थी। जिन आरोपियों को जीपीएस ट्रैकिंग एंकलेट्स लगाए गए हैं, उनमें मोल राज निवासी मल्हार, लायकत अली निवासी गांव धनू परोले (तहसील बिलावर) और मकबूल निवासी सोफैन अंबनाल (जिला कठुआ) शामिल हैं। एसएसपी कठुआ ने बताया कि जीपीएस ट्रैकिंग एंकलेट एक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण होता है, जिसे टखने पर लगाया जाता है और इसके जरिए आरोपी की लोकेशन रियल-टाइम में ट्रैक की जा सकती है। इससे जमानत की शर्तों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाएगा। एसएसपी का कहना है कि इस पहल से आरोपियों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा सकेगी और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिलेगी। यह कदम जिले में अपराध नियंत्रण के लिए एक महत्वपूर्ण तकनीकी पहल माना जा रहा है।

नवरात्र से पहले भजन ‘मां बावे वाली नाल नाल’ जारी किया गया

जम्मू, 18 मार्च (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर भाजपा के मीडिया प्रभारी डॉ. प्रदीप महोत्रा ने पार्टी मुख्यालय त्रिकुटा नगर, जम्मू में एक आध्यात्मिक कार्यक्रम में मां बावे वाली रिकॉर्ड्स के बैनर तले 卐मां बावे वाली नाल नाल卐 नामक एक भक्ति भजन जारी किया।

कार्यक्रम का आयोजन भाजपा संस्कृति, कला एवं संस्कृति प्रकोष्ठ के सह संयोजक साहिल महाजन ने किया। इस मौके पर भाजपा नेता संजय बख्शी, सतीश शास्त्री समेत अन्य भी मौजूद थे. प्रतिभाशाली गायिका निदा सलीम द्वारा गाए गए भजन ने अपनी भावपूर्ण धुन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। गाने के बोल राजू हरिपुरिया ने लिखे हैं, संगीत ब्लैक लाइफ स्टूडियोज ने दिया है और वीडियो केके मल्होत्रा द्वारा निर्देशित है।

इस परियोजना में रोशनी (मेकअप) और अजय स्टाइलिश (मॉडल) का भी योगदान था। भजन एल्बम का विमोचन करते हुए डॉ. प्रदीप महोत्रा ने कहा कि मां बावे वाली जम्मू के लोगों के दिलों में एक विशेष स्थान रखती हैं। उन्होंने बताया कि ऐसा माना जाता है कि मां बावे वाली ने कठिन समय में इस क्षेत्र की रक्षा और आशीर्वाद किया है और उनकी दिव्य उपस्थिति भक्तों का मार्गदर्शन और रक्षा करती रहती है। यह भजन मात्र एक संगीतमय रचना नहीं बल्कि मां बावे वाली के प्रति अटूट भक्ति का अर्पण है।

उन्होंने आगे कहा कि नवरात्रि से ठीक पहले भजन का विमोचन इसे और भी विशेष बनाता है क्योंकि यह पवित्र समय देवी मां की पूजा के लिए समर्पित है। डॉ. प्रदीप ने जनता से स्थानीय प्रतिभाओं का समर्थन करने और इस तरह की भक्ति और सांस्कृतिक पहलों को बढ़ावा देने की अपील की।

उन्होंने कहा कि जम्मू आध्यात्मिक और कलात्मक विरासत से समृद्ध है। उन्होंने कहा कि हमारे कलाकारों को प्रोत्साहित करना और उनके काम को नई ऊंचाइयों तक ले जाना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। साहिल महाजन ने क्षेत्रीय कला, संस्कृति और भक्ति परंपराओं के संरक्षण और संवर्धन के लिए भाजपा संस्कृति, कला एवं संस्कृति प्रकोष्ठ की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह सेल उभरते कलाकारों को मंच प्रदान करना जारी रखेगा और जम्मू की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को व्यापक स्तर पर प्रदर्शित करने की दिशा में काम करेगा। गायक निदा सलीम ने इस अवसर के लिए आभार व्यक्त किया और बताया कि यह भजन उनके उस्ताद सलीम और गुरु महाराज साई कपिल शाह के आशीर्वाद से पूरा हुआ है।

सीयूजे में भारतीय ज्ञान परंपरा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ – मीडिया की भूमिका पर मंथन

जम्मू, 18 मार्च (हि.स.)। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं नवीन मीडिया विभाग द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के उत्तर-पश्चिम क्षेत्रीय केंद्र के सहयोग से दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 卐भारतीय ज्ञान परंपरा को बढ़ावा देने में मीडिया की भूमिका卐 का शुभारंभ हुआ। यह संगोष्ठी आर्यभट्ट भवन स्थित स्वामी विवेकानंद सभागार में हाइब्रिड मोड में आयोजित की जा रही है, जिसमें देशभर से शोधार्थियों, मीडियाकर्मियों और शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ, जिसके बाद राष्ट्रगीत और सरस्वती वंदना की प्रस्तुति ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि पद्मश्री मोहन सिंह सलाथिया, मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार हरबंस नागोके, कुलसचिव प्रो. यशवंत सिन्हा, प्रो. भरत भूषण और विभागाध्यक्ष डॉ. अभय एस.डी. राजपूत सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में कुलपति प्रो. संजीव जैन के मार्गदर्शन में आयोजित इस संगोष्ठी को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि मीडिया आज भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रसार का सबसे प्रभावी माध्यम बन चुका है। नई शिक्षा नीति 2020 के बाद इस क्षेत्र का महत्व और बढ़ गया है, जिसे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से युवा पीढ़ी तक पहुंचाया जा सकता है। मुख्य अतिथि मोहन सिंह सलाथिया ने मातृभाषा, विशेषकर डोगरी भाषा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा का वास्तविक संवहन मातृभाषा के माध्यम से ही संभव है। वहीं मुख्य वक्ता हरबंस नागोके ने अपने अनुभव साझा करते हुए पत्रकारिता में समर्पण और निरंतरता को सफलता की कुंजी बताया।

संगोष्ठी के संयोजक प्रो. परमवीर सिंह ने भारतीय ज्ञान प्रणाली की सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण में भूमिका को रेखांकित किया। पहले दिन का समापन सह-संयोजक डॉ. उमेश सिंह के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शोधार्थियों और छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

संपादकीय

शिक्षकों द्वारा अनुशासनहीनता या दुराचार के प्रति शून्य सहिष्णुता होनी चाहिए

शिक्षकों द्वारा अनुशासनहीनता या दुराचार के प्रति शून्य सहिष्णुता होनी चाहिए, क्योंकि यह पेशा ईमानदारी, अनुशासन और नैतिक आदर्शों की मांग करता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि विशेषकर सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की अनुशासनहीनता के मामले समय-समय पर सामने आते रहते हैं, जो कड़ी कार्रवाई और सुधारात्मक उपायों की मांग करते हैं। शैक्षणिक संस्थान युवा मनों को संवारने के लिए होते हैं, जहां अभिभावक अपने बच्चों को पूर्ण विश्वास के साथ भेजते हैं।

हाल ही में एक और मामले में, Office of the Chief Education Officer, Rajouri ने ज़ोन मोगला के सरकारी प्राथमिक विद्यालय लांझर में तैनात एक शिक्षक ग्रेड-III को गंभीर कदाचार, अनुशासनहीनता और कर्तव्य में लापरवाही के आरोपों के चलते तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। बताया गया है कि यह कार्रवाई ज़ोनल शिक्षा अधिकारी (ZEO) मोगला की रिपोर्ट के आधार पर की गई, जिसमें हालिया निरीक्षण के दौरान शिक्षक को विद्यालय परिसर में कार्य समय के दौरान कथित रूप से नशे की हालत में पाया गया, जिससे शैक्षणिक वातावरण प्रभावित हुआ।

सरकारी स्कूल के शिक्षक का ड्यूटी के दौरान शराब के प्रभाव में पाया जाना केवल एक साधारण अनुशासनात्मक मामला नहीं है, बल्कि यह शिक्षा संस्थानों की पवित्रता और विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है। अभिभावक अपने बच्चों को विद्यालय इस आशा से भेजते हैं कि वहां उन्हें ज्ञान के साथ-साथ संस्कार और चरित्र निर्माण का मार्गदर्शन मिलेगा, जो उनके भविष्य को आकार देगा।

ऐसे आचरण से समाज का विश्वास टूटता है और इसका दुष्प्रभाव कक्षा से कहीं आगे तक जाता है। इस मामले में अंतिम निर्णय चाहे जो भी हो, महत्वपूर्ण यह है कि सरकार ऐसे मामलों से समग्र रूप से कैसे निपटती है। विशेषकर वे सरकारी कर्मचारी जो सीधे जनता और बच्चों से जुड़े हैं, उनसे उच्च आचरण की अपेक्षा की जाती है। इसलिए नीति में कठोर बदलाव समय की आवश्यकता है।

ऐसी घटनाएं सरकारी तंत्र में निगरानी और जवाबदेही की कमी की ओर संकेत करती हैं। जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों को चाहिए कि वे तत्काल प्रभावी कदम उठाएं, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

निलंबन आदेश में यह भी उल्लेख है कि संबंधित शिक्षक को पूर्व में भी ड्यूटी से अनुपस्थित रहने और स्कूल समय के दौरान शराब सेवन के संबंध में स्पष्टीकरण नोटिस जारी किया गया था। इससे स्पष्ट होता है कि नियमों के अनुपालन में ढिलाई बरती गई। जिस व्यक्ति पर बच्चों का भविष्य संवारने की जिम्मेदारी हो, उसे विद्यालय परिसर में नशे की हालत में पाए जाने के बाद सेवा में बनाए रखना गंभीर चिंता का विषय है।

ऐसे अनुशासनहीन कर्मचारी को बार-बार अवसर देना प्रशासनिक शिथिलता और नियमों में मौजूद गंभीर खामियों को दर्शाता है। जैसे कई मामलों में Jammu and Kashmir administration ने राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में संलिप्त पाए गए सरकारी कर्मचारियों को सेवा से बर्खास्त किया है, वैसे ही नीति-निर्माताओं को भी ऐसे मामलों में कठोर निर्णय लेने पर विचार करना चाहिए, ताकि कोई भी कर्मचारी ड्यूटी के दौरान नियमों का उल्लंघन करने का साहस न कर सके।

विद्युत क्षेत्र में भारत के नेतृत्वकारी क्षमता की राह बुलंद करना- नई विकास गाथा को ऊर्जा प्रदान कर रहा है भारत

यद्यपि हम 520 गीगावाट से अधिकविद्युत उत्पायदित करने में सक्षम हैं, लेकिन किसीभी प्रणाली की असली परीक्षा अधिकतम मांगया पीक लोड को बिनाकिसी तरह के संचालनात्मकदबाव के संभाल सकने की उसकी क्षमता होती है। साल 2024 की गर्मियों में अधिकतम मांग रिकॉर्ड250 गीगावाटतक पहुँच गई थी और वित्त वर्ष2025-26 में यह242.49 गीगावाटर ही।

– श्री मनोहर लाल

प्राचीन प्रार्थना तमसो मा ज्योतिर्गमय -अर्थात हमें अंधकार सेप्रकाश की ओर ले चलो - केवल आध्यात्मिक आकांक्षा भर नहीं, अपितुाधुनिक भारत की गाथा को भी दर्शाती है। बीते दशक में, कभी लगातार कमी सेपरिभाषित होने वाले विद्युत इकोसिस्टीम को दुनिया के सबसेतेज़ी से बढ़ते, सबसे वैविध्यतपूर्ण और सुधार-प्रेरित विद्युत बाज़ारों में सेएक में परिवर्तित कर हमने इस आदर्श भावना को वास्तविकता में बदल दिया है।

जैसे-जैसेभारत स्वयं को एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र, उभरती हुई डिजिटल अर्थव्यवस्था और स्वच्छ ऊर्जाकी दिशा में जिम्मेदार नेतृत्वकर्ताके रूप में स्थापित कर रहा है, वैसे-वैसेविद्युत क्षेत्र हमारी राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता की आधारशिला बन गया है।

पिछले दशक में, हमने उत्पादन और पारेषण क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि की है, जिससे राष्ट्रीय ऊर्जा की कमी वित्त वर्ष2013-14 में4.2% से घटकरवित्त वर्ष2025-26 तक मात्र0.03% रहगई है। केवल वित्त वर्ष2025-26 मेंही (जनवरी2026 तक), सभी स्रोतों से रिकॉर्ड 52.53 गीगावाट क्षमता जोड़ी गई है, जोएक ही वर्ष मेंजोड़ी गई अबतक कीसर्वाधिक क्षमता है, जिसने 2024-25 में स्थापित34.05 गीगावाटके पिछले सर्वोच्च स्तर को भी पार कर लिया है। कुल विद्युत उत्पादन वित्तवर्ष2014 में1,020.2 बीयू से बढ़कर वित्त वर्ष2025 में1,830 बीयू होगया है। प्रति व्यक्ति खपत2014 में957 किलोवाट-घंटेसे बढ़कर2025 में1,460 किलोवाट-घंटाहो गई है, जोआर्थिक विकास और बेहतर पहुँच को दर्शाती है। इससे यह सुनिश्चित हुआ है कि हर घर, खेत और उद्योग के पास उसकी आवश्यकता केअनुसार विश्वसनीय विद्युत उपलब्धह हो औरभारत अब दुनिया मे विद्युतका तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता बन गया है।

यद्यपि हम 520 गीगावाट से अधिक विद्युत उत्पायदित करने में सक्षमहैं, लेकिन किसीभी प्रणाली की असली परीक्षा अधिकतम मांगया पीक लोड को बिनाकिसी तरह के संचालनात्मक दबाव के संभाल सकने की उसकी क्षमता होती है। साल 2024 की गर्मियों में अधिकतम मांग रिकॉर्ड250 गीगावाटतक पहुँच गई थी और वित्त वर्ष2025-26 में यह242.49 गीगावाटर ही। इससे पहले मांग में इस तरह की वृद्धिसे ग्रिड पर दबाव पड़ सकता था, लेकिन हमारे लोड डिस्पैच केंद्रों ने लगभग शून्य ऊर्जा हानि के साथ इसे सफलतापूर्वक प्रबंधित किया। यह मजबूती दुनिया के सबसे बड़े समकालिक ग्रिडों में से एक के कारण संभव हुई है, जिसमें120 गीगावाट अंतर-क्षेत्रीय स्थानांतरण क्षमता है, जो देश को एक राष्ट्र-एक ग्रिड-एक फ्रिक्वेंसी में एकीकृत करती है।

प्रेरणादायक बात केवल यह नहीं है कि हम कितनी विद्युत का उत्पा दन करते हैं, बल्कि यह भी है कि हम उसे कैसे उत्पीादित करते हैं। गैर-जीवाश्म ईंधन पर आधारितक्षमता का अंशतेजी से बढ़ा है, जिसकी बदौलत भारत50% संचयी गैर-जीवाश्म ईंधनपर आधारित विद्युत क्षमता हासिल करने केअपने एनडीसी लक्ष्य को निर्धारित समय से लगभग पाँच वर्ष पहले ही हासिलकरने में समर्थ हो सका है।यह स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन और जलवायु के प्रति हमारी संकल्पिबद्धता को दर्शाता है।

2014 से, मिशनमोड योजनाओं के माध्यम सेविद्युत क्षेत्र को नए रूप में ढाला गया है, जिन्होंने पहुँच का विस्तार करते हुए सतत परिवर्तन को भी गति दी है। दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजनाने भारत के हर गांवतक बिजली पहुँचायी, इसके बाद सौभाग्य योजना आई, जिसने लाखों घरोंको बिजली से रोशन किया और ऊर्जा तक पहुँच को सभीके लिए वास्तविकता बना दिया।

एकअन्य परिवर्तनकारी सुधार सितंबर2025 मेंसमान आईएसटीएस सब स्टेशनो पर सौर और गैर-सौर घंटों के लिए अलग-अलग कनेक्टिविटी की शुरुआत है। सौर परियोजनाओं को सौर घंटों के दौरान पहुँच मिलती है, जबकि भंडारण और पवन परियोजनाओं को गैर-सौर घंटों में पहुँच मिलती है। इससे बड़ी मात्रा में अप्रयुक्त पारेषण क्षमता का उपयोग संभव होता है, अतिरिक्त लाइनों की आवश्यकता के बिना नवीकरणीय और भंडारण परियोजनाओं के कमीशनिंग में तेजी आती है, पारेषण लागत घटती है और संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होता है।

डिजिटल सशक्तिकरण हमारे आधुनिकीकरण कीगाथाका महत्वपूर्णअंशहै। संशोधित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के तहत 3.03 लाख करोड़ रुपये के खर्च के साथ हम पूरे देश में स्मार्ट प्रीपेड मीटर लागू कररहे हैं, जिससे उपयोगिताओं और नागरिकों के बीच संबंधों में परिवर्तन आ रहा है। इस योजना के सकारात्मक परिणाम भी सामने आचुकेहैं- एटी एंड सी हानियां2021 में21.91% सेघटकर2025 में15.04% होगई हैं, औरप्रति यूनिट आपूर्ति पर अंडर-रिकवरी69 पैसेसे घटकर6 पैसेरह गई है।

जैसे-जैसेहमारी डिजिटल अर्थव्यवस्था तेज़ी से बढ़ रही है, भविष्य की मांग का पूर्वानुमान लगानाभी उतना हीमहत्वपूर्ण है,जितना कि वर्तमान मांग का प्रबंधन करना। डेटा सेंटर की क्षमता 2030 तक1.4 गीगावाट से बढ़कर 9 गीगावाट होने का अनुमान है, औरकेवल ये सुविधाएँ ही भारत की कुल विद्युत खपत के लगभग 3% का उपयोग कर सकतीहैं।

हमारा अगला लक्ष्य एआई, अनुसंधानएवं विकास और अन्य प्रौद्योगिकी-संचालित इकोसिस्टम से उत्पन्नविद्युतकी विशाल औरलगातार बढ़ती मांग कोनिरंतर रूपसे पूरा करना है। जैसे-जैसे नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार हो रहा है, ऊर्जा भंडारण अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। भारत तेजी से बढ़ती डिजिटल अवसंरचनाको स्वच्छ ऊर्जा से संचालित करने के लिए पम्पडस्टोरेज परियोजनाओं और बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणालियों का बड़े पैमाने पर विकास कररहा है ।राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन भारत को स्वच्छ ईंधनों के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित कर रहा है, ग्रिड स्थिरता और नवीकरणीय ऊर्जा की अधिक पैठ को बढ़ावा दे रहा है।

हम परमाणु ऊर्जाके क्षेत्र मेंभी निर्णायक कदम उठा रहे हैं, जोकम कार्बन और विश्वसनीय पावर मिक्साका एक आवश्यक हिस्सा है।2047 तक100 गीगावाट परमाणु क्षमता का हमारा लक्ष्य और SHANTI अधिनियम, 2025, हमारी तकनीकी संप्रभुता को प्रमाणित करते हैं और निजी क्षेत्र की भागीदारी के लिए कानूनी व नीति गत ढाँचा तैयार करतेहैं। अब हमें जो चाहिए, औरजिसे यह समिट उत्प्रेरित कर सकता है, वहहै तकनीक, वित्तऔर आपूर्ति श्रृंखलाओं में वैश्विक साझेदारियाँ। विकसित भारत को ऊर्जा प्रदान करने, ग्लो बलसाउथ मेंविद्युतीकरण को तेज करने औरमजबूत, भविष्य-सक्षमऊर्जा तंत्र बनाने के लिए, हमें महत्वाकांक्षा तक सीमितन रह कर, समन्वित कार्रवाई की दिशा में आगे बढ़ना होगा।यही वह समय है जब सरकारें, उद्योग जगत के दिग्गज, नवप्रवर्तनकर्ता और वैश्विक साझेदार मिलकर एक ऐसी नई ऊर्जा संरचना का निर्माण करें—जो स्वच्छ, विश्वसनीय, डिजिटल रूप से एकीकृत और वैश्विक रूप से आपस में जुड़ी हुई हो। भारत को सीमा-पार विद्युत सहयोग कानेतृत्व करना चाहिए; अगलीपीढ़ी केपारेषण, डिजिटल ग्रिड इंटेलिजेंस और ओएस ओडब्ल्यूओजी -संरेखित बाजार तंत्र में साहसपूर्वक निवेश करना चाहिए; और डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए नवीकरणीय ऊर्जा, हाइड्रोपावर नवाचार, लचीले गैस संसाधनोंऔर स्वच्छ ऊजा का त्वरितउपयोग करन ाचाहिए। इस गति कोट्रांसमिशन सिस्टम ऑपरेटर और डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम ऑपरेटर के बीच मजबूत समन्वय और2047 तक के लिएएकीकृत पावर सेक्टर रोडमैप द्वारा और भी सुदृढ़ किया जाना चाहिए, जो भारत को मजबूत, टिकाऊऔर किफायती विद्युतीकरण का वैश्विक मॉडल बनाए।

इस पृष्ठभूमि में, नई दिल्ली में आयोजित भारत इलेक्ट्रिसिटी समिट 2026 विशेष महत्व रखता है। यह ऐसे महत्वपूर्ण समय पर हो रहा है जब राष्ट्र टिकाऊ, सुरक्षित और प्रौद्योगिकी-संचालित विद्युत तंत्र की दिशा में अपने संक्रमण को तेज कर रहा है।

विकास को विद्युतीकृत करना, टिकाऊ भविष्य को मजबूत बनाना और दुनिया से जुड़ना卐 (अर्थात इलेक्ट्रिफाइंग ग्रोथ, एम्पावरिंग सस्टेनेबिलिटी, कनेक्टिंग ग्लोबली)विषय के साथ, यहसमिट विभिन्न हितधारकों को एक मंच परलाते हुए वैश्विक ऊर्जा संक्रमण में भारत कीनेतृत्वकारी क्षमता को प्रदर्शित करेगा। यह बुनियादी ढाँचे केआधुनिकीकरण, नवीकरणीय क्षमताके विस्तार और ग्रिडविश्वसनीयताको मजबूतकरने की भारत की प्रतिबद्धता कोरेखांकितकरेगा।यहसमिट सहयोग, नीतिगतसंवाद और निवेश जुटाने के लिएराष्ट्रीय और वैश्विक दोनों स्तर पर एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करेगा।

हमारा अनुमान है कि2032 तक विद्युत उत्पादन में345 बिलियन डॉलर औरपारेषणएवं वितरण में68 बिलियन डॉलर से अधिक कानिवेश संभावित है, जब किकेवल ऊर्जा भंडारण में ही35 बिलियन डॉलर से अधिक काअवसर मौजूद है। यह वास्तविक मांग पर आधारित है, क्योंकि भारत की कुल उत्पादन क्षमता पहले ही520 गीगावाट से अधिक है और तेजी से बढ़ रही है, साथ ही ग्रिडके उत्सर्जन तीव्रताघट रही है।

आइए, हम सभी एकजुट होकर विकसित भारत को ऊर्जा प्रदान करें और ग्लोरबल साउथ की साझा समृद्धि के मार्ग को आलोकित करें।

(लेखक भारत सरकार के केंद्रीय विद्युत मंत्री हैं)

(नव संवत्सर गुड़ी पड़वा पर विशेष) संभावना के महासागर का

डॉ. उमेश चन्द्र शर्मा

हमारी गौरवमयी एवं समृद्ध सनातन सांस्कृति परंपरा के महान पर्व गुड़ी पड़वा, हिंदू नववर्ष पर सब तरफ हर्षोल्लास का वातावरण निर्मित होता हुआ दिखाई देता है। नववर्ष आगमन में प्रकृति ने नूतन साज श्रृंगार कर लिया है, चन्द्रमा की ओजपूर्ण किरणें वनस्पति जगत सहित हमारे तन मन को आप्लावित करने लगी है, कहीं किसी वृक्ष पर बैठी कोयल मीठे स्वरों में कुहुकने लगी है, गुलाब मोगरा, चमेली, आम, नीम, महुआ की मदमय सुगंध सुरभि जीवन को नई ऊर्जा, नई चेतना एवं नया आयाम देने लगी है, किंशुक सुमन ने अपने मनभावन ओर आग उगलते रंग से हमारे मनोभावों को उद्दीप्त कर दिया है और अमलतास एवं गुलमोहर का उन्मादित सौंदर्य सिर चढ़कर बोलने लगा है। नियति के ऐसे मनमोहक परिदृश्य को निहारते हुए अरण्य निवासी योवनाओं के प्रणय गीतों का गुंजायमान मद्धिम स्वर भी सुनाई देने लगा है। ऐसे रसमय वातावरण में लगता है कि सनातन संस्कृति के प्रतीक नव संवत्सर के स्वागत हेतु नियति नटी ने अपना वैभव लुटाना शुरू कर दिया है। अत: प्रकृति की इस वैभवी कृपा को प्रणाम करते हुए, नव संवत्सर 2083 का हर्षोल्लास पूर्वक स्वागत अभिनन्दन किया जाना चाहिए।

उत्सव प्रधान हमारे देश में उत्सवी दिनों को पूरी जिंदादिली से मनाया जाता रहा है, और चूंकि हिंदू नववर्ष गुड़ी पड़वा हमारी गौरवमयी एवं समृद्ध सनातन संस्कृति का महत्वपूर्ण धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्व है, इसलिए गुड़ी पड़वा पर हमारी उत्सव धर्मिता की अभिव्यक्ति भी स्वाभाविक ही है। हिंदू नववर्ष के शानदार आगाज से अंतर्मन आनंद की उन्मादकारी सीमाओं को छू लेने को आतुर है, ऐसे रंगारंग उत्सवी माहौल में हमारी सांस्कृतिक परंपराएं भी हमें अपने महाभावों को अभिव्यक्त करने हेतु प्रेरित करती है। अत: महान आध्यात्मिक वैभव से युक्त पंचाक्षर नम: शिवाय और सनातन आध्यात्मिक संस्कृति के महानतम वंदनीय वाक्यों जय श्री राम और जय श्री कृष्ण के महाबोधि संबोधन से हम समवेत स्वरों में सनातन संस्कृति के महापर्व नववर्ष 2083 गुड़ी पड़वा का स्वागत अभिनन्दन करते हुए नववर्ष के आगमन पर विश्व में शांति और सभी प्राणियों के कल्याण के निमित्त अति प्रासंगिक एवं समीचीन यह शुभमङ्गलकामना करते हैं, कि सभी सुखी हों, सभी निरोगी हों, सभी का जीवन मंगलमय हो, और किसी को भी कोई दु:ख न हो। सर्वे भवन्तु सुखिन:, सर्वे सन्तु निरामया:,सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चित् दु:ख भागभवेत। गुड़ी पड़वा से आरंभ नव संवत्सर संपूर्ण विश्व के लिए सुख समृद्धि दायक, अहिंसा, शांति और सौहार्द का संदेश वाहक तथा वैभव कारक होगा और हम जीवन में सर्वोच्च सफलताओं की और अपने कदम बढ़ाते हुए अविरल गति से निरंतर आगे बढ़ते जाएंगे। जीवन में सर्वोच्चता की और बढ़ने की यह संकल्प शक्ति ही यकीनन हमें एक बेहतर कल की तरफ ले जाती है, जहां से उत्कर्ष का मार्ग प्रशस्त होता है, और उस मार्ग पर चलते हुए हम अपनी मंजिल तक पहुंचने में कामयाब हो सकते है, किंतु जीवनपथ में आने वाली वास्तविकताओं को भी हम नहीं नकार सकते, इसलिए उन्हें दृष्टिगत रखते हुए ही हमें अपने उद्देश्य प्राप्ति की दिशा में अग्रसर होना है। जीवन के आलोक पथ पर अग्रसर होते हुए मानसिक स्तर पर चाहे हम सागर की अनंत गहराइयों को पा जाएं अथवा विंध्याचल की शैल श्रृंखलाओं को अपनी फौलादी बांहों में भर लें, किंतु वास्तविकताओं की विराटता भी हमें बार बार अपनी जमीनी हकीकत बताती ही रहती है, ऐसे में जीवन की वास्तविकताओं से रूबरु होते हुए एवं एक एक दिन के मैदानी अनुभव से ही श्रेष्ठता के आयामों को छुआ जा सकता है। महान् उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु उठे कदम अंतत: अपनी मंजिल पर पहुंच ही जाते हैं, किंतु जीवन पथ पर आगे बढ़ते हुए हमें यह समझना होगा कि रास्ते कभी भी सीधे सपाट नहीं हुआ करते हैं, इसलिए कठिन रास्तों से गुजरने की क्षमताएं भी हमें पहले ही विकसित करनी होगी, साथ ही हौसलों की बुलंदियों को बरकरार रखना होगा, क्योंकि एक वह हौसला ही तो है, जो भूतकाल की असफलताओं को नई सफलताओं में तब्दील कर देता है, और एक मुकम्मल जहां हमारे हाथों में सौंप देता है। जीवन में आगे बढ़ते हुए कदाचित् ऐसे से मोड़ भी आते हैं जब धैर्य ही हमारा आदर्श मित्र साबित होता है, क्यौकि धैर्यहीनता ही एक ऐसी बेड़ी है, जो हमारे कदमों को बरबस ही थाम लेती है, तब दिखाई दे रही मंजिल भी सहसा ही दूर दिखाई देने लगती है, और तब उस गतिमान समय की परिधि में आबद्ध हम लोग सहसा ही विचलित हो कर नियति पर नाराज हो जाते हैं, और तब व्यथा की विपरीतता में कह उठते हैं कि एक एक क्षण पहाड़ बन गया है, और जब खुशी का अवसर मिलता है तो कहने लगते हैं कि समय कितना जल्दी व्यतीत हो गया, ऐसा लगता है कि जैसे बात आजकल की ही हो, किंतु वह क्षण न तो पहाड़ की मानिंद था, और न ही चींटी द्वारा ले जाए जा रहे एक महीन कण की तरह अतिलघु ही था, वक्त का वह कतरा परिंदे की तरह आसमान को अपने आगोश में भर लेने के कथित मानसिक भावों से युक्त भी नहीं था, वास्तविकताओं में हमने ही उसे अपने संकीर्ण सुख-दु:खों से, हानि लाभ से या फिर जय-पराजय से संयुक्त कर दिया था, शायद इसीलिए वह शुचि वक्त अच्छा या खराब नाम पा गया। दरअसल वह कालचक्र के परिक्रमा पथ का एक नन्हा सा हिस्सा था, समय का वह एक कतरा था, जिस पर दौड़ते हुए हम कभी उत्कर्ष पर पहुंचे थे, और वह भी समय का ही एक कतरा था, जिस पर चलते हुए कदाचित हम लड़खड़ाते हुए गिर पड़े थे, और तब उस गतिमान शुचि समय को हमारे ही द्वारा कई संज्ञाओं से विभूषित कर दिया गया था, जबकि समय के उसी प्रवाह ने अन्य अनगिनत लोगों को अमृत तत्व से अभिसिंचित भी किया।

युद्ध ने तोड़ी कई धारणाएं, कम नहीं होतीं अमेरिकी बाधाएं

डॉ. प्रभात ओझा

विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहलाने वाला अमेरिका इसके अलावा भी कई कारणों से पहचाना जाता है। दूसरे वर्ल्ड वॉर के बाद से सुदृढ़ होती उसकी आर्थिक व्यवस्था ने उसे अत्यधिक मजबूत बनाया। अपने प्राकृतिक संसाधनों के बूते उसने विश्व बाजार में दावेदारी पक्की कर ली।

आज अमेरिकी डॉलर के दबदबे और सैन्य शक्ति के प्रभाव में उसका जवाब नहीं। कमोबेश यही स्थिति इजराइल की है, जो अपनी कुशल आधुनिक सेनाओं और खुफिया एजेंसी मोशाद के लिए प्रसिद्ध है।

किसी भी आपात स्थिति से मुकाबले के लिए यहां आम नागरिकों के लिए भी सैन्य प्रशिक्षण इस देश को विशेष बनाता है। दुनिया की ऐसी दो बड़ी ताकतें एक साथ मिलकर लंबे समय से कई तरह के प्रतिबंध झेल रहे ईरान पर हमला करें, तो सहज परिणाम की कल्पना की जा रही थी। युद्ध के खिंचते चले जाने से यह धारणा टूटने लगी कि सोवियत संघ के बिखराव के बाद विश्व अमेरिका के पीछे एकध्रुवीय हो गया है। ईरान के साथ युद्ध के 14 वें-15वें दिन अमेरिका ने खुद दुनिया के देशों से एक अपील कर इस धारणा को खत्म कर दिया कि वह किसी से भी अकेले लड़ने में सक्षम है ।राष्ट्रपति ट्रंप की इस अपील में अमेरिका की लाचारी झलकने लगी कि साथी देश होर्मुज जलडमरू क्षेत्र को खुला, सुरक्षित और स्वतंत्र बनाने में सहयोग करें।

ईरान के साथ इजराइल और अमेरिका के संघर्ष के चलते इस क्षेत्र से तेल और गैस आपूर्ति रुक गई। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर ट्रंप ने इस तरह की अपील ब्रिटेन, जापान, दक्षिण कोरिया सहित चीन से भी कर डाली। यह अपील ऐसे समय आई, जब कहा जा रहा था कि ईरान के पीछे चीन भी कई तरीकों से खड़ा है। अमेरिका की बौखलाहट को उसकी ओर से ईरान के खार्ग द्वीप पर किए हमले से समझा जा सकता है। ईरान के तेल का करीब 90 फीसद यहीं से निर्यात होता है। ईरान ने दावा किया कि अमेरिका हमले में तेल के बुनियादी ढांचे पर फर्क नहीं पड़ा। देखने की बात है कि इस हमले का वैश्विक तेल बाजार पर कितना असर होगा। भले तेल के बुनियादी ढांचे पर फर्क न पड़े, पर सैन्य तनाव तेल आपूर्ति में बाधक ही होगा।

दो हफ्ते से भी अधिक समय तक ईरान भी अमेरिकी और इजराइली हमलों का माकूल जवाब देता हुआ लगा। उन खाड़ी देशों में भी हमले हुए जहां अमेरिका ने अपने सैन्य अड्डे बना रखे हैं।

कतर, कुवैत, सऊदी अरब, यूएई और बहरीन में मिसाइल, ड्रोन या इंटरसेप्शन के मामले दिखे। इन देशों ने सुरक्षात्मक स्थिति बनाए रखना सही समझा। समय के साथ उनका अमेरिका पर भरोसा खत्म हो जाए तो इसमें आश्चर्य नहीं।

अपनी दुर्गति देख अमेरिका ईरान से वापसी का फैसला कर ले, तो यह आश्चर्य की बात नहीं होगी। वेनेजुएला में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़कर अमेरिका ले आना लोगों को याद है। इस ताजा घटना के बाद मानवाधिकारों के उल्लंघन, हत्याओं के दोषी और मादक पदार्थों की तस्करी जैसे मामलों में निकोलस पर अमेरिका में ही मुकदमा चल रहा है। उनकी पत्नी पर मादुरो को सहयोग करने के आरोप हैं। दोनों को किस तरह की सजा मिल सकती है, इस पर वर्ल्ड मीडिया को कोई शक नहीं है। यह जरूर है कि अमेरिका अब भारत सहित कई देशों को वेनेजुएला से तेल खरीदवाने की नीति पर काम कर रहा है। रूस से तेल लेने की कथित छूट की उसने समय सीमा तय करने का दावा किया।

अब ईरान पर हमले में इजराइल के साथ उतरने का अमेरिकी मकसद भी आर्थिक अधिक है। हालांकि उसे वेनेजुएला जैसी सफलता नहीं मिल सकी है। दुनिया में अमेरिका के कुछ प्रमुख सैन्य अभियान पहले भी असफल हो चुके हैं अथवा उसके दुष्परिणाम भुगतने पड़ रहे हैं। इराक का मामला लोगों के जेहन से शायद उतर गया हो। वर्ष 2003 में इराक में उसके दखल से बाथ पार्टी की सरकार जरूर गिर गई। तीन साल के अंतराल पर 2006 में बगदाद के उत्तरी उपनगर काजिमैन के इराकी-अमेरिकी संयुक्त सैन्य अड्डे 'कैंप जस्टिस' में सद्दाम हुसैन को फांसी दे दी गई थी। इसके बावजूद सब कुछ अमेरिका के अनुकूल नहीं रहा। साल 2011 में वापसी के बाद 2014 में उसे फिर से इराक में दखल देना पड़ा था।

ऐसी प्रमुख घटनाओं में इसके पहले 1975 में वियतनाम युद्ध के बीच अमेरिका को अपनी सेनाएं वापस बुलानी पड़ी थी, तो अफगानिस्तान में तो लगभग दो दशक तक काबिज रही अमेरिकी सेनाएं 2021 में वापस आने को मजबूर हुईं। इन प्रमुख देशों के अतिरिक्त अन्य कई जगह अमेरिकी सेना उतारी गई, पर सामान्य तौर पर इस कवायद में मनोनुकूल सफलता नहीं मिली। कुछ विश्लेषक कहते हैं कि अमेरिका इस धारणा को तोड़ना चाहेगा। इसलिए वह अपनी सेनाओं को सीधे ईरान की धरती पर नहीं उतारना चाहता। कुछ और दिनों तक ईरान के सुदृढ़ आर्थिक ठिकानों को वह निशाने पर रखेगा। सुप्रीम लीडर को मारने के बावजूद अमेरिका के हाथ पूरी सफलता नहीं लगी। फिर ईरान की आर्थिक कमर तोड़ने और परमाणु क्षमता समाप्त करने का दावा करते हुए उसके अपना मकसद पूरा होने की घोषणा करने की उम्मीद जरूर बंधी। आखिर व्हाइट हाउस के एआई और क्रिप्टो प्रमुख डेविड ने भी तो यही सलाह दी। डेविड का कहना था कि यह अमेरिका के लिए अच्छा मौका है, जब वह अपनी जीत बताते हुए ईरान से निकल आए।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

सूर्यकुमार यादव किस चीज पर कर रहे हैं काम, हेड कोच ने किया खुलासा

एजेंसी

मुंबई। मुंबई इंडियंस के हेड कोच महेला जयवर्धने ने IPL 2026 से पहले टीम के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ किया कि सूर्यकुमार अपनी व्यक्तिगत फॉर्म को लेकर ज्यादा चिंतित नहीं हैं, बल्कि टीम के लिए योगदान देना उनके लिए सबसे अहम है। सूर्यकुमार यादव ने आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 9 मैचों में 242 रन बनाए, जिसमें 21 चौके और 10 छक्के शामिल रहे। टूर्नामेंट के पहले मैच में USA के खिलाफ उन्होंने 49 गेंदों में नाबाद 84 रन की पारी खेली, जो T20 वर्ल्ड कप इतिहास में भारत के लिए चौथा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है। इस दौरान उनकी कप्तानी भी चर्चा में रही और टीम को रिकॉर्ड तीसरी बार खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई। हेड कोच महेला जयवर्धने के मुताबिक, सूर्यकुमार यादव अपने खेल में कंसिस्टेंसी (निरंतरता) लाना चाहते हैं। जयवर्धने ने कहा कि सूर्यकुमार एक क्लास प्लेयर हैं और जब भी टीम को जरूरत होती है, वह प्रदर्शन करते हैं। हालांकि, वह खुद अपने प्रदर्शन को और ज्यादा लगातार बनाना चाहते हैं, ताकि हर मैच में टीम को मजबूत शुरुआत मिल सके। उन्होंने यह भी बताया कि वर्ल्ड कप के दौरान कई कठिन फैसले लेने पड़े, लेकिन सूर्यकुमार ने कप्तान के तौर पर टीम को बेहतरीन तरीके से संभाला।

मोहम्मद रिजवान पर फूटा पूर्व क्रिकेटर का गुस्सा, बोले- 'Learn ही Learn चल रहा है'

कराची। बांग्लादेश के खिलाफ ODI सीरीज में 2-1 की हार के बाद पाकिस्तानी टीम की जमकर आलोचना हो रही है। इस बीच पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर अहमद शहजाद ने सीनियर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को लेकर तीखा बयान दिया है और उनके प्रदर्शन पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। पिछले कुछ सालों में टीम का प्रदर्शन लगातार गिरता गया है। 2021 में सेमीफाइनल और 2022 में फाइनल खेलने के बाद पाकिस्तान 2023 ODI वर्ल्ड कप, 2024 T20 वर्ल्ड कप और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में ग्रुप स्टेज से बाहर हो गया। इस सीरीज में मोहम्मद रिजवान से टीम को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन वह पूरी तरह फ्लॉप साबित हुए। उन्होंने तीन मैचों में केवल 58 रन बनाए, जो एक सीनियर खिलाड़ी के लिहाज से काफी निराशाजनक माना जा रहा है। रिजवान टीम के सबसे अनुभवी बल्लेबाजों में से एक थे, ऐसे में उनसे बड़ी पारियों की उम्मीद थी, लेकिन वह टीम को मुश्किल हालात से बाहर नहीं निकाल सके। हार के बाद अहमद शहजाद ने अपने यूट्यूब चैनल पर रिजवान की तकनीक और अप्रोच पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि रिजवान के खेल में अब तक कोई खास सुधार देखने को नहीं मिला है। शहजाद ने तंज कसते हुए कहा कि 'स्र्ड्डह्ठ ही स्र्ड्डह्ठ चलता रहा', यानी इतने सालों में भी उनके खेल में बदलाव नहीं आया। उन्होंने यह भी कहा कि रिजवान का खेल अब भी ज्यादातर लेग साइड पर आधारित है और उनकी तकनीक में कमी साफ नजर आती है।

केकेआर में कप्तानी की हलचल तेज, भारतीय विस्फोटक बल्लेबाज रेस में सबसे आगे

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) के कप्तान को लेकर IPL 2026 से पहले बड़ी चर्चा शुरू हो चुकी है। अजिंक्य रहाणे की कप्तानी पर सवाल उठ रहे हैं, जबकि रिंकू सिंह को टीम के अगले कप्तान के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, अभी तक फ्रेंचाइजी की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। पिछले सीजन में प्लेऑफ से बाहर रहने के बाद चयत्रढ्ढ अहम मोड़ पर खड़ी है। टीम मैनेजमेंट अब सिर्फ खिलाड़ियों के प्रदर्शन ही नहीं, बल्कि नेतृत्व और टीम की दिशा पर भी गंभीरता से विचार कर रहा है। IPL जैसी हाई-प्रेशर लीग में कप्तानी अब केवल एक पद नहीं, बल्कि टीम की पहचान और स्थिरता का अहम हिस्सा बन चुकी है। फिलहाल अजिंक्य रहाणे को कप्तानी से हटाने की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन कुछ संकेत इस ओर इशारा जरूर कर रहे हैं: रहाणे को IPL 2025 ऑक्शन में देर से खरीदा गया था, उन्हें लंबी अवधि के कप्तान के रूप में नहीं देखा गया, T20 में उनकी बल्लेबाजी भूमिका पर लगातार सवाल उठते रहे हैं, पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने भी चयत्रढ्ढ की कप्तानी रणनीति पर सवाल खड़े किए, यह स्थिति दर्शाती है कि टीम की लीडरशिप प्लानिंग में स्पष्टता की कमी रही है।

मंधाना महिला वनडे रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार, हरमनप्रीत सातवें स्थान पर पहुंची

दुबई : भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर आईसीसी महिला एकदिवसीय रैंकिंग में एक स्थान के सुधार के साथ सातवें पायदान पर पहुंच गई हैं, जबकि उपकप्तान स्मृति मंधाना शीर्ष स्थान पर कायम हैं। रैंकिंग में यह बदलाव न्यूजीलैंड की दिग्गज खिलाड़ी सोफी डिवाइन के दो स्थान फिसलकर नौवें नंबर पर आने के बाद हुआ। भारत की जेमिमा रोड्रिग्स 12वें स्थान पर बरकरार हैं। न्यूजीलैंड की बल्लेबाज मैडी ग्रीन ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 'आईसीसी महिला चैंपियनशिप सीरीज' के अंतिम मैच में 94 रनों की शानदार पारी खेलकर रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई है। 33 वर्षीय ग्रीन की डुनेडिन में खेली गई 73 गेंदों की पारी की बदौलत उनकी टीम ने 200 रन से जीत दर्ज करते हुए श्रृंखला में 3-0 से सूपड़ा साफ किया। इस प्रदर्शन से वह पांच स्थान ऊपर चढ़कर 610 रेटिंग अंकों के साथ 17वें स्थान पर पहुंच गई हैं, जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। न्यूजीलैंड की हरफनमौला अमेलिया केर ने आखिरी वनडे में शानदार प्रदर्शन करते हुए 80 रन बनाने के साथ 22 रन देकर पांच विकेट झटके और 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार अपने नाम किया।

लखनऊ में कुलदीप यादव की शादी का रिसेप्शन, वर-वधू को आशीर्वाद देने पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ में भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव की शादी के रिसेप्शन में पहुंचे, जहां उन्होंने नवविवाहित जोड़े को अपना आशीर्वाद दिया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर रिसेप्शन की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, 'आज (मंगलवार) लखनऊ में भारतीय क्रिकेटर कुलदीप यादव के शुभ विवाह उपरांत आयोजित प्रीतिभोज समारोह में सम्मिलित होकर नव दंपति को आशीर्वाद प्रदान किया।' कुलदीप यादव ने 14 मार्च को बचपन की दोस्त वंशिका सिंह के साथ उत्तराखंड के मसूरी में शादी रचाई थी। कुलदीप यादव की शादी के रिसेप्शन में हेड कोच गौतम गंभीर, साथी खिलाड़ी यशस्वी

जायसवाल, शिखर धवन और रवींद्र जडेजा पहुंचे। इस ग्रैंड रिसेप्शन में 900 से ज्यादा मेहमानों को न्योता दिया गया है। वीवीआईपी मेहमानों के लिए होटल में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। कानपुर के रहने वाले इस जोड़े ने 4 जून 2025 को लखनऊ में सगाई की थी, जिसमें करीबी लोग शामिल हुए थे। दोनों की शादी नवंबर 2025 में तय हुई थी, लेकिन टी20 वर्ल्ड कप के चलते इसे टाल दिया गया था। वंशिका कुलदीप यादव की बचपन की दोस्त हैं, जिन्होंने अपनी स्कूली पढ़ाई कानपुर से की है, जिसके बाद उच्च शिक्षा के लिए ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न चली गईं। कुलदीप यादव हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप के विजेता बने हैं। उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ एकमात्र मैच में उतारा गया था, जिसमें चाइनामैन गेंदबाज ने 3 ओवर गेंदबाजी करते हुए 14 रन देकर 1 विकेट हासिल किया। कुलदीप यादव ने साल 2017 में भारत की ओर से डेब्यू किया था। वह अब तक 17 टेस्ट मैच खेल चुके हैं, जिसमें 22.42 की औसत के साथ 76 विकेट हासिल किए। इसके अलावा, 120 वनडे मुकाबलों में 194 विकेट निकाले। कुलदीप ने भारत की तरफ से 54 टी20 मैच खेले, जिसमें 95 विकेट हासिल किए।

हरिद्वार के मयंक चोपड़ा ने जीती डेजर्ट कार रैली

एजेंसी

हरिद्वार। द राजपूताना एवं राजस्थान टूरिज्म की और से आयोजित टीएसडी डेजर्ट कार रैली में हरिद्वार के मयंक चौपड़ा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। मयंक चौपड़ा ने 33 सौ किलोमीटर का सफर 3 दिन में पूरा किया और अपने निकटतम प्रतिद्वंदी को 35 मिनट के अंतर से पीछे छोड़कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। मयंक चौपड़ा ने बताया कि राजस्थान के बीकानेर से शुरू हुई कार रैली जोधपुर, जैसलमेर होते हुए वापस बीकानेर पहुंचकर संपन्न हुई। रैली में 53 गाड़ियों में 106 लोगों ने प्रतिभाग किया और पूरा रास्ता डेजर्ट से होकर था। सभी प्रतिभागियों ने 1 दिन में लगभग 11 से 12 घंटे कार ड्राइव की। मयंक चोपड़ा ने बताया कि उन्होंने और उनके नेविगेटर हिमाचल के चिराग ठाकुर ने रूबीकॉन जीप ड्राईव करते हुए सफर तय किया और जीत

हासिल की। मयंक चोपड़ा ने बताया कि वे लगभग 50 से अधिक कार रैली में प्रतिभाग कर चुके हैं। जिनमें से 40 से अधिक में उन्होंने जीत हासिल की है। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड का माहौल कार रैली के लिए बहुत रोमांचकारी है। सरकार को इस और ध्यान देना चाहिए और कार रैली को साहसिक खेलों में शामिल करना चाहिए। मयंक चोपड़ा उत्तराखंड से सर्वाधिक कार रैली में भाग ले चुके हैं और उन्होंने सबसे ज्यादा अवार्ड जीते हैं।

ईरान के वर्ल्ड कप मैच कराने को तैयार मेक्सिको, अंतिम फैसला फीफा पर

एजेंसी

मेक्सिको सिटी। ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव के बीच मेक्सिको ने 2026 फीफा वर्ल्ड कप में ईरान के मैचों की मेजबानी करने की इच्छा जताई है। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शाइनबाम ने कहा है कि यदि फीफा इसकी अनुमति देता है तो मेक्सिको ईरान के मुकाबलों की मेजबानी करने के लिए तैयार है।

राष्ट्रपति शिनबाम ने कहा कि उनके देश को ईरानी टीम के मैच आयोजित करने में कोई आपत्ति नहीं है और वह इस मामले में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल संगठन के फैसले का सम्मान करेगा। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि खिलाड़ियों और दर्शकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।

दरअसल, ईरान फुटबॉल फेडरेशन ने हाल ही में अपने खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई थी। फेडरेशन ने मांग की है कि अमेरिका में प्रस्तावित ईरान के मैचों को वहां से हटाकर मेक्सिको में कराया जाए। यह मांग ऐसे समय सामने आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध के कारण दोनों देशों के संबंध बेहद तनावपूर्ण

हो गए हैं। इस स्थिति में ईरानी टीम और प्रशंसकों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। 2026 फीफा वर्ल्ड कप का आयोजन संयुक्त रूप से अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में होना है। ऐसे में ईरान के मैचों के आयोजन स्थल को लेकर अंतिम निर्णय लेने का अधिकार फीफा के पास ही है। फीफा के सामने अब यह चुनौती है कि वह सुरक्षा, कूटनीतिक परिस्थितियों और टूर्नामेंट के कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए संतुलित फैसला ले। यदि फीफा मेक्सिको के प्रस्ताव को मंजूरी देता है तो ईरान के मैच अमेरिकी मैदानों की जगह मेक्सिको में खेले जा सकते हैं। फिलहाल इस मुद्दे पर फीफा की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल जगत की नजरें अब इसी फैसले पर टिकी हुई हैं।

रेयनेके, खाका और म्लाबा का बेहतरीन प्रदर्शन, दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को हराकर श्रृंखला बराबर की

एजेंसी

हैमिल्टन। दक्षिण अफ्रीका की महिला क्रिकेट टीम ने खेले गए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में न्यूज़ीलैंड को 18 रन से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर ली। इस जीत में केला रेयनेके, अयाबोंगा खाका और नोनकुलेलेको म्लाबा ने अहम भूमिका निभाई।

दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 177 रन बनाए। टीम की पारी की नींव ताजमिन ब्रिट्स ने रखी, जिन्होंने आक्रामक अंदाज में 53 रन बनाए, जबकि लौरा वोल्वार्ड्ट ने नाबाद 43 रन का योगदान दिया। एक समय टीम का स्कोर 100/1 था, लेकिन इसके बाद जल्दी-जल्दी विकेट गिरने से स्कोर 120/4 हो गया।

अंतिम ओवर में रेयनेके ने मैच का रुख बदल दिया। उन्होंने सोफी डिवाइन की गेंदों पर लगातार तीन छक्के जड़ते हुए टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूज़ीलैंड टीम की शुरुआत अच्छी रही और एक समय स्कोर 70/2 था। अमेलिया केर और डिवाइन ने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया, लेकिन म्लाबा ने केर को एलबीडब्ल्यू आउट कर मैच का रुख बदल दिया। इसके बाद नादिन डी क्लर्क ने डिवाइन को पवेलियन भेजा। मध्य ओवरों में खाका और म्लाबा की सधी हुई गेंदबाजी ने न्यूज़ीलैंड की रन गति पर अंकुश लगा दिया। खाका ने अपनी गति में बदलाव से बल्लेबाजों को परेशान किया और 4 विकेट हासिल किए, जबकि म्लाबा ने 3 विकेट लिए। इज़ी शार्प ने 29 रन बनाकर संघर्ष जरूर किया, लेकिन टीम 19.1 ओवर में 159 रन पर सिमट गई।

मैच के बाद अमेलिया केर ने स्वीकार किया कि मध्य

ओवरों में स्ट्राइक रोटेट न कर पाना और बड़े शॉट्स की कमी टीम की हार का कारण बनी।

संक्षिप्त स्कोर:

दक्षिण अफ्रीका महिला - 177/5 (20 ओवर)

न्यूज़ीलैंड महिला - 159 ऑल आउट (19.1 ओवर) दक्षिण अफ्रीका ने 18 रन से मुकाबला जीता।

केरल के सीएम पिनाराई विजयन ने विश्व कप विजेता संजू सैमसन को सम्मानित किया

एजेंसी

केरल । केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन को सम्मानित किया, जो टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत की खिताबी जीत के नायक रहे थे। सीएम पिनाराई विजयन ने सोमवार (16 मार्च) को अपने सरकारी आवास 'क्लिफ हाउस' में संजू सैमसन को आमंत्रित किया था। संजू सैमसन ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में 5 मैच खेले, जिसमें 80.25 की औसत के साथ 321 रन बनाए। वह टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में तीसरे स्थान पर रहे। सैमसन ने नामीबिया के खिलाफ 22 रन और जिम्बाब्वे के विरुद्ध 24 रन की पारी खेली। इसके बाद उनके प्लेइंग इलेवन में खेलने पर सवाल खड़े होने लगे, लेकिन संजू ने वेस्टइंडीज के विरुद्ध निर्णायक सुपर-8 मैच में नाबाद 97 रन की पारी खेलकर टीम को सेमीफाइनल में पहुंचाया। सेमीफाइनल मैच में इंग्लैंड के खिलाफ संजू सैमसन ने 89 रन

की पारी खेली और भारत की जीत के हीरो बने। उनकी इस पारी के साथ भारत ने फाइनल में प्रवेश किया, जहां न्यूजीलैंड के खिलाफ संजू ने 89 रन बनाकर भारत को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई।

इस समारोह में 31 वर्षीय संजू पारंपरिक पोशाक पहनकर आए थे, उन्हें मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने एक यादगार तोहफा दिया, जिस पर लिखा था, 'हम संजू विश्वनाथ सैमसन को सलाम करते हैं।' इस यादगार तोहफे में टूर्नामेंट के नॉकआउट दौर में संजू की अहम पारियों (97*, 89, 89) का जिक्र है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर सीएम विजयन ने कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, 'कल (सोमवार) क्लिफ हाउस में भारत के गौरव और केरल के अपने खिलाड़ी, संजू सैमसन की मेजबानी करके मुझे बहुत खुशी हुई। मैंने उन तक केरल के लोगों का गहरा प्यार और खुशी पहुंचाई। उम्मीद है कि वे अपनी हाल की उपलब्धियों से ताकत हासिल करेंगे और नई ऊंचाइयों को छूते रहेंगे। उन्हें मेरी तरफ से बहुत-बहुत शुभकामनाएं। ' विश्व कप खिताब जीतने के बाद संजू सैमसन अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की तैयारियों में जुट गए हैं, जहां इस सीजन में वह टूर्नामेंट की पांच बार की चैंपियन टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ अपना डेब्यू करेंगे।

अंडर-19 क्रिकेट चयन ट्रायल में 165 खिलाड़ियों ने आजमाई किस्मत

एजेंसी

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) की अंडर-19 टीम के लिए आयोजित प्रारम्भिक चयन ट्रायल में दूसरे दिन 165 खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जिला स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव व पूर्व रणजी खिलाडी विजय गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि आज जिला स्पोर्ट्स एसोसिएशन (डीएसए) की ओर से मुरादाबाद, अमरोहा और संभल जिलों के पंजीकृत खिलाड़ियों के ट्रायल एमपीएस पब्लिक स्कूल के खेल मैदान पर आयोजित किए गए। ट्रायल के दौरान खिलाड़ियों ने बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग में अपने कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। चयनकर्ताओं ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन का बारीकी से अवलोकन किया। इस दौरान कई कम आयु के खिलाड़ियों ने भी अपने खेल से चयनकर्ताओं को प्रभावित किया। चयन समिति में पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता और मुख्य चयनकर्ता जॉइंट सेक्रेटरी बदरूद्दीन सिद्दीकी शामिल रहे। उन्होंने खिलाड़ियों की प्रतिभा को परखा और अधिक से अधिक खिलाड़ियों को अवसर देने पर जोर दिया। चयन प्रक्रिया के दौरान डीएसए सदस्य नजाकत अली

और मो. हसीन की अहम भूमिका रही। इस मौके पर मिर्जा दानिश आलम, मोहम्मद शाहिद, सलीम खान, ऋषिका यादव, रोहित चौधरी, तालिब मालिक, मोहम्मद नाजिम और अंकित गुप्ता आदि मौजूद रहे।

टिम साउदी के साथ काम कर अपने खेल को और बेहतर करूंगा : वैभव अरोड़ा

एजेंसी

कोलकाता। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स के तेज गेंदबाज वैभव अरोड़ा अपने खेल को और बेहतर बनाने पर फोकस कर रहे हैं। अंबाला के इस 28 वर्षीय गेंदबाज ने अब तक अपने आईपीएल करियर में 32 मैचों में 36 विकेट हासिल किए हैं और 2024 में टीम को खिताब दिलाने में भी अहम भूमिका निभाई थी।

अरोड़ा ने बताया कि टीम का तैयारी शिविर काफी सकारात्मक रहा है और खिलाड़ी अभ्यास मैचों के साथ-साथ नेट्स में अपनी विविधताओं पर काम कर रहे हैं। उन्होंने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'तैयारी अच्छी चल रही है। एक तेज गेंदबाज के तौर पर हमेशा

यही कोशिश रहती है कि अपने कौशल को निखारें और मैच में उसे सही तरीके से लागू करें। '

अरोड़ा ने कहा, 'टिम साउदी एक दिग्गज खिलाड़ी हैं। 2023 में हम साथ खेल चुके हैं और मैंने उनसे काफी कुछ सीखा था। अब कोच के रूप में उनके साथ ज्यादा समय मिलेगा, जिससे मैं अपने खेल को और बेहतर बना सकूंगा।' अपनी गेंदबाजी पर बात करते हुए अरोड़ा ने कहा कि ईडन गार्डन्स में नई गेंद ज्यादा देर तक स्विंग नहीं करती, इसलिए गेंदबाजों के लिए विविधता बहुत जरूरी हो जाती है। उन्होंने कहा कि वह यॉर्कर, स्लोअर बॉल और हार्ड लेंथ जैसी गेंदों पर खास ध्यान दे रहे हैं।उन्होंने आगे कहा, 'टी-20 क्रिकेट में सही गति और नियंत्रण बेहद जरूरी है। बल्लेबाजों के खिलाफ सही गेंद का चुनाव और मैदान के आयामों का इस्तेमाल करना अहम होता है।' आगामी सीजन को लेकर अरोड़ा ने कहा कि टीम का पूरा ध्यान अगले प्रशिक्षण शिविर और मैचों के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से पूरी तरह तैयार रहने पर है। इस सीजन में टीम के गेंदबाजी कोच बने पूर्व न्यूज़ीलैंड कप्तान टिम साउदी के साथ काम करने को लेकर अरोड़ा काफी उत्साहित हैं। साउदी के नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 700 से अधिक विकेट दर्ज हैं और वह 2021 से 2023 तक केकेआर का हिस्सा भी रह चुके हैं।

पिंडली की चोट के कारण डेन वान निकर्क न्यूज़ीलैंड दौरे से बाहर, एनेके बॉश टीम में शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका की हरफनमौला खिलाड़ी डेन वान निकर्क पिंडली (काफ) की चोट के कारण न्यूज़ीलैंड दौरे से बाहर हो गई हैं। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि 32 वर्षीय खिलाड़ी दाएं पैर की पिंडली में चोट से जूझ रही हैं।

दक्षिण अफ्रीका और न्यूज़ीलैंड के बीच पहले महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले से पहले ही उन्हें असहजता महसूस हुई थी, जिसके चलते वह उस मैच में नहीं खेल पाईं। अब वह शेष टी-20 मुकाबलों के साथ-साथ आगामी तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला में भी हिस्सा नहीं लेंगी। उनकी जगह दक्षिण अफ्रीका टीम में एनेके बॉश को शामिल किया गया है। वान नीकर्क ने दिसंबर में चार साल के अंतराल के बाद टी-20 टीम में वापसी की थी और आयरलैंड व पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबलों में खेली थीं।

हालांकि वह पाकिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में हिस्सा नहीं ले पाई थीं, लेकिन न्यूज़ीलैंड दौरे पर इस प्रारूप में खेलने की उम्मीद थी।

एनेके बॉश नवंबर 2024 के बाद अपना पहला टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेल सकती हैं। वह उस दक्षिण अफ्रीकी टीम का हिस्सा थीं, जिसे 2025 महिला एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल में भारत के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। दक्षिण अफ्रीका और न्यूज़ीलैंड के बीच दूसरा टी-20 मुकाबला मंगलवार (17 मार्च) को खेला जाएगा, जिसके बाद तीन और टी-20 मुकाबले और फिर तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला आयोजित होगी।

बस्तर में खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में जुटेंगे देशभर के 1150 खिलाड़ी

एजेंसी

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ की खेल प्रतिभाओं और सांस्कृतिक धरोहर को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के प्रथम संस्करण का आयोजन 25 मार्च से 6 अप्रैल तक प्रदेश में किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक आयोजन की कड़ियों

को जोड़ते हुए बस्तर जिले के जगदलपुर स्थित धरमपुरा क्रीड़ा परिसर में 30 मार्च से 2 अप्रैल के बीच एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं का शानदार संगम देखने को मिलेगा। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित स्पर्धा में हिस्सा लेने के लिए देश के कोने-कोने से लगभग 1150 खिलाड़ी, कोच, मैनेजर और तकनीकी विशेषज्ञ जगदलपुर पहुंचेंगे, जिनका आगमन 28 मार्च से शुरू हो जाएगा। आयोजन की भव्यता और गरिमा को ध्यान में रखते हुए स्थानीय प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी है। खिलाड़ियों की सुविधा और अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करने के लिए खेल परिसर का कायाकल्प सुनिश्चित किया जा रहा है।

सलमान आगा के विवादित रन-आउट पर एमसीसी का बड़ा फैसला

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच वनडे सीरीज के दौरान हुए सलमान अली आगा के विवादित रन-आउट पर अब Marylebone Cricket Club (MCC) ने अपना आधिकारिक फैसला सुना दिया है। MCC ने स्पष्ट किया कि क्रिकेट के नियमों के तहत यह आउट पूरी तरह सही था। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि फील्डिंग टीम चाहती तो खेल भावना यानी 'स्पिरिट ऑफ क्रिकेट' के तहत अपनी अपील वापस ले सकती थी।

सीरीज का हाल

तीन मैचों की इस वनडे सीरीज में बांग्लादेश ने पाकिस्तान को 2-1 से हराकर सीरीज अपने नाम की। हालांकि, इस सीरीज का सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाला पल दूसरा वनडे रहा, जहां सलमान आगा का रन-आउट बड़ा विवाद बन गया। इस घटना ने क्रिकेट नियमों और खेल भावना को लेकर नई बहस छेड़ दी।

क्या हुआ था मैदान पर?

यह घटना उस समय हुई जब मोहम्मद रिजवान के शॉट को फील्ड करने के दौरान मेहदी हसन मिराज और सलमान आगा आपस में टकरा गए। टक्कर के बाद कुछ क्षणों के लिए भ्रम की स्थिति बन गई, जिससे आगा को लगा कि गेंद 'डेड' हो चुकी है। इसी सोच के साथ वह गेंद उठाने की कोशिश करने लगे, लेकिन मिराज ने तेजी दिखाते हुए गेंद को उठाकर स्टंप्स पर मार दिया। उस समय आगा क्रीज के बाहर थे, जिसके चलते उन्हें रन-आउट करार दिया गया।

MCC ने अपने बयान में साफ कहा कि इस मामले में अंपायर का फैसला पूरी तरह नियमों के अनुरूप था। उनके अनुसार, जब स्टंप्स तोड़े गए तब बल्लेबाज क्रीज से बाहर था और गेंद भी खेल में थी, इसलिए उसे आउट देना ही सही फैसला था। MCC ने यह भी स्पष्ट किया कि इस स्थिति में अंपायर के पास कोई दूसरा विकल्प नहीं था।

आगा की गलती कहां रही?

MCC के अनुसार, इस घटना में सलमान आगा से भी एक बड़ी चूक हुई। उन्होंने गेंद को उठाने की कोशिश की, जो नियमों के खिलाफ है जब तक फील्डिंग टीम अनुमति न दे। अगर वह गेंद को छूते, तो उन्हें 'Obstructing the Field' के तहत भी आउट दिया जा सकता था। स्ब्ष्ट ने कहा कि उस समय उन्हें गेंद उठाने के बजाय अपनी क्रीज में लौटने की कोशिश करनी चाहिए थी, जिससे वह बच सकते थे।

'Dead Ball' की मांग पर MCC का जवाब

घटना के बाद कई लोगों ने यह तर्क दिया कि टक्कर के बाद गेंद को 'Dead Ball' घोषित कर देना चाहिए था। हालांकि MCC ने इस मांग को खारिज करते हुए कहा कि खिलाड़ियों की टक्कर से गेंद अपने आप डेड नहीं होती। उन्होंने यह भी जोड़ा कि अगर ऐसा नियम बना दिया जाए, तो खिलाड़ी जानबूझकर टक्कर का फायदा उठाने की कोशिश कर सकते हैं। चूंकि यहां कोई गंभीर चोट नहीं थी और फील्डर गेंद को खेल में मान रहा था, इसलिए 'Dead Ball' देना उचित नहीं था।

नए नियम से भी नहीं बदलता फैसला

MCC ने यह भी साफ किया कि आने वाले नए नियम, जो अक्टूबर से लागू होंगे, उनके तहत भी इस फैसले में कोई बदलाव नहीं होता। गेंद उस समय स्थिर नहीं थी और फील्डर सक्रिय रूप से रन-आउट करने की कोशिश कर रहा था। साथ ही बल्लेबाज क्रीज से बाहर था, इसलिए हर स्थिति में यह आउट ही माना जाता। हालांकि MCC ने यह माना कि बांग्लादेश की टीम चाहती तो खेल भावना के तहत अपील वापस ले सकती थी। सलमान आगा को लगा था कि गेंद डेड हो चुकी है और वह फील्डिंग टीम की मदद करने के इरादे से गेंद उठाने की कोशिश कर रहे थे। ऐसे में फील्डिंग टीम के पास यह विकल्प था।

स्टेट बैंक ने टीयर-2 बॉन्ड के जरिए जुटाए 6,051 करोड़

एजेंसी

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने टीयर-2 बॉन्ड के जरिए 6,051 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाई। बैंक ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इस बॉन्ड की अवधि 10 साल होगी और यह 7.05 प्रतिशत कूपन रेट पर जुटाई गयी है। इसमें पांच साल के बाद उसके बाद हर एक साल पर कॉल का विकल्प दिया गया है। बॉन्ड का आवंटन 20 मार्च को किया जायेगा। कुल 47 पात्र संस्थागत निवेशकों ने बोली लगायी थी। एसबीआई ने पांच हजार करोड़ रुपये का मूल निर्गम जारी करने की घोषणा की थी जिसे लगभग दोगुना बोली प्राप्त हुई। बैंक ने 6,051 करोड़ रुपये की बोली स्वीकार की है। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि निवेशकों में भविष्य निधि, पेशन निधि, म्यूचुअल फंड और बैंक शामिल हैं। यह गैर-परिवर्तनीय, कराधान के दायरे में, भुनाने योग्य, गैर-वरीयता वाला, असुरक्षित, पूरी तरह चुकता बॉन्ड है। हर बॉन्ड का अंकित मूल्य एक करोड़ रुपये है।

मारुति सुजुकी को 5,786 करोड़ के आयकर का नोटिस

मुंबई। देश की सबसे बड़ी यात्री वाहन निर्माता मारुति सुजुकी को आयकर विभाग से 5,786.4 करोड़ रुपये का नोटिस प्राप्त हुआ है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि उसे 16 मार्च 2026 को आयकर विभाग से वित्त वर्ष 2022-23 के लिए प्रारूप आकलन आदेश प्राप्त हुआ है। इसमें संबंधित वित्त वर्ष के लिए कंपनी द्वारा घोषित आय में विभाग ने कुछ और आय जोड़ा है जबकि कुछ छूटों को खारिज कर दिया है। इस प्रकार विभाग ने अतिरिक्त आयकर की मांग की है।कंपनी ने कहा है कि वह इसके खिलाफ विवाद समाधान पैनल के समक्ष आपत्ति दर्ज करेगी। इस आदेश का उसके वित्त, परिचालन और अन्य गतिविधियों पर कोई असर नहीं होगा। प्रारूप आंकलन आदेश अंतिम आदेश से पहले जारी किया जाता है जिस पर कंपनी अपनी आपत्तियां दे सकती है।

जियो पेमेंट्स बैंक ने शुरू की यूपीआई आधारित नकद निकासी सेवा

मुंबई। जियो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (जेपीबीएल) ने यूपीआई आधारित नकद निकासी सेवा शुरू करने की घोषणा की। कंपनी ने बताया कि ग्राहक अब बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट टचपॉइंट्स पर क्यूआर कोड स्कैन कर नकद निकाल सकेंगे। उन्हें अपना पैसा निकालने के लिए डेबिट कार्ड या पारंपरिक एटीएम कार्ड की अब जरूरत नहीं होगी। बैंक के अनुसार, नयी सेवा विशेष रूप से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के ग्राहकों को ध्यान में रखकर शुरू की गयी है, जहां एटीएम की पहुंच सीमित है। ग्राहक अपने यूपीआई ऐप के माध्यम से अपने लेनदेन को ऑथराइज कर आसानी से नकद प्राप्त कर सकेंगे। जियो पेमेंट्स बैंक ने कहा कि बिना कार्ड नकद निकासी सुविधा से डिजिटल भुगतान और नकद उपयोग के बीच की दूरी कम होगी। इससे पहली बार डिजिटल भुगतान अपनाने वाले उपयोगकर्ताओं को सुरक्षित और सहायक वातावरण में यूपीआई अनुभव मिल सकेगा। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि अपनी डिजिटल भुगतान अवसंरचना और अंतिम छोर पर स्थित बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट नेटवर्क की मदद से यह पहल देश में बैंकिंग सेवाओं की पहुंच बढ़ाने, नकद पर निर्भर वर्गों तक यूपीआई का विस्तार करने और वित्तीय समावेशन को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

केंद्र सरकार ने गेहूं और धान की सरकारी खरीद पर आढ़तियों और समितियों का कमीशन बढ़ाया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कृषि क्षेत्र से जुड़े एक ऐतिहासिक फैसले में आढ़तियों (कमीशन एजेंटों) और सहकारी समितियों के लाभांश में बड़ी वृद्धि को मंजूरी दे दी है। उपभोक्ता मामले और खाद्य मंत्रालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, नई दरें रबी विपणन सत्र 2026-27 से प्रभावी होंगी। इस संशोधन के बाद पंजाब और हरियाणा के आढ़तियों को गेहूं खरीद पर अब 46 रुपये के बजाय 50.75 रुपये प्रति क्विंटल का कमीशन मिलेगा। वहीं, राजस्थान में इसे बढ़ाकर 45.67 रुपये कर दिया गया है। धान की खरीद पर भी कमीशन को 45.88 रुपये से बढ़ाकर 50.61 रुपये प्रति क्विंटल करने का निर्णय लिया गया है। सरकार ने केवल आढ़तियों ही नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर काम करने वाली सहकारी समितियों के कमीशन में भी इजाफा किया है। अब समितियों को गेहूं पर 29.79 रुपये और धान पर 35.30 रुपये प्रति क्विंटल का लाभ मिलेगा। हालांकि, आधुनिक भंडारण को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने स्पष्ट किया है कि आधुनिक साइलो (स्द्बद्यश्) के माध्यम से होने वाली खरीद पर मंडी दर का केवल 50 प्रतिशत कमीशन ही देय होगा। यह कदम भंडारण बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण और खरीद प्रक्रिया को अधिक वैज्ञानिक बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है ताकि अनाज की बर्बादी को रोका जा सके। यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब रबी फसलों की कटाई का सीजन शुरू हो चुका है।

देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में गिरावट का रुख, सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज पहले सत्र के कारोबार के दौरान गिरावट का रुख नजर आ रहा है। कारोबार की शुरुआत में ही हाजिर सोने के भाव में 2,050 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,240 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई। इसी तरह चांदी भी आज पांच हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हो गया।

कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,57,410 रुपये से लेकर 1,57,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,44,290 रुपये से लेकर 1,44,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,69,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,57,560

प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,44,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,57,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,44,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,57,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,44,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,57,410 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,44,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,57,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,44,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,57,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,44,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,57,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,44,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,57,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,44,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,57,560 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,44,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में कमजोरी का रुख बना हुआ।

मुकेश अंबानी रचने जा रहे हैं इतिहास, रिलायंस जियो के मेगा आईपीओ की तैयारी शुरू

एजेंसी

मुंबई। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी अपनी टेलीकॉम और डिजिटल इकाई 'जियो प्लेटफॉर्म्स' को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने की तैयारी कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह भारत के इतिहास का सबसे बड़ा आईपीओ (IPO) साबित हो सकता है। कंपनी इस मेगा इश्यू के लिए गोल्डमैन सैक्स, मॉर्गन स्टेनली और कोटक महिंद्रा कैपिटल जैसे दिग्गज वैश्विक और भारतीय निवेश बैंकों के साथ मिलकर काम कर रही है। लगभग दो दशकों में रिलायंस समूह की किसी बड़ी इकाई का यह पहला पब्लिक इश्यू होगा, जिसे लेकर निवेशकों और बाजार विशेषज्ञों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। बैंकिंग सूत्रों के मुताबिक, जियो प्लेटफॉर्म्स का संभावित मूल्यांकन 170 अरब डॉलर (करीब 14 लाख करोड़ रुपये) के आसपास आंका जा सकता है। यदि कंपनी नियमों के तहत महज 2.5फीसदी हिस्सेदारी भी बेचती है, तो वह बाजार से लगभग 35,000 करोड़ रुपये से अधिक जुटा सकती है। यह राशि एलआईसी (LIC) के अब तक के सबसे बड़े आईपीओ रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ सकती है। जियो वर्तमान में न केवल देश की सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी है, बल्कि क्लाउड, फिनटेक और डिजिटल सेवाओं में भी तेजी से पैर पसार रही है, जिससे इसकी वैल्यूएशन लगातार बढ़ रही है।

साल 2026 की पहली तिमाही में भारतीय आईपीओ बाजार की रफ्तार थोड़ी धीमी रही है, जहाँ पिछले साल के मुकाबले फंड जुटाने में गिरावट दर्ज की गई है। ऐसे में जियो प्लेटफॉर्म्स का शेयर बाजार में उतरना निवेशकों के लिए किसी बड़े वरदान से कम नहीं होगा। जैसे ही ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (DRHP) सेबी के पास दाखिल होगा।

रेनो की 'डस्टर' नए अवतार में लॉन्च, शुरुआती कीमत 10.49 लाख रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। फ्रांसीसी कार निर्माता कंपनी रेनो ने भारतीय बाजार में अपनी लोकप्रिय मिड-साइज एसयूवी 'डस्टर' को बिल्कुल नए अवतार में लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने इसकी शुरुआती कीमत 10.49 लाख रुपये तय की है। देशभर में इसकी डिलीवरी आज से ही शुरू हो गई है।

रेनो इंडिया के उपाध्यक्ष (बिक्री एवं विपणन) फ्रांसिस्को हिडाल्गो के मुताबिक नई डस्टर भारतीय ग्राहकों की उम्मीदों के अनुरूप मजबूत प्रदर्शन, टिकाऊपन और रोजमर्रा की उपयोगिता वाली खूबियों से लैस है। हमें उम्मीद है कि यह भारतीय ग्राहकों को एक भरोसेमंद विकल्प देगी। मधुमेह का दुश्मन खोज लिया गया है। शुगर 4 तक कम हो जाती है।

कंपनी ने बताया कि नई डस्टर में टर्बो टीसीई 1.0 लीटर और 1.6 लीटर वाले दो इंजन विकल्प उपलब्ध हैं। इसे मैनुअल ट्रांसमिशन के अलावा डीसीटी ट्रांसमिशन के साथ भी पेश किया गया

है। पांच संस्करणों में उपलब्ध इस मॉडल के शुरुआती संस्करण की शोरूम कीमत 10.49 लाख रुपये रखी गई है। हालांकि, 31 मार्च तक बुकिंग कराने वाले ग्राहकों को यह संस्करण 10.29 लाख रुपये की शोरूम कीमत पर ही मिल जाएगा। रेनो ने इस एसयूवी को फुल एलईडी लाइटिंग, पैनोरमिक सनरूफ, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट, एडास फीचर और 360 डिग्री कैमरा जैसे फीचर के साथ पेश किया है। कंपनी ने इस पर सात साल की वारंटी की भी घोषणा की है। नई डस्टर को देशभर में रेनो के 350 से अधिक बिक्री और 450 से अधिक सर्विस सेंटर के नेटवर्क के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा।

पीयूष गोयल ने पश्चिम एशिया संकट के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था को बताया मजबूत

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संकट के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। लोकसभा में आज प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि भारत के साथ अपने व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने के लिए दुनिया भर में उत्साह बढ़ रहा है। गोयल ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संकट के बावजूद भारतीय आर्थिक स्थिति मज़बूत बनी हुई है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में 38 देशों के साथ व्यापार समझौते किए गए हैं, जिनसे निर्यातकों को अवसर मिले हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत मार्च के अंत तक अपने निर्यात स्तर को बनाए रखेगा, जो अंतरराष्ट्रीय व्यापार में एक नया अध्याय होगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने सदन को बताया कि जब ये सभी मुक्त व्यापार समझौते लागू हो जाएंगे, तो इनसे भारतीय निर्यातकों के लिए अपार अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मार्च के अंत तक भारत अपने निर्यात के स्तर को बनाए रखने में सक्षम होगा।

कि भारत के माल निर्यात में पिछले महीने फरवरी तक कोई बदलाव नहीं आया, लेकिन इसमें गिरावट भी नहीं हुई। गोयल ने कहा कि मार्च के पहले हफ्ते में निर्यात में कुछ गिरावट आई थी, लेकिन दूसरे हफ्ते में इसमें फिर से बढ़ोतरी देखने को मिली है।

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भारत के लिए एक नया अध्याय शुरू होने वाला है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने अपने जवाब के अंत में इस बात पर जोर दिया कि पश्चिम एशिया संकट के बावजूद भारत की आर्थिक स्थिति मज़बूत बनी हुई है।

नोवस लॉयल्टी का आईपीओ लॉन्च, 25 मार्च को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। टेक्नोलॉजी सर्विस प्रोवाइडर नोवस लॉयल्टी लिमिटेड का 60.15 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 20 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 23 मार्च को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 24 मार्च को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 25 मार्च बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। शाम पांच बजे तक कंपनी के आईपीओ को 83 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिल चुका था।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 139 रुपये से लेकर 146 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 2,000 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,92,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले

कुल 41.20 लाख शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 45 करोड़ रुपये के 30.70 लाख नए शेयर और 12 करोड़ रुपये के 8.20 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। 2.30 लाख शेयर मार्केट मेकर्स के लिए रिजर्व किए गए हैं।इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 47.09 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 33.11 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.22 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर्स के लिए 5.58 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए स्मार्ट हॉरिजन कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 55 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 2.96 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 3.58 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 5.80 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 59.61 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 73.61 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 104.63 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 71.43 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है।इस अवधि में कंपनी के कर्ज में भी लगातार कमी आई।

पश्चिम एशिया संकट से भारतीय अर्थव्यवस्था पर मंडराया खतरा

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और भू-राजनीतिक अस्थिरता का सीधा असर वैश्विक तेल बाजार और भारत के व्यापार संतुलन पर पड़ना शुरू हो गया है। ICICI बैंक की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2027 में कच्चे तेल की कीमतें औसतन 80 डॉलर प्रति बैरल रहने का अनुमान है, जो पिछले साल के 66 डॉलर के औसत से काफी अधिक है। होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे प्रमुख व्यापारिक मार्गों में तनाव के कारण दुनिया के 20 प्रतिशत ऊर्जा व्यापार पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, तेल की कीमतों में हर 10 डॉलर की बढ़ोतरी भारत के चालू खाता घाटा (CAD) को लगभग 12 अरब डॉलर तक बढ़ा देती है। मध्य पूर्व के संकट ने भारत के वस्तु व्यापार घाटे के अनुमान को 363 अरब से बढ़ाकर 383 अरब डॉलर कर दिया है। भारत के कुल वस्तु निर्यात का 15फीसदी हिस्सा इसी क्षेत्र से जुड़ा है, जो युद्ध की स्थिति में सीधे तौर पर प्रभावित हो रहा है। इसके अतिरिक्त, विदेशों में रहने वाले भारतीयों द्वारा भेजे जाने वाले धन (रेमिटेंस) का 38फीसदी हिस्सा भी इसी क्षेत्र से आता है। यदि तनाव और लंबा खिंचता है, तो प्रवासियों की कमाई और भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर इसका गहरा नकारात्मक असर देखने को मिल सकता है, जिससे वित्त वर्ष 2027 में CAD के जीडीपी का 1.4फीसदी तक पहुँचने की आशंका है। चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल के बीच भारत के गैर-तेल निर्यात में 5फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है, लेकिन सोने के आयात में 29फीसदी और अन्य आयातों में 10.6फीसदी की बढ़ोतरी ने व्यापार संतुलन पर भारी दबाव बनाया है। हालांकि रिपोर्ट में संभावना जताई गई है कि यह बाधाएं लंबे समय तक नहीं चलेंगी, लेकिन अल्पकालिक अवधि में तेल की ऊंची कीमतें भारत के बाहरी आर्थिक संतुलन के लिए बड़ी चिंता का विषय हैं। सरकार और केंद्रीय बैंक को अब डॉलर की मजबूती और आयात बिल को नियंत्रित करने के लिए वैकल्पिक रणनीतियों पर विचार करना होगा ताकि घरेलू महंगाई पर नियंत्रण रखा जा सके।

लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज कारोबार की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई थी। दिन के पहले सत्र में लिवालों और बिकवालों की खींचतान के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में लगातार उतार चढ़ाव होता रहा, लेकिन दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर पहले लिवालों ने खरीदारी का जोर बना दिया। खरीदारी के सपोर्ट से दोनों सूचकांकों ने शानदार तेजी हासिल कर ली। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.75 प्रतिशत और निफ्टी 0.74 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल, इंफ्रास्ट्रक्चर, मीडिया और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में जम कर खरीदारी होती रही। इसी तरह बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, फार्मास्यूटिकल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, एफएमसीजी और आईटी सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में आज खरीदारी होती रही, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 1.02 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.65 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब पौने तीन लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 433.35 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 430.57 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.78 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,411 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,364 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,892 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 155 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,972 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,770 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,202 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 20 शेयर बढ़त के साथ और 10 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 36 शेयर हरे निशान में और 14 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 323.83 अंक की मजबूती के साथ 75,826.68 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण पहले 15 मिनट में ही यह सूचकांक ओपनिंग लेवल से लगभग 500 अंक टूट कर 178.12 अंक की कमजोरी के साथ 75,324.73 अंक के स्तर तक गिर गया।

होर्मुज से 47 हजार मीट्रिक टन एलपीजी लेकर गुजरात के वडीनार पोर्ट पहुंचा 'नंदा देवी'

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में एलपीजी की किल्लत के बीच शिवालिक के बाद अब एलपीजी टैंकर 'नंदा देवी' 47 हजार मीट्रिक टन से ज्यादा एलपीजी लेकर गुजरात के वडीनार बंदरगाह पर पहुंच गया है। इस समय नंदा देवी से एलपीजी को दूसरे जहाज में ट्रांसफर किया जा रहा है। गुजरात के दीनदयाल पोर्ट अथॉरिटी (डीपीए) के चेयरमैन सुशील कुमार सिंह ने वडीनार टर्मिनल के पास स्थित मिड सी का दौरा किया। यहां आज पहुंचे एलपीजी कैरियर नंदा देवी जहाज नंदा देवी के कैप्टन और क्रू-मेंबर से बातचीत की। मिड सी में ही नंदा देवी से पूरी 47 हजार मीट्रिक टन एलपीजी को दूसरे जहाज में ट्रांसफर किया जाएगा। यह काम पूरा होने के बाद एलपीजी का आधा स्टॉक एन्नोर बंदरगाह में ऑफलोड किया जाएगा। इसके साथ ही आधा स्टॉक

पश्चिम बंगाल के हल्दीया बंदरगाह पर ऑफलोड होगा। मुंद्रा बंदरगाह पर खड़ा शिवालिक एलपीजी कैरियर अब मुंद्रा में 12 हजार टन एलपीजी का स्टॉक ऑफलोड करके वडीनार मिड सी में जाएगा और शाम को बाकी का बचा स्टॉक बीच समुद्र में दूसरे शिप में ट्रांसफर करेगा, जो बाद में उस स्टॉक को गुजरात के भरूच जिले में खंभात की खाड़ी में स्थित दाहेज बंदरगाह पर और मैंगलोर के दो अलग-अलग टर्मिनल्स पर ऑफ लोड करेगा।

रुपया 12 पैसे टूटा, नये निचले स्तर पर

एजेंसी

मुंबई। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 11.75 पैसे कमजोर हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 92.40 रुपये बोला गया। यह भारतीय मुद्रा का रिकॉर्ड निचला स्तर है। पिछले कारोबारी दिवस पर यह 1.75 पैसे की मजबूती के साथ

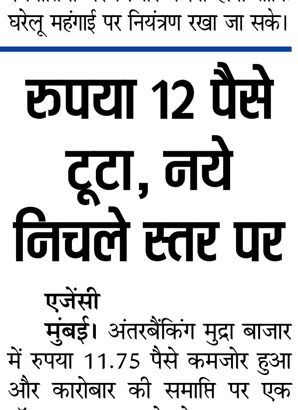

92.2825 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी।

रुपया आज शुरू से ही दबाव में रहा। यह 6.75 पैसे टूटकर 92.35 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और पूरे दिन सीमित दायरे में रहा। यह ऊपर 92.35 रुपये और नीचे 92.4775 रुपये प्रति डॉलर तक गया। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में करीब दो प्रतिशत की तेजी और विदेशी संस्थागत निवेशकों के भारतीय पूंजी बाजार में बिकवाल रहने से रुपये पर दबाव रहा। हालांकि दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर में नरमी से भारतीय मुद्रा को समर्थन मिला।

टिपको इंजीनियरिंग का आईपीओ 23 मार्च को लॉन्च होगा, निवेशक 25 मार्च तक लगा सकेंगे बोली

एजेंसी

नई दिल्ली । इंडस्ट्रियल मशीनरी कंपोनेंट बनाने वाली कंपनी टिपको इंजीनियरिंग इंडिया ने अपने आईपीओ की लॉन्चिंग का ऐलान कर दिया है। कंपनी का 60.55 करोड़ रुपये का आईपीओ 23 मार्च को खुलेगा। इस आईपीओ में निवेशक 25 मार्च तक बोली लगा सकेंगे। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 27 मार्च को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 30 मार्च को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर एक अप्रैल को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 84 रुपये से लेकर 89 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 3,200 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,84,800 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 68,03,200 शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 39 करोड़ रुपये के 44,27,200 नए शेयर और 12 करोड़ रुपये के 13,55,200 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। 10,20,800 शेयर मार्केट मेकर्स के लिए रिजर्व किए गए हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 42.29 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 29.87 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 12.84 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर्स के लिए 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए स्मार्ट हॉरिजन कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि मांशीतला सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं श्रेणी शेयर्स लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 2.56 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 8.45 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 15.61 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 13.19 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है।इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 35.98 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 101.36 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 133.37 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 86.25 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 8.42 करोड़ रुपये का कर्ज था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 25.68 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 37.23 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 37.52 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 2.56 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 12.50 करोड़ रुपये हो गया।

युद्ध संकट के बीच चीन ने ईरान समेत कई देशों को आपात मानवीय सहायता देने का किया ऐलान

एजेंसी

बीजिंग। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और बढ़ते मानवीय संकट के बीच चीन ने ईरान, जॉर्डन, लेबनान और इराक के लिए आपात मानवीय सहायता देने का ऐलान किया है। चीन का कहना है कि क्षेत्र में जारी युद्ध के कारण बड़ी संख्या में नागरिक प्रभावित हो रहे हैं और मानवीय संकट तेजी से गहराता जा रहा है।चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ती हिंसा के कारण आम नागरिकों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि कई इलाकों में लगातार हमलों के चलते बड़ी संख्या में लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हो गए हैं। चीन के मुताबिक खास तौर पर लेबनान में स्थिति बेहद गंभीर है, जहां अब तक लगभग आठ लाख लोग विस्थापित हो चुके हैं। इसके अलावा पूरे क्षेत्र में लाखों लोग युद्ध और अस्थिरता के कारण प्रभावित हुए हैं, जिन्हें तत्काल मानवीय सहायता की जरूरत है। चीनी सरकार ने बताया कि हाल ही में ईरान में एक स्कूल पर हुए हमले के बाद चीन की ओर से करीब दो लाख अमेरिकी डॉलर की आपात सहायता भी प्रदान की गई थी। इस मदद का उद्देश्य प्रभावित परिवारों और घायलों को राहत पहुंचाना है। बीजिंग ने एक बार फिर संघर्ष में शामिल सभी पक्षों से तुरंत युद्धविराम लागू करने की अपील की है।

नेपाल में आरएसपी के सांसदों के लिए दो दिवसीय संसदीय प्रशिक्षण का आयोजन

काठमांडू। नेपाल में राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी (आरएसपी) ने प्रतिनिधि सभा के अपने नवनिर्वाचित सदस्यों के लिए मंगलवार से दो दिवसीय संसदीय प्रशक्षण कार्यक्रम शुरू किया। आरएसपी के अनुसार प्रशिक्षण का उद्देश्य सांसदों को संसदीय प्रक्रिया, नीति निर्माण, विधायी प्रक्रिया और जनप्रतिनिधियों की व्यापक जिम्मेदारियों की समग्र समझ प्रदान करना है। आरएसपी के उपाध्यक्ष डीपी अर्याल के अनुसार यह प्रशिक्षण आरएसपी के उस प्रयास का हिस्सा है, जिसके तहत वह राष्ट्रीय राजनीति में अपनी बढ़ती भूमिका के अनुरूप एक सक्षम और जानकारीपूर्ण संसदीय टीम तैयार करना चाहता है। पार्टी प्रवक्ता मनीष झा ने बताया कि प्रशिक्षण का एक प्रमुख हिस्सा संसद की संरचना, कार्यप्रणाली और अधिकारों पर केंद्रित है। नेपाल सरकार के पूर्व सचिव सुरेश अधिकारी संसद के संचालन, उसकी संस्थागत भूमिका और जिम्मेदारियों पर सत्र लेंगे।इसी तरह पूर्व कानून सचिव तोयनाथ अधिकारी सांसदों को विधि निर्माण प्रक्रिया के बारे में जानकारी देंगे, जिसमें बताया जाएगा कि संघीय संसद में विधेयक कैसे तैयार, बहस और पारित किए जाते हैं।

निजी सचिव को एनटीएनसी का अध्यक्ष नियुक्त करने पर प्रधानमंत्री कार्की की आलोचना

काठमांडू। प्रधानमंत्री के निजी सचिव आदर्श श्रेष्ठ को नेशनल ट्रस्ट फॉर नेचर कंजर्वेशन (एनटीएनसी) का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के बाद सुशीला कार्की की व्यापक आलोचना शुरू हो गई है। जेन-जी एक्टिविस्ट रक्षा बम ने इस फैसले का कड़ा विरोध करते हुए इसे 'नैतिकता और विशेषज्ञता का मजाक' बताया है। बम का कहना है कि जैव विविधता और प्रकृति संरक्षण जैसे संवेदनशील क्षेत्र में बिना संबंधित विशेषज्ञता वाले व्यक्ति की नियुक्ति से संस्था की विश्वसनीयता पर गंभीर असर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के संरक्षण में संचालित नेशनल ट्रस्ट फॉर नेचर कंजर्वेशन एक ऐसी संस्था है, जो केवल प्रकृति और जैव विविधता के संरक्षण के लिए समर्पित है। इसमें कोई बहस नहीं होनी चाहिए कि इतनी महत्वपूर्ण संस्था का नेतृत्व उसी व्यक्ति के हाथ में होना चाहिए जिसके पास संबंधित ज्ञान और अनुभव हो। बम ने प्रधानमंत्री पर 'भावनात्मक पक्षपात और भाई-भतीजावाद' का आरोप लगाते हुए कहा कि योग्य विशेषज्ञ की जगह अपने करीबी सहयोगी को नियुक्त करना गलत संदेश देता है। बम ने यह भी स्वीकार किया कि सरकार ने देश को एक कठिन दौर से निकालने में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हर निर्णय का बिना शर्त समर्थन किया जाए।

भूमिका श्रेष्ठ बनीं नेपाल की पहली महिला ट्रांसजेंडर सांसद

काठमांडू। भूमिका श्रेष्ठ नेपाल की पहली महिला ट्रांसजेंडर सांसद के रूप में चयनित हुई हैं। उन्हें राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी ने समानुपातिक सूची से चुना है। निर्वाचन आयोग ने सोमवार शाम सूची सार्वजनिक की, जिसमें उनका नाम भी है। हालांकि इससे पहले जब नेपाल ने अपना पहला संविधान सभा का निर्वाचन 2008 में किया था उस समय संविधान सभा में एशिया के पहले समलैंगिक सांसद के रूप में सुनिल बाबु पंत चुने गए थे लेकिन संसद में महिला ट्रांसजेंडर के रूप में भूमिका पहली सांसद बनी हैं। भूमिका स्वयं एक ट्रांसजेंडर महिला हैं। जन्म के समय वह लड़का थीं और उनका नाम कैलाश था। बाद में उन्होंने अपनी भावनाओं के अनुसार अपना रूप और नाम बदला और भूमिका बनीं। भूमिका श्रेष्ठ का जन्म 1987 में काठमांडू के नैकाप में हुआ था।

काबुल अस्पताल पर हमले के बाद संयुक्त राष्ट्र ने युद्ध रोकने की अपील की

एजेंसी

जिनेवा। अफगानिस्तान और पाकिस्तान में बढ़ते सैन्य तनाव के बीच संयुक्त राष्ट्र ने दोनों देशों से तुरंत संघर्ष रोकने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने काबुल के एक नशा मुक्ति केंद्र पर हुए भीषण हमले की स्वतंत्र और पारदर्शी जांच कराने की मांग की है।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय के अनुसार काबुल के पुल-ए-चरखी इलाके में स्थित 2000 बेड वाले ओमिद एडिक्शन ट्रीटमेंट अस्पताल पर सोमवार रात हुए हमले में भारी जनहानि हुई है। अफगान अधिकारियों का दावा है कि पाकिस्तान द्वारा किए गए हवाई हमले में 400 से अधिक लोगों की मौत हो गई, जबकि लगभग 250 लोग घायल हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय के प्रवक्ता ने कहा कि काबुल के नशा मुक्ति केंद्र में हुआ यह विस्फोट बेहद दुखद है

और इसकी तुरंत, स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार लोगों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए तथा जांच के परिणाम सार्वजनिक किए जाने चाहिए। साथ ही पीड़ितों और उनके परिवारों को उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हमले के बाद अस्पताल परिसर पूरी तरह तबाह हो गया और वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सैकड़ों लोग अपने लापता परिजनों की तलाश में अस्पताल के मलबे के बीच भटकते नजर आए। संयुक्त राष्ट्र ने यह भी याद दिलाया कि अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत नागरिकों और नागरिक प्रतिष्ठानों को विशेष सुरक्षा प्राप्त है। युद्ध के नियमों के अनुसार किसी भी हमले में अंतर, अनुपात और सावधानी के सिद्धांतों का पालन करना अनिवार्य होता है। खास तौर पर चिकित्सा संस्थानों को अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान की जाती है।

इस बीच अफगानिस्तान के गृह मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल मतिन काने ने पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि काबुल पर किए गए हमले का 'मुंहतोड़ जवाब' दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि राहत और बचाव दल मलबे के नीचे दबे लोगों को निकालने के लिए लगातार अभियान चला रहे हैं। अफगानिस्तान ने इस हमले को अपनी संप्रभुता का गंभीर उल्लंघन बताते हुए कहा है कि ऐसे हमले बिना जवाब के नहीं छोड़े जाएंगे। पिछले एक महीने से दोनों देशों के बीच बढ़े संघर्ष के कारण बड़ी संख्या में नागरिकों की मौत और हजारों लोगों के विस्थापित होने की खबरें भी सामने आई हैं।

ईरान युद्ध के विरोध में अमेरिकी काउंटरटेररिज्म अधिकारी जो केंट ने दिया इस्तीफा

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका में ईरान के खिलाफ जारी सैन्य कार्रवाई को लेकर एक बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। अमेरिकी प्रशासन के शीर्ष काउंटरटेररिज्म अधिकारी जो केंट ने इस युद्ध के विरोध में अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि वह अपने जमीर के खिलाफ जाकर इस संघर्ष का समर्थन नहीं कर सकते।

जो केंट, जो अमेरिकी खुफिया तंत्र में तुलसी गबार्ड को रिपोर्ट करते थे, ने अपने इस्तीफा पत्र में कहा कि ईरान से अमेरिका को तत्काल कोई प्रत्यक्ष खतरा नहीं था। उनके अनुसार ऐसी स्थिति नहीं थी कि युद्ध शुरू करना जरूरी हो।

केंट ने अपने पत्र में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पहली सरकार की विदेश नीति की कुछ उपलब्धियों की सराहना भी की। उन्होंने लिखा कि उस दौर में अमेरिका ने सैन्य शक्ति का इस्तेमाल करते हुए खुद को लंबे और अंतहीन युद्धों में फंसने से बचाए रखा था। हालांकि उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा कार्यकाल में परिस्थितियां बदल गईं। उनके मुताबिक कुछ वरिष्ठ इजराइली अधिकारियों और अमेरिकी मीडिया के प्रभावशाली लोगों ने मिलकर एक तरह की 'गलत जानकारी फैलाने का अभियान' चलाया, जिससे यह माहौल बनाया गया कि ईरान से अमेरिका को तत्काल खतरा है और युद्ध शुरू करना जरूरी है। केंट ने कहा कि इस तरह के दावों के आधार पर लिया गया फैसला सही नहीं था और इसे लेकर गंभीर सवाल उठाए जाने चाहिए। उन्होंने अपने पत्र में यह भी कहा कि प्रशासन को यह सोचने की जरूरत है कि ईरान में जारी युद्ध क्यों और किसके हित में लड़ा जा रहा है। पूर्व ग्रीन बेरेट कमांडो और पूर्व सीआईए अधिकारी रह चुके केंट पिछले वर्ष जुलाई में इस पद पर नियुक्त किए गए थे।

ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियान में शामिल होने से नाटो देशों के इनकार पर ट्रंप नाराज

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि नाटो के अधिकांश सहयोगी देशों ने ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियान में शामिल होने से इनकार कर दिया है। इस पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि अमेरिका को किसी बाहरी समर्थन की जरूरत नहीं है। ट्रंप ने एक बयान में कहा, 'हमें हमारे ज्यादातर नाटो सहयोगियों ने बताया है कि वे ईरान के 'आतंकी शासन' के खिलाफ हमारे सैन्य अभियान में शामिल नहीं होना चाहते।' हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि लगभग सभी देश इस बात से सहमत हैं कि ईरान को किसी भी स्थिति में परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दिया जाना चाहिए। नाटो देशों के रुख पर ट्रंप ने कहा कि उन्हें इस प्रतिक्रिया से हैरानी नहीं हुई। उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा मानता रहा हूं कि नाटो एकतरफा व्यवस्था है, हम उनकी रक्षा करते हैं, लेकिन जरूरत के समय वे हमारे लिए कुछ नहीं करते।'

ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिकी सेना ने ईरान की सैन्य क्षमता को काफी हद तक कमजोर कर दिया है। उन्होंने कहा, 'हमने ईरान की नौसेना, वायुसेना, एयर डिफेंस और रडार सिस्टम को खत्म कर दिया है, और उनके शीर्ष नेतृत्व को भी लगभग समाप्त कर दिया है।' उन्होंने कहा कि इन सैन्य सफलताओं के बाद अब सहयोगियों की मदद की जरूरत नहीं रही। उन्होंने कहा, 'हम अब नाटो देशों की सहायता न तो चाहते हैं और न ही जरूरत है–हमें कभी थी भी नहीं।' ट्रंप ने जापान, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया जैसे एशियाई साझेदारों को लेकर भी यही रुख दोहराया और कहा, 'हमें किसी की मदद की जरूरत नहीं है।' उन्होंने एक दिन पहले ओवल ऑफिस में भी सहयोगी देशों के रवैये पर नाराजगी जताई थी। ब्रिटेन का जिक्र करते हुए ट्रंप ने कहा कि उन्होंने कुछ युद्धपोत और माइनस्वीपर भेजने का अनुरोध किया था, लेकिन जवाब उनकी उम्मीद के मुताबिक नहीं मिला।

ट्रंप ने कहा, 'मैंने बाद में कहा कि अब उनकी जरूरत नहीं है। मुझे मदद शुरुआत में चाहिए थी, जीत के बाद नहीं।' उन्होंने विदेशों में तैनात अमेरिकी सैनिकों का जिक्र करते हुए कहा कि अमेरिका जापान, दक्षिण कोरिया और जर्मनी जैसे देशों की सुरक्षा में बड़ी भूमिका निभा रहा है।

गौरतलब है कि 1949 में स्थापित नाटो सामूहिक रक्षा के सिद्धांत पर काम करता है, जिसमें अमेरिका सबसे बड़ा सैन्य और वित्तीय योगदानकर्ता है। रक्षा खर्च और जिम्मेदारी के बंटवारे को लेकर अमेरिका और उसके सहयोगियों के बीच लंबे समय से मतभेद रहे हैं।

अफगानिस्तान में पाकिस्तानी हवाई हमले के बाद यूएनएएमए की अपील, तनाव कम करने और युद्धविराम की मांग

एजेंसी

काबुल। अफ़ग़ानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएएमए) ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक पुनर्वास अस्पताल पर पाकिस्तान के हमले के बाद हालात को लेकर गहरी चिंता जताई और तुरंत तनाव कम करने व युद्धविराम की अपील की। मिशन के अनुसार, सोमवार रात पाकिस्तान की सैन्य कार्रवाई में ओमिद एडिक्शन ट्रीटमेंट अस्पताल को निशाना बनाया गया, जहां नशे के आदी लोगों का इलाज किया जाता था। इस हमले में इलाज करा रहे 400 से अधिक लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। यूएनएएमए ने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मिशन ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत किसी भी संघर्ष में बीमारों, घायलों, चिकित्सा कर्मियों, अस्पतालों और एंबुलेंस की सुरक्षा सुनिश्चित करना अनिवार्य है और अस्पतालों व नागरिक ठिकानों पर

हमला सख्त रूप से प्रतिबंधित है।

यूएनएएमए ने बताया कि 26 फरवरी से लेकर 16 मार्च से पहले तक, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के कारण कम से कम 76 नागरिकों की मौत और 213 लोग घायल हो चुके हैं।

इस बीच, अफगानिस्तान के गृह मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल मतीन काने ने चेतावनी दी कि इस हमले का 'मुंहतोड़ जवाब' दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मलबे में फंसे लोगों को निकालने के लिए राहत और बचाव कार्य जारी है।

काने ने इस हमले को अफगानिस्तान की संप्रभुता का उल्लंघन बताते हुए कहा, 'ऐसे हमले बिना जवाब के नहीं रहेंगे।'

हाल के हफ्तों में हवाई हमलों, तोपखाने की गोलाबारी और दोनों देशों के बीच आरोप-प्रत्यारोप के चलते अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनाव में तेजी से बढ़ोतरी देखी गई है।

नेतन्याहू का अली लारिजानी और घोलमरेजा सुलेमानी की मौत का दावा, बताया- अभी और हैं रणनीतियां

एजेंसी

नई दिल्ली। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दावा किया कि हमारी कार्रवाई में ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स प्रमुख और बासिज के सीनियर कमांडर अली लारिजानी की मौत हो गई है। नेतन्याहू ने स्पष्ट किया कि इस कदम का उद्देश्य ईरानी शासन को कमजोर करना और जनता को अपने भविष्य को तय करने का अवसर देना है। उन्होंने अमेरिकी प्रशासन के साथ रणनीतिक सहयोग का हवाला देते हुए बताया कि यह कार्रवाई वैश्विक सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए अहम है। नेतन्याहू ने जोर देकर कहा कि दृढ़ संकल्प, रणनीति और भगवान की मदद से इजरायल अब एक मजबूत वैश्विक शक्ति के रूप में उभर रहा है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा, ''मंगलवार सुबह हमने रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के प्रमुख अली लारिजानी को खत्म कर दिया। वह समूह जो वास्तव में ईरान को चला रहा है। साथ ही साथ बासिज के कमांडर घोलमरेजा सुलेमानी को भी कार्रवाई में खत्म कर दिया गया है। ये वही

लोग हैं, जो ईरानी शहरों में जनता को आतंकित कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि हम इस शासन को कमजोर कर रहे हैं ताकि ईरानी जनता को इसे हटाने का अवसर मिल सके। यह तुरंत नहीं होगा और आसान भी नहीं होगा, लेकिन अगर हम लगातार प्रयास करेंगे, तो उन्हें अपनी किस्मत खुद तय करने का मौका मिलेगा।

उन्होंने कहा कि इस कार्रवाई से हम अपने अमेरिकी दोस्तों की खाड़ी में मदद कर रहे हैं। मैंने इस मामले में राष्ट्रपति ट्रंप से बातचीत की। हमारी वायुसेना और नौसेना के बीच, और मेरे तथा राष्ट्रपति ट्रंप और उनके स्टाफ के बीच आपसी सहयोग है। हम अप्रत्यक्ष हमलों के माध्यम से दबाव डालेंगे और सीधे कार्रवाई के माध्यम से भी। अभी और भी कई चौंकाने वाली बातें सामने आएंगी।

नेतन्याहू ने कहा, ''रणनीतियों के जरिए ही युद्ध जीता जाता है। हम यहां अपनी सारी रणनीतियां नहीं बताएंगे, लेकिन जैसा कि मैंने आपसे कहा, हमारे पास ऐसी बहुत सी रणनीतियां हैं।'' उन्होंने कहा कि युद्ध जीतने के लिए सबसे महत्वपूर्ण है दृढ़ संकल्प, नेता का दृढ़ संकल्प, कमांडर का दृढ़ संकल्प और जनता का दृढ़ संकल्प। हम जीतने के लिए दृढ़ हैं और हम अपने लक्ष्य प्राप्त करेंगे। नेतन्याहू ने कहा, ''मैं आपसे बस इतनी गुजारिश करता हूं कि आप निराशा फैलाने वाले चैनलों को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दें। भगवान की मदद से हम ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं। सात अक्टूबर के बाद अब हम एक मजबूत शक्ति हैं, लगभग एक वैश्विक शक्ति, जो अपने दोस्त, वैश्विक महाशक्ति, के साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ रहे हैं। हमारे सामने आने वाले तमाम खतरों के बावजूद, यह अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।' नेतन्याहू ने कहा, ''मैं आपसे यह कहना चाहता हूं, हम आपकी भी मदद करेंगे। मुआवजे से जुड़े सभी मामलों के संबंध में, मैंने निर्देश दिए है।

पश्चिम एशिया तनाव के बीच यूरोपीय एयरलाइनों ने कई उड़ानें रद्द कीं, सुरक्षा कारणों से बढ़ी पाबंदी

एजेंसी

लंदन/पेरिस/फ्रैंकफर्ट,। पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव और अस्थिर हवाई क्षेत्र के कारण कई यूरोपीय एयरलाइनों ने इस क्षेत्र के लिए अपनी उड़ानों पर पाबंदी बढ़ा दी है। प्रमुख एयरलाइनों का कहना है कि सुरक्षा चिंताओं और एयरस्पेस की अनिश्चित स्थिति को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। ब्रिटिश एयरवेज ने बताया कि क्षेत्र में अनिश्चित हालात और हवाई क्षेत्र की अस्थिरता के कारण उसने कई गंतव्यों के लिए उड़ानों में कटौती जारी रखने का फैसला किया है। एयरलाइन के अनुसार अम्मान, बहरीन, दुबई और तेल अवीव के लिए उड़ानें 31 मई तक रद्द रहेंगी। वहीं दोहा के लिए उड़ानें 30 अप्रैल तक निलंबित रहेंगी, जिसके बाद सीमित संख्या में उड़ानों का संचालन किया जाएगा। एयरलाइन ने बताया कि अबु धाबी के लिए उड़ान सेवा 25 अक्टूबर से पहले से तय कार्यक्रम के अनुसार फिर शुरू होगी। हालांकि रियाद और जेद्दा के लिए उड़ानें फिलहाल जारी रहेंगी। एयरलाइनों का कहना है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और हवाई मार्गों पर सुरक्षा जोखिम के कारण यह कदम उठाया गया है। यह भी कहा जा रहा है कि अगर क्षेत्र में तनाव जारी रहता है तो अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात पर इसका असर आगे भी पड़ सकता है।इसी तरह, एयर फ्रांस ने भी सुरक्षा स्थिति और कुछ हवाई क्षेत्रों के बंद होने का हवाला देते हुए उड़ानें निलंबित रखने की घोषणा की है। एयर फ्रांस के मुताबिक दुबई और रियाद के लिए उड़ानें 20 मार्च तक स्थगित रहेंगी, जबकि बेरूत और तेल अवीव के लिए उड़ानें 21 मार्च तक रद्द कर दी गई हैं। जर्मनी की एयरलाइन लुफ्तांसा ने भी तेल अवीव के लिए अपनी उड़ानें 09 अप्रैल तक स्थगित कर दी हैं।

ईरानी राष्ट्रपति ने देशवासियों से 84 नौसैनिकों के अंतिम संस्कार में शामिल होने का किया आग्रह

एजेंसी

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने राजधानी तेहरान के लोगों से अपील की है कि वे उन 84 नौसैनिकों के अंतिम संस्कार में शामिल हों, जिनकी मौत इस महीने ईरानी नौसेना के युद्धपोत आईआरआईएस डेना के डूबने से हुई थी। राष्ट्रपति पेजेश्कियान ने अपने संदेश में कहा कि ईरान के दुश्मनों को यह समझ लेना चाहिए कि 'इन शहीदों के नाम की छाया तले हजारों नए बहादुर लोग खड़े होंगे।' यह बयान देश में राष्ट्रीय भावना और एकजुटता को मजबूत करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। ईरानी अधिकारियों के मुताबिक, मारे गए नौसैनिकों के ताबूत तेहरान के 34 अलग-अलग सार्वजनिक स्थानों पर रखे जाएंगे, जहां आम लोग पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दे सकेंगे। यह आयोजन बड़े पैमाने पर जनभागीदारी के साथ किया जा रहा है, जिससे शोक के

साथ-साथ राजनीतिक संदेश भी दिया जा सके। इससे पहले देश के सुरक्षा प्रमुख अली लारीजानी के आधिकारिक एक्स पोस्ट से एक पोस्ट शेयर किया गया। इसमें उन्होंने मारे गए नाविकों को श्रद्धांजलि अर्पित की थी। हालांकि ये नोट ऐसे समय में सामने आया जब इजरायली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने दावा किया कि वो मिसाइल हमलों में मारे गए हैं। 28 फरवरी को इजरायल-यूएस की ईरान पर संयुक्त एयर स्ट्राइक से मध्य पूर्व में काफी तनाव का माहौल है। इन हमलों में सर्वोच्च लीडर अयातुल्ला खामेनेई समेत कई बड़े सैन्य अधिकारी मारे गए थे। इसके बाद से ही ईरान की ओर से जवाबी कार्रवाई शुरू हो गई। निशाने पर पड़ोसी और खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिका के सैन्य बेस रहे।

इस सैन्य संघर्ष ने पश्चिम एशिया को ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया की दिक्कतों में इजाफा कर दिया है। अगर ये हमले यूं ही जारी रहे तो दुनिया में फ्यूल, क्रूड ऑयल की भारी दिक्कत हो सकती है।

वैसे, ईरान और अमेरिका के बीच लंबे समय से तनाव बना हुआ है, जो 2018 यूएस-ईरान परमाणु समझौते (जेसीपीओए) के टूटने से और बढ़ गया। इसके बाद खाड़ी क्षेत्र में कई सैन्य घटनाएं हुईं, जिनमें जहाजों पर हमले और सैन्य टकराव शामिल हैं।

चुनाव में पराजित दलों को प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की नसीहत—हार से सीखें, संघर्ष जारी रखें

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में हाल ही में हुए संसदीय चुनावों के परिणाम आने के बाद प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने चुनाव में पराजित प्रमुख दलों के शीर्ष नेताओं को बुलाकर महत्वपूर्ण बैठक की और उन्हें हार से निराश न होने की सलाह दी। बैठक में उन्होंने भारतीय राजनीति का उदाहरण देते हुए अटल बिहारी वाजपेयी और भारतीय जनता पार्टी से प्रेरणा लेने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा कभी मात्र दो सीटों पर सिमट गई थी और अटल बिहारी वाजपेयी जैसे बड़े नेता भी चुनाव हार चुके थे, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और लगातार संघर्ष करते रहे। प्रधानमंत्री कार्की ने कहा कि वही भाजपा आज पिछले 12 वर्षों से दिल्ली की सत्ता पर काबिज है, जो इस बात का उदाहरण है कि निरंतर प्रयास और जनसमर्थन से राजनीतिक परिस्थितियां बदली जा सकती हैं।

प्रधानमंत्री कार्की ने नेपाली कांग्रेस और नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) के शीर्ष नेताओं से अलग अलग मुलाकात कर कहा कि चुनावी हार-जीत लोकतंत्र का सामान्य हिस्सा है और इससे विचलित होने की आवश्यकता नहीं है।कार्की ने नेताओं से अपने कर्तव्यबोध पर अडिग रहने का आग्रह करते हुए कहा कि राजनीति एक निरंतर अभियान और सतत प्रयास है, जिसमें जनता और देश के मुद्दों के साथ खड़े रहना सबसे महत्वपूर्ण है।उन्होंने यह भी कहा कि इस

बार का चुनाव समय पर और सफलतापूर्वक सम्पन्न होना सभी दलों के सहयोग और सहभागिता का परिणाम है। इसके लिए उन्होंने सभी राजनीतिक दलों का आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री ने अंत में दोहराया कि वर्तमान हार को अंत नहीं बल्कि एक नए अवसर के रूप में देखना चाहिए और भविष्य के लिए संगठित होकर आगे बढ़ना ही लोकतांत्रिक राजनीति की असली पहचान है।

समानुपातिक में चयनित सांसदों को गुरुवार को मिलेगा प्रमाणपत्र

एजेंसी

काठमांडू। बीते पांच मार्च को सम्पन्न हुए प्रतिनिधि सभा सदस्य निर्वाचन के तहत समानुपातिक प्रणाली से निर्वाचित 110 सांसदों को गुरुवार को प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा। निर्वाचन आयोग के सहायक प्रवक्ता

कुल बहादुर जिसी ने जानकारी दी कि समानुपातिक श्रेणी से चुने गए सांसदों को निर्वाचित होने का प्रमाणपत्र देने की तैयारी शुरू कर दी गई है। आयोग ने 110 समानुपातिक सांसदों की सूची सार्वजनिक की थी। सार्वजनिक विवरण के अनुसार, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (रास्वपा) के 57, नेपाली कांग्रेस के 20, नेकपा एमाले के 16, नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के 9, श्रम संस्कृति पार्टी और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (राप्रपा) के 4-4 सांसद निर्वाचित हुए हैं। जिसी के अनुसार, गुरुवार को सांसदों को प्रमाणपत्र वितरण के बाद उसी दिन प्रतिनिधि सभा सदस्य निर्वाचन के परिणाम सहित समग्र प्रतिवेदन राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल को सौंपा जाएगा। राष्ट्रपति को यह प्रतिवेदन सौंपने के बाद नेपाल के संविधान की धारा 76(1) के अनुसार नई सरकार गठन की प्रक्रिया शुरू करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

टेक्सास का न्यू लंदन स्कूल विस्फोट: एक त्रासदी जिसने ली 300 लोगों की जान

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका के टेक्सास स्थित 'न्यू लंदन स्कूल विस्फोट' आधुनिक इतिहास की सबसे भयावह स्कूल दुर्घटनाओं में से एक के लिए जाना जाता है। 18 मार्च 1937 को न्यू लंदन स्कूल में अचानक हुए भीषण गैस विस्फोट ने पूरे भवन को कुछ ही सेकंड में मलबे में बदल दिया। इस हादसे में लगभग 300 लोगों की मौत हो गई, जिनमें अधिकांश मासूम बच्चे और शिक्षक थे। यह दुर्घटना उस समय हुई जब स्कूल प्रशासन ने लागत बचाने के लिए प्राकृतिक गैस पाइपलाइन से 'लीक हो रही' गैस को सीधे उपयोग में लेना शुरू कर दिया था। यह गैस बिना किसी गंध के थी, जिससे उसके रिसाव का पता नहीं चल पाया। जैसे ही एक क्लास में इलेक्ट्रिक स्विच ऑन किया गया, गैस ने विस्फोट का रूप ले लिया और पूरी इमारत धराशायी हो गई। वहीं, एनएलएसडी (न्यू लंदन सकूल डिजास्टर) वेबसाइट के अनुसार, 18 मार्च को जिमनेजियम में पीटीए की बैठक हुई। दोपहर 3:17 बजे, मैनुअल ट्रेनिंग के इंस्ट्रक्टर लेमी

आर. बटलर ने एक सैंडिंग मशीन चालू की; उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि रिएक्शन होगा और कहर बरप जाएगा। स्विच चालू होते ही आग लग गई, और लपटें इमारत के नीचे बनी एक लगभग बंद जगह में फैल गईं–यह जगह 253 फीट लंबी और 56 फीट चौड़ी थी। धमाका हुआ और चपेट में कई लोग आ गए। इस धमाके की आवाज चार मील दूर तक सुनाई दी।

इस घटना ने पूरे अमेरिका को झकझोर कर रख दिया। राहत और बचाव कार्य कई दिनों तक चलता रहा, और मलबे से लगातार शव निकाले जाते रहे। इस त्रासदी के बाद अमेरिका में गैस सुरक्षा को लेकर व्यापक बदलाव किए गए। सबसे महत्वपूर्ण निर्णय यह लिया गया कि प्राकृतिक गैस में गंध मिलाना अनिवार्य किया जाए, ताकि रिसाव होने पर उसे आसानी से पहचाना जा सके। यह नियम आज भी दुनिया के कई देशों में लागू है।

इस हादसे का उल्लेख कई ऐतिहासिक पुस्तकों में मिलता है। उदाहरण के तौर पर, लेखक जेनेट कीथ की पुस्तक 'रिच मैन्स वॉर, पुअर मैन्स फाइट' में इस त्रासदी का संदर्भ देते हुए लिखा गया है कि यह घटना 'एक ऐसा क्षण था जिसने समुदाय को हमेशा के लिए बदल दिया और सुरक्षा के प्रति लापरवाही की भारी कीमत को उजागर किया।' यह उद्धरण उस समय के सामाजिक और प्रशासनिक दृष्टिकोण को भी सामने लाता है, जहां छोटी सी लापरवाही ने सैकड़ों जिंदगियां छीन लीं।

न्यू लंदन स्कूल विस्फोट केवल एक दुर्घटना नहीं था, बल्कि एक चेतावनी थी कि तकनीकी सुविधाओं के साथ सुरक्षा उपायों की अनदेखी कितनी विनाशकारी साबित हो सकती है। आज भी यह घटना दुनिया भर में औद्योगिक और सार्वजनिक सुरक्षा के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण उदाहरण के रूप में याद की जाती है।

page 1 and 8 mar 19_page 1 Mar 25 final ds.qxd 3/19/2026 12:08 AM Page 2

नींबू की खेती किसानों के लिए फायदेमंद

सी एम शर्मा

नींबू की खेती एक महत्वपूर्ण फल की फसल है। नींबू की खेती भारत के विभिन्न हिस्सों में सफलतापूर्वक की जाती है। भारत में नींबू की खेती के प्रमुख राज्य आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र,तमिलनाडु ,गुजरात, हरियाणा,पंजाब, राजस्थान, बिहार के साथ ही देश के अन्य हिस्सों में भी इसकी खेती की जाती है।

यह विश्व में इसके गुद्दे और रस के लिए जाना जाता है। दुनिया भर में विभिन्न खट्टे फलों का उपयोग भोजन या रस बनाने के लिए किया जाता है। इसके साथ साथ नींबू में कई तरह के औषधीय गुण हैं, इससे तो सभी परिचित हैं।

नींबू की खेती किसानों के लिए भी फायदेमंद है। नीबू की खेती कर किसान बेहतर कमाई कर सकते है। क्योंकि भारत के बाजारों में नींबू की बहुत मांग है। इसके लिए किसान भाइयों को नींबू की खेती कैसे करें, उसके लिए उपयुक्त जलवायु, भूमि, किस्में, रोग रोकथाम, पैदावार की जानकारी होना अति आवश्यक है। जिससे वे नींबू की खेती को उन्नत और आधुनिक तकनीकी से कर सके। इस जानकारी के लिए किसान भाई निचे पूरा लेख पढ़ें जिसको पढकर आप नींबू की उत्तम पैदावर प्राप्त कर सकते है।

नींबू की खेती हेतु जलवायु

नींबू की खेती के लिए समप्रमाण सर्दी और गर्मी अनुकूल है। जहा पर जल वायु सूखा हो या बारिश ज्यादा नहीं होती हो ऐसे क्षेत्रों में नींबू की फसल अच्छी तरह से होती है। ज्यादा नमी वाले जलवायु में व जहां ज्यादा बारिश होती हो ऐसे क्षेत्रों में रोग और किट की वजह से इसकी उचित पैदावर नही मिलती है।

उपयुक्त भूमि

अच्छे जल निकास वाली उपजाऊ तथा सामान्य बनावट की दोमट मिट्टी नींबू की खेती के लिए के लिए आदर्श मानी जाती है। मिट्टी की गहराई लगभग 1 से 2 मीटर अवश्य होनी चाहिए। मिट्टी की कड़ी परत या चट्टान तल से पाँच फुट की गहराई तक नहीं होनी चाहिए। मिट्टी का पीएच मान 5.5 से । की बीच उचित माना जाता है।

प्रमुख किस्में

नींबू की खेती हेतु व्यवसायिक दृष्टी से उन्नतशील और संकर किस्में इस प्रकार है, जैसे–

कागदी– इस किस्म के फल छोटे से मध्यम कद के 40 से 60 ग्राम, गोल, कागज के जैसे पतले छिलके वाले, रस बहुत खट्टा और खास प्रकार की सोडमवाले होते है। पके फल पीले होने के कारण आकर्षक लगते है।

रंगपुर लाईम– नींबू की यह किस्म खास कर ज्यादा बारिश वाले क्षेत्र में अच्छी होती है। शरबत बनाने के लिए अच्छी किस्म है। रंगपुर नींबू के फल देर से पकते है और कुछ हद तक कागदी नींबू का कार्य करते है। इसके अलावा इस किस्म के पौधे मूलकांड के लिए अच्छे उपयोगी माने जाते है।

पंजाब बारामासी– आमतौर पर इसकी शाखाएं ज़मीन को छूती हैं। लैमन के फल पीले, आकार में गोल जिसका तल लंबा और पतला होता है। कुदरती रूप से फल बीज रहित और रसभरे होते हैं। इसकी औसतन पैदावार 84 किलोग्राम प्रति वृक्ष होती है।

यूरेका– इसके वृक्ष अर्द्ध मज़बूत होते हैं। लैमन पीले छिलके वाले रंग के, जूस मज़बूत तेज़ाबी होने के साथ बहुत बढ़िया स्वाद के होते हैं। इसके फल अगस्त में पक जाते हैं।

पंजाब गलगल– वृक्ष मज़बूत होने के साथ साथ इसके हल्के हरे रंग के पत्ते होते हैं। इसके फल दरमियाने आकार और अंडाकार होते हैं। इसका जूस तेज़ाबी और एक एकेले फल में 8 से 10 बीज होते है। इसके फल नवंबर से दिसंबर में पक जाते हैं। इसकी औसतन पैदावार 80 से 100 किलोग्राम प्रति वृक्ष होती है।

प्रमालिनी– इस किस्म के निम्बू शाखा में फलते है, और इसके एक गुच्छे में लगभग 3 से । तक फल लगते हैं। प्रमालिनी निम्बू,कागजी नीबू के तुलना में 30 प्रतिशत तक ज्यादा उपज देती है।

चक्रधर– इस निम्बू में बीज नहीं होते है और इसके फल से लगभग 65 प्रतिशत तक रस निकलता है। पिकेएम–1, यह भी ज्यादा उत्पादन वाली किस्मो में से एक है। इसके फलो से लगभग 50 प्रतिशत रस प्राप्त होता है।

रसराज– यह किस्म आईआईएचआर द्वारा विकसित की गई है। पीले रंग के फलों में रस की मात्रा ।0 प्रतिशत और 12 बीज होते हैं। इसकी खट्टेपन की मात्रा 6 प्रतिशत और शुगर की मात्रा लगभग 8 ब्रिक्स है। यह किस्म पत्तों के झुलस रोग और कोढ़ रोग के प्रतिरोधी है।

लिस्बन नींबू– यह ठंड और हवा के अधिक वेग के प्रतिरोधी है। इसके फल मध्यम आकार और पीले रंग के होता हैं, इसकी सतह नर्म होती है।

लखनऊ बीजहीन– इसके फल मध्यम आकार के और पीले रंग के होते हैं।

पैंट नींबू– यह किस्म छोटे कद की होती है और इसके फल रसभरे होते हैं। यह रोग धफड़ी, कोढ़ और गुंदियां रोग के प्रतिरोधी है।

अन्य किस्में– असम नींबू, इतालवी नींबू, यूरेका नींबू, माल्टा नींबू, साईं सर्बती और सीडलेस निम्बू , भी नींबू की उन्नत किस्मो में से एक है।

नर्सरी

नींबू की नर्सरी के लिए थोड़ी ऊंचाईवाली, उपजाऊ और अच्छे नीतारवाली जमीन का चयन करें। उस में 2 × 1 मीटर की 15 सैंटीमीटर ऊंची उठी हुई क्यारियाँ बनाएँ। हर क्यारियों में गोबर खाद मिलाएँ।

बीज उपचार– एक किलोग्राम बीज को 3 ग्राम थायरम या कैप्टान से उपचारित करे।

बीज बुवाई– बीज को दो कतारों के बीच 15 सैंटीमीटर और दो बीज के बीच 5 सैंटीमीटर अंतर रखकर 1 से 2 सैंटीमीटर गहराई पे जुलाई से अगस्त महीने में बुवाई करें।

नींबू की खेती हेतु अनेक अनुसंधान ने पाया की नींबू की रोपाई 6 × 6 मीटर के बदले 4.5 × 4.5 मीटर के अंतर से रोपाई करने पर 6 × 6 मीटर की तुलना में लगभग दुगनी उपज मिलती है। लेकिन कम अंतर पर रोपाई करने से आर्थिक उपज 15 साल के आसपास रहता है। नींबू की खेती हेतु 4.5 × 4.5 मीटर के अंतर पर 60 × 60 × 60 सैंटीमीटर के माप के गड्ढ़े बनाए, उनको 15 से 20 दिन सूरज की रोशनी में तपने देने के बाद मिट्टी के साथ प्रति गड्ढे 25 किलोग्राम गोबर खाद तथा दीमक का प्रकोप हो तो क्लोरपायरीफोस 100 लीटर पानी में 100 मिलीलिटर मिलाकर रोपाई बाद 10 लीटर मिश्रण गड्ढे में पौधे के चारो ओर डाले।

सिंचाई– सर्दियों में 5 से । दिनो पर और गर्मियों में 4 से 5 दिनो पर नर्सरी की सिंचाई करे, जरूरत के हिसाब से खरपतवार व रोग किट का उपाय करें।

दूसरी नर्सरी में रोपाई– पौधे एक साल के हो तब उनकी दूसरी नर्सरी में रोपाई करे। इस समय कमजोर, पतले और रोगी पौधे निकाल दें। पौधे की 15 से 20 सैंटीमीटर ऊंचाई की शाखाएं काट दे। पौधे के चयन के बाद दो कतार के बीच 30 सैंटीमीटर और दो पौधे बीच 15 सैंटीमीटर अंतर रखकर रोपाई करें। दो साल की उम्र के लगभग 60 सैंटीमीटर ऊंचाई और ज्यादा तंतुमूलवाले पौधे रोपाई हेतु अच्छे माने जाते है।

घुलनशील खाद– जिंक सल्फेट और फेरस सल्फेट 10 लीटर पानी में 50 ग्राम के हिसाब से मिलाकर छिड़काव करने से पौधे का विकास अच्छा होता है।

प्रवर्धन

इन फलों के प्रवर्धन के लिए टी कलिकायन का तरीका सबसे अच्छा है। इसके लिए सितम्बर से अक्तूबर के महीने अति उत्तम पाए गए है।

ध्यान दे– किसान भाई यदि स्वयं पौधे तैयार नही करते है, तो विश्वसनीय और प्रमाणित नर्सरी से ही पुरे तथ्यों के साथ पौधे लें, और रोपाई से 15 से 20 दिन पहले पौधे लेकर बागवानी वाली जगह रख ले, इससे पौधों को वहां के वातावरण से अवगत होने का समय मिल जाता है।

पौधरोपण

नींबू की खेती हेतु अनेक अनुसंधान ने पाया की नींबू की रोपाई 6 × 6 मीटर के बदले 4.5 × 4.5 मीटर के अंतर से रोपाई करने पर 6 × 6 मीटर की तुलना में लगभग दुगनी उपज मिलती है। लेकिन कम अंतर पर रोपाई करने से आर्थिक उपज 15 साल के आसपास रहता है। नींबू की खेती हेतु 4.5 × 4.5 मीटर के अंतर पर 60 × 60 × 60 सैंटीमीटर के माप के गड्ढ़े बनाए, उनको 15 से 20 दिन सूरज की रोशनी में तपने देने के बाद मिट्टी के साथ प्रति गड्ढे 25 किलोग्राम गोबर खाद तथा दीमक का प्रकोप हो तो क्लोरपायरीफोस 100 लीटर पानी में 100 मिलीलिटर मिलाकर रोपाई बाद 10 लीटर मिश्रण गड्ढे में पौधे के चारो ओर डाले।

जून से जुलाई में अच्छी बारिश होने से गड्ढे में स्वस्थ पौधा लगाकर उसके आसपास की जमीन सही से दबाएँ और जरूरत हो तो हल्की सिंचाई करे। पौधा हवा और बारिश से गिर न जाए उसके लिए डंडी का सहारा दें। किसान भाई 6 × 6 मीटर के हिसाब से भी उपरोत प्रक्रिया के तहत रोपाई कर सकते है।

खाद और उर्वरक

किसान भाइयों को उर्वरक का प्रयोग मिट्टी परिक्षण के अनुसार करना चाहिए। यदि परिक्षण नही किया है, तो नींबू की खेती में छोटे पौधे को बरसात के शुरुआत होते ही गोबर की सड़ी हुयी खाद दे दी जानी चाहिए। इसके साथ साथ अन्य उर्वरको का प्रयोग भी संतुलित मात्रा में करना चाहिए।

इसके अलावा नींबू के पुख्त उम्र के पौधे के लिए लगभग 100 से 125 ग्राम फेरस सल्फेट और 50 से 10 ग्राम जिंक सल्फेट 8 से 10 किलो गोबर खाद साथ मिलाकर पौधे के चारोओर जमीन में दें। जमीन में यह पूर्ति जमीन की जांच के आधार पर दें, या किसान भाई घुलनशील उर्वरक तत्वों का छिड़काव भी कर सकते है।

सिंचाई व्यवस्था और अंतरवर्ती फसलें

नींबू की खेती में जड़े ज्यादा गहरी नहीं होती इसलिए कम दिनों के अंतर पर नियमित

हल्की सिंचाई करें। बुवाई के बाद तुरंत ही पानी दे। मानसून में बरसात न हो विकाससिल पौधे को हर 4 से 6 दिन के अंतर पर पानी दें। विकशित उम्र के पौधे को सर्दियों में 10 से 12 दिन के अंतर पर और गर्मियों में । से 8 दिन के अंतर पर सिंचाई करें।

टपक सिंचाई– टपक सिंचाई लगी हो तो जमीन ऋतु और पौधे का विकास ध्यान में रखकर हर रोज 30 से 50 लीटर पानी दें। प्रति पौधा 4 ड्रिपर रखकर जनवरी में 2 घंटे, फरवरी में 3 घंटे, मार्च में 4 घंटे, अप्रैल से जून में 5 घंटे, जुलाई से सितम्बर में 2 घंटे अगर बरसात नहीं हो तो और अक्टूबर से दिसंबर में 3 घंटे चलाने की सलाह दी गई है।

अंतरवर्ती फसलें– बाग लगाने के शुरू के वर्षों में पौधो के बीच काफी जगह खाली रह जाती है। इस खाली जगह में कुछ फसलें उगाई जा सकती है, जिससे किसान को शुरू के वर्षो में भी कुछ आमदानी हो सकती है। अंतरवर्ती फसलें के लिए फसलों का चुनाव वहाँ की जलवायु, मृदा, वर्षा की मात्रा और उसके वितरण तथा सिंचाई की सुविधा पर निर्भर करता है। इसके के लिए चुनी गई फसलें उथली जड़ वाली, शीघ्र पकने वाली तथा अच्छी पैदावार देने वाली होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त ये फसलें भूक्षरण व जल रोकने की क्षमता रखती हो। ये फसलें जल व पोशक तत्वो के लिए फलवृक्षों की प्रतिस्पर्धी नहीं होनी चाहिए। एसी उपयोगी फसलों में पपीता, स्ट्रोबेरी, सब्जिया, चारे की फसलें तथा दाल की फसलें उल्लेखनीय है। बाग में भारी फसलें लेने से बचना चाहिए।

खरपतवार– जमीन को नरम और भूरभूरी रखने हेतु साल में 2 से 3 बार आंतरजुताई करे। अच्छी नीतारवाली जमीन में कम से कम आंतरजुताई करे, जिससे जड़ को नुकसान न हो और जुताई से रोग व किट भी कम होते है। खरपतवार दूर करें और 3 से 4 पौधे के आसपास खुदाई करें।

कटाई छटाई और फूल बहार

कटाई छटाई– नींबू की कटाई छटाई, फूलने और फलने के लिए नहीं बल्कि इन्हें वांछनीय आकार देने के लिए की जाती है। जो अतिरिक्त शाखा अति शीघ्र वृद्धि करे, को काट देना चाहिए। इसी प्रकार मूलवृंत से जो भी फूटाव निकलें उन्हें भी हटाते रहना चाहिए। जितनी भी आडी–टेढ़ी, सूखी या रोगग्रसित शाखाए हों उन्हे काट कर अलग कर देना चाहिए। अत पौधों को वांछनीय आकार देने के लिए उनकी शुरू से ही अच्छी काट–छांट करनी चाहिए, ताकि उनसे भूमि तल से लगभग 60 से 90 सैंटीमीटर तक कोई फुटाव न निकले।

इस ऊंचाई तक एक प्रमुख ताना विकसित हो और बाद में इस पर तीन से पाँच प्रमुख शाखाएँ पैदा हो। इसके बाद पौधों को खाद, पानी देने एवं

अन्य सामयिक क्रियाओ में सुविधा रहती है।

फूल बहार– नींबू की फसल में अगर खास समय पे विशेष उपचार नहीं किया गया हो तो गर्मियों में पुरा साल की कुल उपज की 20 प्रतिशत फल उपज ही मिल पाती है। जब की गर्मियों में नींबू की मांग ज्यादा रहती है और भाव भी अच्छे होते है। ऐसी परिस्थितियों में अगर नींबू की फसल में फूलों आने के समय में बदलाव कर गर्मी के समय में ज्यादा उपज लेकर ज्यादा मुनाफा कमा सकते है।

रोग व कीट रोकथाम

नींबू वर्गीय फसलों जैसे नींबू, संतरा मौसमी, माल्टा व अन्य में लगभग एक ही प्रकार के कीटों और रोगों का प्रभाव होता है, इसलिए नींबू की खेती हेतु कीट और रोग रोकथाम के लिए किसान भाई लेख से जानकारी प्राप्त करें–

पौधे की देखभाल

हानिकारक कीट और रोकथाम

सिटरस सिल्ला– ये रस चूसने वाला कीड़े हैं। निंफस के कारण नुकसान होता है। यह पौधे पर एक तरल पदार्थ छोड़ता है जिससे पत्ता और फल का छिल्का जल जाता है। पत्ते मुड़ जाते हैं और पकने से पहले ही गिर जाते हैं। प्रभावित पौधों की छंटाई करके उन्हें जला कर इसकी रोकथाम की जा सकती है। मोनोक्रोटोफॉस 0.025% या कार्बरिल 0.1% की स्प्रे भी लाभदायक हो सकती है।

पत्ते का सुरंगी कीट– ये कीट नए पत्तों के ऊपर और नीचे की सतह के अंदर लार्वा छोड़ देते हैं, जिससे पत्ते मुड़े हुए और विकृत नज़र आते हैं। सुरंगी कीट से नए पौधों के विकास में कमी देखी जा सकती है। सुरंगी कीट के अच्छे प्रबंधन के लिए इसे अकेला छोड़ देना चाहिए और ये प्राकृति कीटों का भोजन बनते हैं और इनके लार्वा को खा लेते हैं। फासफोमिडोन 1 मि.ली. या मोनोक्रोटोफॉस 1.5 मि.ली. को प्रत्येक पखवाड़े में 3–4 बार स्प्रे करें। सुरंगी कीटों का पता लगाने के लिए के लिए फेरोमोन जाल भी उपलब्ध होते हैं।

स्केल कीट– सिटरस स्केल कीट बहुत छोटे कीट होते हैं जो सिटरस के वृक्ष और फलों से रस चूसते हैं। ये कीट शहद की बूंद की तरह पदार्थ छोड़ते हैं, जिससे चींटियां आकर्षित होती हैं। इनका मुंह वाला हिस्सा ज्यादा नहीं होता है। नर कीटों का जीवनकाल कम होता है। सिटरस के पौधे पर दो तरह के स्केल कीट हमला करते हैं, कंटीले और नर्म स्केल कीट। कंटीले कीट पौधे के हिस्से में अपना मुंह डालते हैं और उस जगह से बिल्कुल नहीं हिलते, उसी जगह को खाते रहते हैं और प्रजनन करते हैं। नर्म कीट पौधे के ऊपर परत बना देते हैं जो पौधे के पत्तों को ढक देती है और प्रकाश संश्लेषण क्रिया को रोक देते हैं। जो मरे हुए नर्म कीट होते हैं वो मरने के बाद पेड़ से चिपके रहने की बजाय गिर जाते हैं। नीम का तेल इन्हें रोकने के लिए प्रभावशाली उपाय है। पैराथियोन 0.03% इमलसन, डाइमैथोएट 150 मि.ली. या मैलाथियोन 0.1% की स्प्रे भी इन कीटों को रोकने के लिए प्रभावशाली उपाय है।

चेपा और मिली बग– ये पौधे का रस चूसने वाले छोटे कीट हैं। कीड़े पत्ते के अंदरूनी भाग में होते हैं। चेपे और कीटों को रोकने के लिए पाइरीथैरीओड्स या कीट तेल का प्रयोग किया जा सकता है।

बीमारियां और रोकथाम

सिटरस का कोढ़ रोग– पौधों में तनों, पत्तों और फलों पर भूरे, पानी रंग जैसे धब्बे बन जाते हैं। सिटरस कैंकर बैक्टीरिया पौधे के रक्षक सैल में से प्रवेश करता है। इससे नए पत्ते ज्यादा प्रभावित होते हैं। क्षेत्र में हवा के द्वारा ये बैक्टीरिया सेहतमंद पौधों को भी प्रभावित करता है।

दूषित उपकरणों के द्वारा भी यह बीमारी सवस्थ पौधों पर फैलती है। यह बैक्टीरिया कई महीनों तक पुराने घावों पर रह सकता है। यह घावों की उपस्थिति से पता लगाया जा सकता है। इसे प्रभावित शाखाओं को काटकर रोका जा सकता है। बॉर्डीऑक्स 1 ल स्प्रे, एक्यूअस घोल 550 पी पी एम, स्ट्रैप्टोमाइसिन सल्फेट भी सिटरस कैंकर को रोकने के लिए उपयोगी है।

गुंदियां रोग– वृक्ष की छाल में गूंद निकलना इस बीमारी के लक्षण हैं। प्रभावित पौधा हल्के पीले रंग में बदल जाता है। तने और पत्ते की सतह पर गूंद की सख्त परत बन जाती है। कई बार छाल गलने से नष्ट हो जाती है और वृक्ष मर जाता है। पौधा फल के परिपक्व होने से पहले ही मर जाता है। इस बीमारी को जड़ गलन भी कहा जाता है। जड़ गलन की प्रतिरोधक किस्मों का प्रयोग करना, जल निकास का अच्छे से प्रबंध करने से इस बीमारी को रोका जा सकता है। पौधे को नुकसान से बचाना चाहिए। मिट्टी में 0.2 ल मैटालैक्सिल रूं ।2 + 0.5 ल ट्राइकोडरमा विराइड डालें, इससे इस बीमारी को रोकने में मदद मिलती है। वर्ष में एक बार ज़मीनी स्तर से 50– ।5 सैं.मी ऊंचाई पर बॉर्डीऑक्स को जरूर डालना चाहिए।

पत्तों के धब्बा रोग– पौधे के ऊपरी भागों पर सफेद रूई जैसे धब्बे देखे जाते हैं। पत्ते हल्के पीले और मुड़ जाते हैं। पत्तों पर विकृत लाइनें दिखाई देती हैं। पत्तों की ऊपरी सतह ज्यादा प्रभावित होती है। नए फल पकने से पहले ही गिर जाते हैं। उपज कम हो जाती है। पत्तों के ऊपरी धब्बे रोग को रोकने के लिए पौधे के प्रभावित भागों को निकाल दें और नष्ट कर दें। कार्बेनडाज़िम की 20–22 दिनों के अंतराल पर तीन बार स्प्रे करने से इस बीमारी को रोका जा सकता है।

काले धब्बे– काले धब्बे एक फंगस वाली बीमारी है। फलों पर काले धब्बों को देखा जा सकता है। बसंत के शुरू में हरे पत्तों पर स्प्रे करने से काले धब्बों से पौधे को बचाया जा सकता है। इसे 6 सप्ताह के बाद दोबारा दोहराना चाहिए।

लैमन का धफड़ी रोग – यह नारंगी किस्मों और लैमन के फलों को प्रभावित करता है। फल की विकृतियों के कारण वृक्ष की शाखाओं, फलों और पत्तों पर सलेटी रंग के धब्बे पड़ जाते हैं। फल विकास के शुरूआती समय में ही गिरने लग जाते हैं। यह फंगस के कारण होता है। पौधे को लैमन के धफड़ी रोग से बचाने के लिए कॉपर को सफेद तेल के साथ मिक्स करके हरे पत्तों के ऊपर स्प्रे करें। सफेद तेल के दो चम्मच को दो लीटर पानी में मिलाकर, कॉपर के 5 लीटर स्प्रे मिक्सचर को भी डालना चाहिए।

जड़ गलन– जड़ गलन भी फंगस के कारण होने वाली बीमारी है। यह बीमारी वृक्ष की जड़ की छाल को मुख्य रूप से प्रभावित करती है। छाल गलनी शुरू हो जाती है और ज़मीनी सतह से ऊपर एक परत बन जाती है। यह परत धीरे–धीरे पूरी जड़ को कवर कर लेती है। यह बहुत कम हालातों में होता है, जिससे कि वृक्ष भी मर सकता है। यह गलत मलचिंग के कारण, गोडाई, निराई करते समय पौधे का नष्ट होना इसके कारण हैं। इससे वृक्ष अपनी शक्ति खो सकता है। जड़ गलन से वृक्ष को बचाने के लिए पौधे की जड़ की नर्म और प्रभावित छाल को हटा दें। वृक्ष के प्रभावित भागों पर कॉपर की स्प्रे करनी चाहिए या बॉर्डीऑक्स को प्रभावित भाग पर लगाना चाहिए। हवा के अच्छे बहाव के लिए कमज़ोर, प्रभावित और वृक्ष की तंग शाखाओं को हटा दें।

जिंक की कमी– यह सिटरस के वृक्ष में बहुत सामान्य कमी है। इसे पत्तों की मध्य नाड़ी और शिराओं में पीले भाग के रूप में देखा जा सकता है। जड़ का गलना और शाखाओं का झाड़ीदार होना आम देखा जा सकता है। फल पीला, लम्बा और आकार में छोटा हो जाता है। सिटरस के वृक्ष में जिंक की कमी को पूरा करने के लिए खादों की उचित मात्रा दी जानी चाहिए। जिंक सल्फेट को 10 लीटर पानी में 2 चम्मच मिलाकर दिया जा सकता है। इसकी स्प्रे पूरे वृक्ष, शाखाओं और हरे पत्तों पर की जा सकती है। इसे गाय या भेड़ की खाद द्वारा भी बचाया जा सकता है।

आयरन की कमी– नए पत्तों का पीले हरे रंग में बदलना आयरन की कमी के लक्षण हैं। पौधे को आयरन कीलेट दिया जाना चाहिए। गाय और भेड़ की खाद द्वारा भी पौधे को आयरन की कमी से बचाया जा सकता है। यह कमी ज्यादातर क्षारीय मिट्टी के कारण होती है।

फलों कि तुड़ाई

नीबू को परिपक्व होने पर ही तुड़ाई करनी चाहिए। खट्टे नींबू के पौधों में एक साल में कई बार फल लगते है, और इसके फलो को तैयार होने में लगभग 6 माह का समय लगता है। जब फल पक कर हरे रंग से पीला रंग हो जाता है, तब उसकी तुड़ाई शुरू कर दी जाती है। फलों को तोड़ते समय इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि फलों का साथ–साथ थोडा हिस्सा तनों और पत्तियों का भी तोड़ लिया जाए ताकि फल के छिलके को कोई नुकसान न हो।